हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक वीरवार, दिनांक 22 दिसम्बर, 2016 को माननीय अध्यक्ष, श्री बृज बिहारी लाल बुटेल की अध्यक्षता में विधान सभा भवन, तपोवन, धर्मशाला-176215 में 11:00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

प्रश्न काल

तारांकित प्रश्न

22.12.2016/1100/SS/AS/1

प्रश्न संख्या: 3333 (**स्थगित**)

अध्यक्ष: प्रश्न काल आरम्भ, श्री बलदेव सिंह तोमर। --(व्यवधान)-- आपकी (श्री सतपाल सिंह सत्ती) बात, मैं क्वैश्चन आवर के बाद सुनूंगा, पहले नहीं सुनूंगा। I will not listen to you before the question hour. Let the question hour be completed first. क्वैश्चन आवर कम्प्लीट कीजियेगा, फिर उसके बाद बात करिये। No subject can be discussed अभी कोई बात नहीं चलेगी, अभी क्वैश्चन आवर है। --(व्यवधान)-- Are you not interested in the Question Hour? श्री बलदेव सिंह तोमर जी, क्या आप नहीं बोलना चाहते? Not interested.

22.12.2016/1100/SS/AS/2

प्रश्न संख्या: 3372

अध्यक्ष: अगला प्रश्न श्री महेन्द्र सिंह। Not interested.

22.12.2016/1100/SS/AS/3

प्रश्न संख्या: 3421

Speaker: Next question, Sh. Krishan Lal Thakur. Not interested.

22.12.2016/1100/SS/AS/4

प्रश्न संख्या: 3605

Speaker: Next question, Sh. Randhir Sharma. Not interested. Smt. Asha Kumari.

जारी श्रीमती के0एस0

22.12.2016/1105/**केएस/एएस**/1

Speaker: I will listen to you after the Question Hour...(Interruption)

प्रश्न संख्या: 3606

श्रीमती आशा कुमारी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि यह जो फोरैस्ट क्लीयरैंस है, यह कब तक उपलब्ध हो जाएगी और काम कब तक शुरू हो जाएगा? यह जो ऑब्जर्वेशन्ज़ हैं, इनको रिमूव करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

उद्योग मंत्री (प्राधिकृत): अध्यक्ष महोदय, यह मसला देहरादून में अथॉरिटीज़ के साथ उठाया गया था। जो ऑब्जैक्शन्ज़ थे, उनको रिमूव करने के प्रयास किए जा रहे हैं और मैं माननीय सदस्या को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि बहुत जल्दी इसकी क्लीयरैंस के प्रयास किए जाएंगें।

22.12.2016/1105/**केएस/एएस**/2

प्रश्न संख्या: 3607

अध्यक्ष: श्री रिखी राम कौंडल (Not Interested). After the Question Hour I will sit with you. अगला प्रश्न श्री अनिरुद्ध सिंह......(व्यवधान).... यह गलत बात है। मैं कह रहा हूं कि मैं आपको 12.00 बजे बोलने का समय दूंगा। ....(व्यवधान)........

मुख्य मंत्री: अध्यक्ष महोदय, जो निष्कासित होते हैं, वे सदन में नहीं बैठ सकते। ----(व्यवधान)----

अगला प्रश्न श्रीमती अ0व0 की बारी में----

22.12.2016/1110/av/ag/1

<u>प्रश्न संख्या</u> <u>: 3608</u>

श्री अनिरुद्ध सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री के ध्यान में लाना चाहूंगा कि वर्ष 2012 में 1257095/- रुपये में इस 780 मीटर सड़क की मैटलिंग के लिए टैंडर किए गए थे। इसके लिए विभाग को रिपीटिडली कहते रहे कि ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया जाए ताकि यह काम पूरा हो सके। विभाग ने श्री शक्ति सिंह, ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट नहीं किया जिस कारण से उस सड़क की चार साल से मैटलिंग नहीं हो पा रही है। वह शेडी एरिया है और वहां काम करने के लिए केवल डेढ़ महीना मिलता है। माननीय मुख्य मंत्री से अनुरोध है कि विभाग को इस बारे में आदेश करें कि अगले सीजन में यह सड़क फाइनली पक्की हो ताकि लोगों को इसकी सुविधा मिल सके।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, <u>जैसा माननीय सदस्य ने चाहा है वैसे ही लोक निर्माण विभाग को आदेश दिए जायेंगे कि अगले सीजन में वह इस सड़क को पक्का कर दें।</u>

22.12.2016/1110/av/ag/2

अध्यक्ष : माननीय धूमल जी, आप क्या बोलना चाहते हैं?

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : अध्यक्ष महोदय, हमने कल भी आपसे आग्रह किया था कि नियमों के तहत सदन चलाया जाए और उसके अनुसार चर्चा अलाउ करें। आपने अपने विवेक में

उस बात को नहीं माना, आपने कहा कि मैं नियम बदल सकता हूं। मैंने यह भी कहा कि मैं आपका मज़ाकिया स्टाइल समझता हूं, नियम स्पीकर नहीं बदलता हाउस बदलता है। कल को आप कहेंगे कि मैं संविधान बदल सकता हूं तो आपने कहा कि मैं वह भी बदल सकता हूं। परिणामस्वरूप जो डैडलॉक पैदा हुआ उसके पश्चात जब आप हाउस को एडजर्न करने के 15 मिनट बाद तक नहीं आए तो प्रीजाईडिंग ऑफिसर के पैनल में क्योंकि डिप्टी स्पीकर साहब भी यहां नहीं थे, श्रीमती आशा कुमारी जी नहीं थी और भारद्वाज जी पैनल में थे इसलिए वे बैठें। उसके बाद जो हुआ उस पर आपने बड़ा गम्भीर नोटिस लेकर कार्रवाई की है। ये नियम एकतरफा क्यों चल रहे हैं? मैं तो हैरान हूं कि कल माननीय मुख्य मंत्री भी बोले और कहा कि पूर्व मुख्य मंत्री भी वहां थे, बड़ी शर्म की बात है। यह शर्म बड़ी विचित्र चीज है। दूसरे की बारी आती है, अपनी बारी नहीं आती। जब आप यहां थे और मैं वहां था तो आप वहां आकर मेरा टेबल थपथपाते थे, तब नहीं आती थी। आपने कागज फाड़कर सचिव के ऊपर मारे थे। (---व्यवधान---)

मुख्य मंत्री श्री वर्मा द्वारा जारी

22.12.2016/1115/TCV/AG/1

मुख्य मंत्री: आपके द्वारा मेरे खिलाफ़ बनाया गया झूठा केस है। मेरे हाथ में कागज़ थे, मैंने कहा कि मैं माननीय अध्यक्ष महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मैंने कागज़ सक्रेटरी साहब के टेबल पर रखा। उस वक्त वहां पर साथ में टेबल होता था। लेकिन आपने मेरे खिलाफ़ प्रीवेलेज़ मोशन बनाया।

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल: आपने जो बदतमीजी की थी, उसके बावजूद भी वह केस नहीं बनाया गया जो बनाना चाहिए था।

मुख्य मंत्री: आपने सब कुछ किया जो आप करना चाहते थे, आपने किया। अब भी जो करना चाहते हैं, वह करो। Who is bothered about you?

Prof. Prem Kumar Dhumal: Who is bothered about you? Nobody is bothered about you. Should the Chief Minister use this language? मैं जिस बात की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं, वह यह है कि आज जब तीनों निलम्बित विधायक विधान सभा कैंपस में आ रहे थे, तो उनको गेट पर ही रोक दिया गया। जबकि उनको अभी तक पर्सनल नोटिस सर्व नहीं हुआ है कि आपको सस्पैंड किया गया है। सस्पैंशन जो होती है, वह हाऊस की प्रोसीडिंग से होती है। As Member they cannot sign for the day for which you have suspended. वह यहां पार्टिस्पेट नहीं कर सकते हैं। लेकिन क्या वह विधान सभा परिसर में नहीं आ सकते हैं? जबकि कॉमनमैन आ सकता है, दर्शक लोग आ रहे हैं और अन्य लोग आ सकते हैं, लेकिन चुने हुए विधायक सस्पैंड़ करने के बाद हाऊस में नहीं आ सकते हैं तो क्या विधान सभा कैंपस में भी नहीं आ सकते हैं।उनको पुलिस द्वारा गेट बन्द करके रोका गया और उनको हमें जाकर लाना पड़ा कि आप विधान सभा कैंपस के अन्दर आ सकते है। मैंने जो इमरजैंसी की बात कही थी, वह आज साबित हो रही है। आज मुख्य मंत्री जी कहते हैं "who bothers about you". तो इसका मतलब है कि तानाशाही की प्रवृत्ति जो मैंने कल कही थी, वह स्पष्ट नज़र आ रही है। हम इसके खिलाफ़ प्रोटैस्ट कर रहे हैं।

22.12.2016/1115/TCV/AG/2

अध्यक्ष: माननीय धूमल जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जो आप कह रहे हैं, इसके बारे में शायद आपको पूरे फैक्ट्स पता नहीं है। असैंबली का जो मिनिंग है that is "including the premises of the Assembly". मैं इसलिए कह रहा था कि इसके बाद में 12.00 बजे आपसे परामर्श करूंगा। अभी आप बैठ जाईये। जो आप मुझे कहना चाहते हैं, आप कहिए,मैं उसका जवाब दूंगा। दूसरी जो सज़ा की बात है, वह हाऊस ने इनफ्लिक्ट की है और only the House is competent. मैं तो हाऊस को कंडक्ट कर रहा हूं।

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल: अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात खत्म कर रहा हूं। मैं कल भी आपसे यही निवेदन कर रहा था कि हाऊस के नियम आप नहीं बदल सकते हैं, हाऊस बदल सकता है। आज आप वही आरगुमैंट दे रहे हैं कि जो भी किया हाऊस ने किया मैंने नहीं किया।

अध्यक्ष: आप जो मिडिया में बोल रहे हैं, वह मैंने नहीं बोला है, You bring the proceedings. आप मेरी स्पीच मंगवाईये और उसमें बताईये कि मैंने क्या-क्या कहा है। Read my speech. और उसमें बताईये कि क्या-क्या कहा है। I have not said this thing.

Prof. Prem Kumar Dhumal: You never made a speech, Sir. You made your comments. The Secretariat is under you. How these things have been changed in the past also? हमारे क्वैश्चन्ज़ चैंज़ हो जाते हैं, हमारे नोटिसिज़ की भाषा चेंज़ हो जाती है।

Speaker: No, no. There is a recording also simultaneously. You can see the recording. मैं ऐसा आदमी नहीं हूं कि जो आपने कहा कि मैं उसको बदलाऊंगा। मैं उसको क्यों बदलाऊंगा।

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल: आप सरेआम मेरे सामने कह रहे हो कि मैंने ऐसा नहीं कहा।

22.12.2016/1115/TCV/AG/3

अध्यक्ष: मैंने ऐसा नहीं कहा। जो कुछ शब्द मैंने कहे हैं उसमें मैंने कहा है कि बदलवा सकता हूं। इसलिए "बदल" सकता हूं और "बदलवा" सकता हूं में फर्क है। आप पढ़िए।

प्रो0 प्रेम कुमार धूमलः सर, यह ऑफ्टर थौट है।

अध्यक्ष: मैंने यह भी कहा कि पार्लियामैंट में संविधान बदल जाता है। इसमें अमैंडमैंट्स होती रहती है।

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल: यह आपने बाद में अमैंड किया है। आप मेरी बात सुन लीजिए। आपने कहा कि मैं नियम चैंज कर सकता हूं। मैंने कहा कि आप नहीं कर सकते हैं, सदन कर सकता है। मैंने कहा कि आप संविधान को बदलने की बात करते हैं। पहले आपने कहा कि मैं बदल सकता हूं फिर आपने कहा कि नहीं, पार्लियामैंट बदल सकती है।

अध्यक्ष: मैंने उससे पहले आपको यह भी कहा है कि आप एम0पी0 रहे हैं, अगर अमैंडमैं**ट** होती है, तो आप उसको करवा सकते हैं। अगर मैं एम0पी0 हूं तो मैं भी करवा सकता हूं, ये मैंने कहा था।

श्रीमती एन0एस0 --- द्वारा जारी।

22/12/2016/1120/NS/AS/1

प्रो. प्रेम कुमार धूमल : अध्यक्ष महोदय, ये बातें आपने बाद में एड की हैं। यह पहले नहीं थी।

अध्यक्ष : बाद में नहीं की हैं। आप कागज़ देख लीजिए।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल : पहले आपने कहा कि मैं नियम भी बदल सकता हूं और संविधान भी बदल सकता हूं। यह आपके शब्द थे।

अध्यक्ष : मैंने कहा कि मैं बदलवा सकता हूं। आप उसमें देखिए। (व्यवधान) और बदल भी सकता हूं। (व्यवधान)

प्रो. प्रेम कुमार धूमल : अध्यक्ष महोदय, अगर आपने हमारी बात माननी नहीं हैं। (व्यवधान)

अध्यक्ष: मैं यह कह रहा हूं कि मैं मानने के लिए तैयार हूं। आप प्रश्न काल के बाद मेरे साथ बैठिए। मैं आपको सारे साक्ष्य बता दूंगा। यह सारा मेरे पास रिकार्ड पड़ा हुआ है। (व्यवधान)

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : अध्यक्ष महोदय, यह रिकॉर्ड बहुत बार बदला गया है। हमने इसको देखा है। (व्यवधान)

अध्यक्ष: किसने बदला? अगर बदला गया है तो उसको सजा है।

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : अध्यक्ष महोदय, प्रश्नों की भाषा बदल जाती है। नोटिस की भाषा बदल जाती है और जो हम यहां बोलते हैं वह भी बदल जाता है। (व्यवधान)

अध्यक्ष : परेजैंटली मैं इसके साथ concerned हूं अगर यह बदला गया होगा तो मैं उसको सज़ा दूंगा, अगर बदला गया होगा तब।

22/12/2016/1120/**NS**/**AS**/2

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : अगर आपने बदलाया होगा तो।

अध्यक्ष : मैंने नहीं बदलवाया है।

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : आपने बेगुनाह एम0एल0एज़0 को सजा दे दी है। आपके साथ यहां पर क्या बदतमीज़ी हुई? हम यहां पर नारे लगा रहे थे और आपसे दूर खड़े थे। आपके मंत्री महोदय जा करके मुख्य मंत्री महोदय को गाईड कर सकते हैं कि यह जवाब दो। यह हाऊस में अलाऊ है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप इसको स्पष्ट कीजिए। आपके मंत्री महोदय जा करके मुख्य मंत्री महोदय को गाईड कर रहे हैं कि यह प्रश्न है आप इसको बोलिए। (व्यवधान)

अध्यक्ष : ऐसा कौन कह रहा है?

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : यह अभी आपके सामने हुआ। यह भी अपनी बात से मुकर गए कि मैं नहीं गया। (व्यवधान)

अध्यक्षः वे तो इनको असिस्ट कर रहे थे। (व्यवधान)

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : आपसे मिलना अलग बात है। प्रश्न का उत्तर जब देते हैं तो कोई साथ नहीं जाता। The Minister concerned is suppose to reply. श्री जी0एस0बाली जी, जब प्रश्न का जवाब दिया जाता है तब मंत्री नहीं जाते हैं लेकिन आप जा सकते हैं क्योंकि आपका एक अलग अंदाज़ है। अध्यक्ष महोदय, मैं इसका प्रोटैस्ट कर रहा हूं। (व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय धूमल जी, आपका बहुत बड़ा हृदय है। आप बहुत बड़े हैं। मैं आपको कह रहा हूं कि आपने जो ऐलिगेशन लगाया है इसको मैं आपके साथ बैठ करके पूरा क्लीयर करूंगा। लेकिन अभी मेहरबानी करके प्रश्न काल के बाद बैठेंगे तब मैं हाऊस को 10 मिनट के लिए एडजोर्न कर दूंगा। यह मेरी आपसे निवेदन है।

अध्यक्ष : माननीय डिप्टी स्पीकर महोदय आप क्या बोलना चाहते हैं?

22/12/2016/1120/**NS**/**AS**/3

उपाध्यक्ष : माननीय अध्यक्ष जी, जब पिछले कल श्री सुरेश भारद्वाज जी चेयर पर बैठे उस समय मैं हाऊस में परेजैंट था और माननीय धूमल जी भी यहीं थे। इसलिए माननीय धूमल जी का यह कहना कि मैं उस समय हाऊस में नहीं था, यह बिल्कुल गलत है। (व्यवधान) I was very much present in this House. (व्यवधान) यह भी सामने बैठे थे। (व्यवधान)

अध्यक्ष : जब कोई बात करते हैं तो आप सभी हर बात के लिए खड़े हो जाते हैं। (व्यवधान) प्लीज़, आप मेहरबानी कीजिए। इन्होंने अपनी बात रख दी है। बात खत्म हो गई है। (व्यवधान) इन्होंने अपनी बात कही है उस पर कोई बहस नहीं करनी है। (व्यवधान) आपके नेता धूमल जी ने बहुत कुछ कह दिया है। मैं आपसे यही कह रहा हूं कि दोपहर 12.00 बजे इनको सैटिसफाई करूंगा। It is my duty to satisfy him और अभी जो बात कही है उसमें सारे खड़े हो करके बहस करने लगे। इन्होंने कह दिया कि ठीक है या गलत है। वह तो हमने देखना है कि इन्होंने ठीक कहा कि गलत कहा। (व्यवधान) देखिए इसमें बहस करने की जरूरत नहीं है। (व्यवधान) जब आपके नेता श्री धूमल जी हैं और उन्होंने

अपनी बात कह दी है और मैंने भी इनको कह दिया है कि दोपहर 12.00 बजे बैठूंगा और सारी बात क्लीयर करूंगा। अब आपको इस पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। प्लीज़, आप बैठ जाईए। No. not at all. मैं नहीं अलॉऊ करूंगा। यह गलत बात है। आप दोपहर 12.00 बजे आईए, मैं आपको पूरी तसल्ली करवाऊंगा। (व्यवधान)

Next question 3609- Shri Rajiv Saizal (not interested) ...(Interruption).. No. Not to be recorded.

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी।

22.12.2016/1125/RKS/AS-1

प्रश्न संख्या:3610

श्री रवि ठाकुर: मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो हैंड पम्पज़ आपने हिमाचल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों/निर्वाचन क्षेत्रों को स्वीकृत किए हैं उसके बनिस्बत लाहौल और स्पिति को हैंडपम्प न के बराबर मिले हैं। क्या आप इसका संज्ञान लेना चाहेंगे? लाहौल और स्पिति घाटी जो कि हिमाचल प्रदेश का एक चौथाई भाग है और यह एक दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्र भी है। इस क्षेत्र के गांवों में पानी की बहुत ज्यादा किल्लत है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि पानी की किल्लत होने की वजह से क्या यहां पर हैंडपम्पज़ लगाए जाने चाहिए या नहीं? क्योंकि वहां पर लोगों को पीने के पानी की बहुत ज्यादा किल्लत हो रही है।

Irrigation and Public Health Minister: Speaker, Sir, no target for installing a particular number of hand pumps has been fixed during the current financial year. However, these are being installed on need basis in water scarce areas in the State including Lahaul and Spiti in accordance with available/allocated

budget. No target is fixed. Hand pumps have already been installed as per the priorities. We will do it. If you want then I will give you the numbers. This is 434. 11 are already there and new will be put on. You are talking about the Water Supply Scheme. I agree with you. I assure you that this will be done as soon as possible.

Shri Ravi Thakur: Is it not the responsibility of the Department to fix the target i.e. how much is the requirement of the people and the villages? Only 11 hand pumps have been given. What is the ratio between other constituencies because we are facing acute problem? I would like to ask this from the Hon'ble Minister.

22.12.2016/1125/RKS/AS-2

Irrigation and Public Health Minister: I think you are right. Lahaul and Spiti got 434 earlier. Now we have only 11 more. We will get you all the information tomorrow.

22.12.2016/1125/RKS/AS-3

प्रश्न संख्या:3611

Sh. Ravinder Singh & Sh. Vikram Singh: (Absent)

22.12.2016/1125/RKS/AS-4

प्रश्न संख्या:3612

श्री यादविन्द्र गोमा: अध्यक्ष महोदय, जो सूचना सभा पटल पर रखी गई है उसके मध्यान्तर में, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा और जैसा कि प्रश्न के उत्तर में दर्शाया गया है कि वर्तमान में राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय तलवाड़ में

श्री एस0 एल0 एस0 द्वारा जारी...

22.12.2016/1130/SLS-AG-1

प्रश्न संख्या : 3612 ... जारी

श्री यादविन्द्र गोमा ...जारी

वर्तमान में वहां पर ऑटोमोबाइल और सिविल के कोर्सिज चल रहे हैं और मौजूदा समय में वहां पर बच्चों की काफी स्ट्रैंथ है। इसलिए निकट भविष्य में उस कॉलेज में और कोर्सिज लाने का क्या मंत्री जी आश्वासन देंगे? उत्तर में यह भी दर्शाया गया है कि इस भवन का 70% काम हो चुका है, केवल 30% काम होना शेष है। मैं बताना चाहूंगा कि मंत्री जी और सरकार ने इस भवन निर्माण के लिए पर्याप्त मात्रा में धनराशि दी है लेकिन फिर भी इस भवन का काम काफी विलंब से हो रहा है। मेरा आपसे निवेदन है कि लोक निर्माण विभाग तथा पोलीटैक्निकल कॉलेज के अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं ताकि यह भवन जल्दी-से-जल्दी बन सके और बच्चों को वहां पर जो असुविधा हो रही है, वह दूर हो सके। साथ ही एक अति महत्वपूर्ण बात है कि जब यह कैंपस वहां पर स्थापित हुआ था उस समय पूर्व भारतीय जनता पार्टी सरकार थी और रविन्द्र सिंह जी वहां से मंत्री थे। तब यह विधान सभा क्षेत्र थुरल हुआ करता था। इसी पोलीटैक्निकल कॉलेज के साथ काफी तादाद में वहां पर घर बने हैं जो कि 70-80 साल पुराने हैं। मुश्किल यह है कि उन लोगों को वहां से आने-

जाने के लिए विभाग मना कर रहा है जबकि पूर्व सरकार के समय में जब यह मुद्दा उठा था तो उस समय के मंत्री जी ने इस बारे में मौक़े पर जाकर आश्वासन दिया था। इसलिए ही वह लोग आज तक आश्वस्त थे कि उनको वहां रास्ता मिलेगा। वहां पर लगभग 100 परिवार हैं जो मूलतः हरिजन जाति से संबंध रखते हैं। उनको वहां पर आने-जाने के लिए किसी भी प्रकार का रास्ता नहीं है। मेरी गुज़ारिश है कि आप विभाग के अधिकारियों को निर्देश दें कि उनके लिए किसी-न-किसी तरीके से कोई-न-कोई रास्ता मिले ताकि उनको आने-जाने की सुविधा प्राप्त हो सके तथा इस गवर्नमैंट पोलीटैक्निकल कॉलेज की प्राइवेसी और सिक्रेसी भी बरकरार रहे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री : माननीय अध्यक्ष जी, इन्होंने सप्लीमैंटरी में एक ही बारी में बहुत सारे प्रश्न पूछ लिए हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने वर्ष 2016-17 में इस कॉलेज के काम को पूरा करने के लिए 1,74, 07000/- रुपये की राशि रखी है। लोक निर्माण विभाग के

22.12.2016/1130/SLS-AG-2

संबंधित अधिकारियों को मैं निर्देश दूंगा कि इस कार्य को जल्दी-से-जल्दी पूर्ण करें। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी यहां पर सुन भी रहे होंगे। वह कृपा करके नोट करें और जो पैसा उनके पास पहुंच चुका है उससे जल्दी-से-जल्दी इस काम को पूरा करें। दूसरे इन्होंने कहा कि वहां जो कुछ लोग रहते हैं उनको आने-जाने का रास्ता नहीं है। मैं वहां पर व्यक्तिगत रूप से गया था, तब किसी ने यह बात नहीं उठाई। लेकिन अगर इस बारे में उस वक्त के माननीय मंत्री या सरकार से कोई नोटिफिकेशन हुई हो या उस रास्ते के बारे में मंत्री जी की घोषणा का कहीं पर ज़िक्र हो और वह बात रिकॉर्ड में हो तो उसे मुझे बता दें, मैं उस पर कार्रवाई करूंगा। मगर यह उचित नहीं होगा कि कोई उस कैंपस के बीच में से निकले। कैंपस जो बनता है उस कैंपस को हम पॉलिसी के तौर पर लॉक अप कर देते हैं अन्यथा शाम को कोई भी उसकी जिम्मेवारी नहीं लेगा। मेरा विधायक साहब से अनुरोध रहेगा कि वह ऐसी घोषणा को मुझे दिखाएं। मैं स्वयं भी आपके साथ जाकर उस स्थान को देखूंगा और इस समस्या का कोई-न-कोई समाधान निकालेंगे। जो लोग वहां रहते हैं,

उनकी मदद करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। लेकिन कैंपस की सिक्योरिटी को ज़रूर ध्यान में रखा जाएगा।

श्री यादविन्द्र गोमा : अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया है। मैं कहना चाहूंगा कि जो बात इन्होंने कही है कि जब भी ये विजिट करेंगे तो इनके द्वारा कोई-न-कोई उचित कदम लिया जाएगा, मैं आपके माध्यम से इनके ध्यान में लाना चाहूंगा कि वहां पर विभाग के लोगों ने अभी से एंगलार्न लगाने शुरू कर दिए हैं। मेरी आपसे गुज़ारिश रहेगी कि जब तक आपकी विजिट न हो तब तक कम-से-कम उन एंगलार्न को लगाने पर रोक लगा दी जाए।

जारी...श्री गर्ग जी द्वारा

22/12/2016/1135/**RG/AG**/1

प्रश्न सं. 3612---**क्रमागत**

श्री यादविन्द्र गोमा-----क्रमागत

जब आपका वहां विजिट हो जाएगा और जो निर्देश आप वहां देंगे, उसके बाद ही इन कामों को शुरू किया जाए। मेरा आपसे यही अनुरोध है।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ये पूछ रहे हैं कि आपने वहां विजिट अभी करना है या अगले साल करना है?

Food, Civil Supplies & Consumer Affairs Minister: Sir, in due course of time.

Question concluded

22/12/2016/1135/**RG/AG**/2

प्रश्न सं. 3613

अध्यक्ष : श्री नरेन्द्र ठाकुर सदन में उपस्थित नहीं हैं।

22/12/2016/1135/**RG**/**AG**/3

प्रश्न सं. 3614

श्री संजय रतन : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूं कि यह जो सूचना सभा पटल पर रखी गई है इसमें कहा गया है कि हिमाचली प्रमाण-पत्र बनाने के लिए तीन कंडीशन्ज फुलफिल होनी चाहिए। या तो हिमाचल प्रदेश में स्थाई निवासी हो या बीस वर्षों से हिमाचल प्रदेश में रह रहा हो या उसका स्थाई घर हिमाचल प्रदेश में हो और व्यवसाय के लिए वह बाहर रह रहा हो। इन तीन कंडीशन्ज पर हिमाचली प्रमाण-पत्र दिया जाता है। परन्तु मेरा जो मूल प्रश्न था उसमें स्पेसीफिक यह था कि यदि किसी लड़की की शादी अगर बाहर के राज्य के किसी व्यक्ति के साथ हो जाती है, तो क्या उसका बोनाफाइड का राइट खत्म हो जाता है? इस बारे में मैं माननीय मुख्य मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं क्योंकि जब शादी बाहर हो जाती है, तो उस लड़की का वहां भी बोनाफाइड नहीं बनाया जाता और हिमाचल प्रदेश सरकार की नोटिफिकेशन के मुताबिक उसको यहां से भी महरूम कर दिया जाता है और जब माता-पिता की जायदाद उसके नाम चढ़ती है और अगर वह उस जायदाद को यूज करना चाहती है, तो उसको बहुत दिक्कत आती है और उसको बोनाफाइड सर्टिफिकेट नहीं दिया जाता है। यहां पर एक कंडीशन यह है कि 'हिमाचल प्रदेश में जो बीस वर्ष की अवधि से रह रहा है', तो कई ऐसे लोग हैं जो हिमाचल प्रदेश में बाहर से आकर बीस वर्ष से यहां रहते हैं और उनकी पत्नियों को बोनाफाइड सर्टिफिकेट मिल जाता है। कई लोग हमारे ऑल इण्डिया लेवल पर सलैक्ट हो जाते हैं वे भी हिमाचल प्रदेश में बीस वर्षों तक सर्विस करते हैं और उनके साथ जिसकी शादी होती है उसको भी बोनाफाइड सर्टिफिकेट मिल जाता है, लेकिन जो पैदाइशी हिमाचल की लड़की है उसका अधिकार खत्म हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि इसको रिव्यु करने की जरूरत है और जो बच्ची यहां जन्म लेती है उसका यह अधिकार बरकरार रहना चाहिए।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, विधायक महोदय ने जो यह प्रश्न उठाया है यह बहुत गंभीर है। वर्तमान स्थिति के मुताबिक हिमाचल की जिस लड़की की शादी बाहर हो जाती है उसको हिमाचली प्रमाण-पत्र नहीं मिलता है। मगर मैं भी समझता हूं और इसके ऊपर पुनर्विचार करने की जरूरत है और सरकार इस बारे में फिर से विचार करेगी।

22/12/2016/1135/RG/AG/4

प्रश्न सं. 3615

अध्यक्ष : **श्री महेश्वर सिंह सदन में उपस्थित नहीं हैं।**

22/12/2016/1135/RG/AG/5

प्रश्न सं. 3616

श्री मोहन लाल ब्राक्टा : अध्यक्ष महोदय, जो सूचना सभा पटल पर रखी गई है उसके अनुसार रोहड़ू चुनाव क्षेत्र में 52 पटवार सर्कल हैं जिसमें 27 पद पटवारियों के रिक्त हैं। कई पटवारियों के पास तो 3-4 पटवार सर्कल का कार्य है। ये पद काफी अर्से से रिक्त हैं। अतः आपके माध्यम से मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध रहेगा कि इन पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने की कृपा करें।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, रोहड़ू चुनाव क्षेत्र में कुल 9 कानूनगो सर्कल हैं और सभी पद भर दिए गए हैं। 52 पटवार सर्कल हैं जिनमें 25 पटवारी काम कर रहे हैं और 27 पद खाली हैं। चिढ़गांव तहसील में वर्ष 2007 में नए पटवार सर्कल स्वीकृत हुए थे, लेकिन सरकार बदलने के पश्चात वहां कोई भी पद भरा नहीं गया। अभी हमने शिमला जिले के लिए पटवारियों के 220 पद दिए थे

एम.एस. द्वारा प्रश्न जारी

22/12/2016/1140/**MS**/**AS**/1

प्रश्न संख्या: 3616 **क्रमागत----स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जारी----**

जिनकी साक्षात्कार के बाद सलैक्शन हो गई है और 206 चयनित पटवारी पटवार प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे हैं। जैसे ही वे प्रशिक्षण ग्रहण करके निकलेंगे सभी पटवार सर्कल में रिक्त पद भर दिए जाएंगे। In the meantime, we have asked all the Deputy Commissioners कि जहां पटवार सर्कल खाली हैं वहां एडज्वाइनिंग पटवार सर्कल को उसका कार्यभार सौंपे। जो रिटायर्ड पटवारी और कानूनगो हैं उनकी भर्ती करके उनको भी खाली पटवार सर्कल में लगाने की कृपा करेंगे। हम जिलाधीश शिमला को कहेंगे कि वे रेशनेलाइजेशन की प्रपोज़ल सरकार को भेजें। जहां ज्यादा पटवारी हैं वहां से एक-एक, दो-दो पटवारी विड्रो करके इनके चुनाव क्षेत्र में भेजें ताकि लोगों को उससे सुविधा मिल सके।

22/12/2016/1140/**MS**/**AS**/2

प्रश्न संख्या: 3617

श्री किशोरी लाल: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह बात स्वीकार की है कि आवारा पशुओं से किसानों की फसलों को नुकसान हो रहा है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस नुकसान को रोकने हेतु क्या पग उठाए गए हैं? इसके अलावा, कृषि विभाग द्वारा जो पावर टिल्लर्ज किसानों को दिए गए हैं उनकी वजह से किसानों ने बैलों को भी आवारा छोड़ दिया हैं और ऐसे बैलों ने कई लोगों की जान ले ली है। तो सरकार ने इस संबंध

में क्या कार्रवाई की है? साथ में सरकार का निर्णय स्वागत योग्य है कि बाड़ लगाने के लिए आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने एक स्कीम शुरू की है जिसके तहत 40 प्रतिशत किसान देगा और 60 प्रतिशत सरकार देगी लेकिन फिर भी किसान तार लगाने में असमर्थ हैं क्योंकि जो तार है वह महंगी है और सभी किसान तार खरीद नहीं सकते। इसलिए सरकार इसके लिए भी कोई और अनुदान की बढ़ौत्तरी करे।

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री: अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने कहा कि आवारा बैलों ने कई लोगों की जान ले ली है। इसके बारे में मेरे पास कोई सूचना नहीं है। इसका भी पता करवा लेंगे। जहां तक बाड़बन्दी का सवाल है, इसके लिए "मुख्य मंत्री खेत संरक्षण योजना" के तहत 60 प्रतिशत और 40 प्रतिशत की रेशो से अनुदान दिया जाता है।_(व्यवधान)_ 60 प्रतिशत सरकार देगी और 40 प्रतिशत किसान स्वयं खर्च करेगा और इसके तहत हमें 81 आवेदन प्राप्त हुए हैं उनमें से एक का काम पूरा हो गया है और बाकी विचाराधीन हैं।

22/12/2016/1140/**MS**/**AS**/3

अध्यक्ष जी, यह बात सही है कि तार महंगी पड़ रही है इसलिए स्वयं द्वारा खर्च की जाने वाली 40 प्रतिशत राशि किसान खर्च नहीं कर पा रहे हैं। हम इस मामले को भारत सरकार के साथ भी टेकअप करने जा रहे हैं कि इसको 30 प्रतिशत भारत सरकार भी वहन करे ताकि यह स्कीम 10 प्रतिशत और 90 प्रतिशत (10:90)की रेशो में आ जाए। इस ढंग से हम इस स्कीम को आगे करने जा रहे हैं।

यहां पर माननीय सदस्य ने बताया है कि छोटे टिल्लर्ज चल पड़े हैं और इस वजह से आवारा बैल बढ़ गए हैं। वास्तव में जो हमारे छोटे-छोटे खेत हैं उनमें बड़े ट्रैक्टर नहीं चल सकते हैं इसलिए पावर टिल्लर को चलाया गया है और यह बड़ा-भारी सक्सैसफुल इंस्ट्रूमैंट है। ये खेत की बड़े ट्रैक्टर से अच्छी बुआई करता है। इसलिए इसको तो हम जरूर रखेंगे।

जहां तक आवारा बैलों की बात है,

जारी श्री जे0एस0 द्वारा-----

22.12.2016/1145/**जेके**/**एएस**/1

प्रश्न संख्या: 3617:-----**जारी**----

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री:-----**जारी**-----

बैलों के बारे में तो कुछ न कुछ लोगों को भी सोचना पड़ेगा। गांव मे ऐसा है कि गाएं खरीद लेते हैं और साल भर उसका दूध पीते हैं और साल भर दूर पीने के बाद कहते हैं कि अब इसने दूध देना बन्द कर दिया है यानि साल भर दूध पीने के बाद सोचते हैं कि अब इसके लिए नौकर कौन रखे? उसको डंडा मार कर सड़क की तरफ कर देते हैं। इसके लिए भी कोई न कोई सजा होनी चाहिए। जब हम छोटे होते थे उस वक्त अगर गांव में हमारा कोई छोटा पशु, गाय, बच्छू या बैल मर जाता था और जब तक उसका दाह-संस्कार नहीं हो जाता था उसको वहां से उठा करके नहीं ले जाते थे, उतनी देर तक कोई भी वहां का आदमी पानी तक नहीं पीता था, रोटी तक नहीं खाता था। अब जब सिस्टम ही सारे का सारा चेंज हो गया है तो सरकार भी क्या करेगी? एक और समाधान है वह थोड़ा सस्ता पड़ सकता है। जो लोअर बैल्ट है, जैसे कि नालागढ़ है, ऊना है, नूरपुर का एरिया है यहां पर दो-दो सौ, चार-चार सौ, छः-छः सौ एकड़ के इकट्ठा प्लॉट्स हैं। वहां पर दो-दो सौ, तीन-तीन सौ किसान है। अगर उसको एक ही बाड़ में लाया जाए तो उसकी कीमत दो या

तीन परसेंट पड़ेगी। मैंने इसको खुद कैल्कुलेट किया है। इस ढंग से यदि किसान काम करना शुरू करें तब यह स्कीम कामयाब होगी। यदि कोई यह कहे कि मैं आधे बीघा को अलग से दूंगा, दो बीघे को या तीन बीघा को अलग से दूंगा तो यह स्कीम कामयाब नहीं हो सकती।

प्रश्न समाप्त

22.12.2016/1145/**जेके/एएस**/2

प्रश्न संख्या: 3618

अध्यक्ष: श्री सतपाल सिंह सत्ती, अनुपस्थित।

22.12.2016/1145/**जेके/एएस**/3

प्रश्न संख्या: 3619

श्री बलबीर सिंह वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि मैं अपने चुनाव क्षेत्र के गांवों में बहुत जगह गया। वहां पर गांवों के लोगों ने कहा कि जो मनरेगा के तहत हमारे कार्य हो रहे हैं उसमें पेमैंट्स नहीं मिल रही हैं। जब वे लोग ब्लॉक में जाते हैं तो ब्लॉक वाले कहते हैं कि पेमैंट उनके खाते में डाल दी है। मैं, माननीय मंत्री महोदय के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि जैसे मेरा चुनाव क्षेत्र चौपाल काफी इंटीरियर है। ऐसे क्षेत्र में ब्लॉक लैवल से जब गांवों में मनरेगा के तहत पैसे जा रहे हैं उसमें पारदर्शिता नहीं हो रही है। इसमें विभाग से माननीय मंत्री जी पूरी रिपोर्ट लें और खुद इसकी पूरी जानकारी हासिल करें।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री: माननीय अध्यक्ष जी, पेमैंट्स ऑन लाईन होती है। हमारी जितनी भी पेमैंट्स हो रही हैं, ऑन लाईन हो रही हैं। **जैसे कि माननीय सदस्य अपने चुनाव क्षेत्र की सूचना दे रहे हैं उस पर कार्रवाई की जाएगी।**

22.12.2016/1145/**जेके**/**एएस**/4

प्रश्न संख्या: 3620

श्री राम कुमार: अध्यक्ष महोदय, बद्दी बस स्टैंड बहुत ही महत्वपूर्ण है। विभाग ने उसको बी0ओ0टी0 के माध्यम से बनाने का निर्णय लिया है। मैं, माननीय मंत्री जी से आश्वासन चाहूंगा कि बी0ओ0टी0 बेस पर बस स्टैंड की वायबिलिटी नहीं बन रही है, इसलिए निविदाएं आमंत्रित करने के बावजूद भी कोई भी निविदा विभाग को प्राप्त नहीं हुई है।

(**भारतीय जनता पार्टी के सभी माननीय सदस्य सदन में उपस्थित हुए**)

मैं, माननीय मंत्री महोदय से चाहूंगा कि अति महत्वपूर्ण बस स्टैंड समझते हुए, क्योंकि बद्दी में हजारों लोगों का आना-जाना रोज़ होता है इसलिए इसे विभागीय स्तर पर निर्माण करने का आश्वासन माननीय मंत्री जी मुझे दें। जो हमारा अगले वित्त वर्ष का बजट है उसमें बजट का प्रावधान करने की कृपा करें।

मा0 मंत्री जी एस0एस0 की बारी में....

22.12.2016/1150/**SS**/**AG**/1

प्रश्न संख्या: 3620 **क्रमागत**

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री: अध्यक्ष जी, हमने ये जो बस-स्टैंड, बद्दी का है और अन्य कई बस-स्टैंडस की कई बार निविदाएं मंगाई हैं। अब चूंकि लोग नहीं

आ रहे, निवेश नहीं कर रहे इसलिए हम उसमें कुछ कंडीशन्ज़ को चेंज करके प्रयास करेंगे कि एक भव्य और बड़ा बस-स्टैंड वहां पर बने। क्योंकि हमने कैटेगिरीज़ "ए", "बी", "सी" बना रखी हैं और मेरे पास इस खाते में टोटल रिपयेर, मैंटीनेंस और नए बस अड्डे बनाने का तकरीबन-तकरीबन 10 करोड़ रुपये का ही बजट होता है तो उसमें प्रदेश में मैंटीनेंस होगी या कितने नए बस अड्डे बन सकेंगे it is not possible. Only possible is to make new bus stand under PPP mode or BOT mode. So, I will be trying my best.

श्री राम कुमार: जैसा माननीय मंत्री जी ने कहा कि बस-स्टैंड बनाने का बड़ा भारी खर्चा है तो मेरा पुनः मंत्री जी से अनुरोध रहेगा कि भव्य बस-स्टैंड बनाने के बजाय छोटे डिजाइन का बस-स्टैंड बना लें और विभागीय बजट से बनाएं। बी0ओ0टी0 बेस के जो आपके डिजाइन्ज़ हैं, रेटस हैं, उसमें आप चेंज भी करेंगे तो मेरे हिसाब से कोई भी निविदा भविष्य में आपको नहीं आने वाली है। तो मेरा मंत्री जी से निवेदन रहेगा कि इसको अति महत्वपूर्ण बस-स्टैंड समझते हुए कृपया इसे विभागीय बजट में डालने का मुझे आश्वासन दें।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री: माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जो बजट आता है यह परटीकुलर बस-स्टैंड के लिए नहीं आता है और न ही परटीकुलर बस-स्टैंड को वहां डाला जा सकता है। परन्तु क्योंकि माननीय विधायक चिन्तित हैं मैं इनकी चिन्ता में साथ में शामिल हूं। **मैं इनको यह आश्वासन देना चाहता हूं कि इसकी सीरियसनैस को देखते हुए एक महीने के अंदर-अंदर अधिकारियों के साथ स्वयं साईट पर जा करके इसमें कोई-न-कोई फैसला ले लेंगे।**

22.12.2016/1150/**SS**/**AG**/2

प्रश्न संख्या: 3621

अध्यक्ष: अगला प्रश्न, श्री सुरेश कुमार। अनुपस्थित।

प्रश्न संख्या: 3622

अध्यक्ष: अगला प्रश्न, श्री हंस राज। Not interested.

प्रश्न संख्या: 3623

अध्यक्ष: अगला प्रश्न, श्री विनोद कुमार। Not interested.

प्रश्न संख्या: 3624

अध्यक्ष: अगला प्रश्न, श्री महेन्द्र सिंह। Not interested.

प्रश्न संख्या: 3625

अध्यक्ष: अगला प्रश्न, श्री विजय अग्निहोत्री। Not interested.

22.12.2016/1150/**SS**/**AG**/3

प्रश्न संख्या: 3626

श्रीमती आशा कुमारी: अध्यक्ष महोदय, ये जो बनिखेत का स्टेडियम है यह अकेला उस इलाके में एक सरकारी ग्राऊंड है और उसकी दशा अभी काफी दयनीय है। आपने कहा है कि जब sufficient funds available होंगे तो उसकी रिपेयर एंड मैंटीनेंस के लिए फंडस दिये जायेंगे। एक तो मैं आपसे निवेदन करूंगी कि किसी भी हैड से इसकी रिपेयर एंड मैंटीनेंस के लिए फंडस दिये जाएं। दूसरा जो इसकी कंट्रोलिंग अथोरिटी है वह डिस्ट्रिक्ट स्पोर्टस ऑफिसर, चम्बा है जोकि चम्बा में ही बैठता है जिसकी वजह से स्टेडियम के आस-पास एंक्रोचमैंट्स बहुत ज्यादा हो रही हैं और जो यहां दुकानें बनी हुई हैं

जारी श्रीमती के0एस0

22.12.2016/1155/**केएस/एजी**/1

प्रश्न संख्या: 3626 **जारी**..

श्रीमती आशा कुमारी जारी----

उनकी भी मुरम्मत नहीं होती। वे दुकाने स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट द्वारा ओन्ड है परन्तु वहां पर भी एन्क्रोचमैंट हो रही है। तो क्या आप एस.डी.एम. डलहौजी को स्टेडियम का चार्ज देने के लिए कंसिडर करेंगें ताकि उसकी देख-रेख भी हो सके और एन्क्रोचमैंट का इश्यू भी सॉल्व हो जाए? तीसरा, स्टेडियम की रिपेयर और मेन्टीनेंस के लिए पैसे कितने लगेंगें, इसका ऐस्टिमेट बनाने के क्या आप आदेश करेंगें?

मुख्य मंत्री: अध्यक्ष महोदय, मैंने सिद्धान्त रूप में मान लिया है। यह स्वभाविक है कि इसका ऐस्टिमेट बनाया जाएगा। इसकी रिपेयर के लिए कितना खर्च होगा और इसकी मेंटीनेंस किस तरह से की जाएगी, उस सम्बन्ध में जो सुझाव माननीय सदस्या ने दिया है, उस पर विचार करेंगें।

22.12.2016/1155/**केएस/एजी**/2

प्रश्न संख्या: 3627

अध्यक्ष: श्री रिखी राम कौंडल (अनुपस्थित)

प्रश्न संख्या: 3628

अध्यक्ष: डॉ0 राजीव सैजल (अनुपस्थित)

22.12.2016/1155/केएस/एजी/3

Question No. 3629

Irrigation & Public Health Minister: The present system of centralized procurement of HDPE pipes in the Department after approval from Screening Committee headed by Hon'ble I&PH Minister and another people has been adopted with the motive of ensuring optimum financial management and is working effectively. As such there is no need to delegate powers to all HODs including RC/ADC. I want to say few things that prior to 2011 the procurement of HDPE pipes required for construction of water supply and irrigation schemes of the department was being done by Zonal Chief Engineers and Resident Commissioners in tribal areas as per delegation of powers. However, the instance of excess purchases of HDPE pipes had come to the notice of the Government. Accordingly, the Screening Committee, constituted to sanction purchase of GI pipes, in the meeting held on 10.02.2011 had decided that in future the HDPE shall also be procured centrally by Engineer-in-Chief. The approval of the Screening Committee of HDPE pipes shall be made by the Chief Engineer. So, it will be totally completed. I will let you know later if you need to get some more information.

Shri Ravi Thakur: Sir, I would like to ask the Hon'ble Minister the timeline. Every year the HDPE pipe procurement is delayed. So, what measures the department is taking to timely supply the HDPE pipes and why the powers are not delegated to RCs of tribal areas by decentralizing the powers? This request has also come earlier from the constituency. Is the department is solving our problem; if yes; can the Hon'ble Minister give the time line of proposed action in sanctioning hand pumps and procurement of HDPE pipes every year?

22.12.2016/1155/**केएस/एजी**/4

Irrigation & Public Health Minister: Speaker, Sir, I agree with what he is saying. Regarding pipes, I think all these things will be done shortly. We should be able to get the things done. It will take couple of months. May be within one month we will be able to complete everything. I will try to do my best.

Concluded

2.12.2016/1155/**केएस/एजी**/5

प्रश्न संख्या: 3630

अध्यक्ष: श्री रविन्द्र सिंह (अनुपस्थित)

प्रश्न संख्या: 3631

अध्यक्ष: श्री विक्रम सिंह (अनुपस्थित)

प्रश्न काल समाप्त

अध्यक्ष श्रीमती अ0व0 की बारी में---

22.12.2016/1200/**av/as**/1

अध्यक्ष : मैं इस माननीय सदन में सभापति तालिका के बारे में वक्तव्य दूंगा। आज दिनांक 22.12.2016 को समाचार पत्रों में छपे समाचार 'सभापति तालिका के सदस्य भी अध्यक्ष के पद पर बैठ सकते हैं'। इस संदर्भ में मैं सदन को अवगत करवाना चाहता हूं कि सभापति

तालिका के सदस्य अध्यक्ष के पद पर तभी बैठ सकते हैं जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष सदन में उपस्थित न हों और उन द्वारा सभापति तालिका के सदस्यों से अध्यक्ष के पद पर बैठने का अनुरोध किया गया हो। सभापति तालिका के माननीय सदस्य स्वयं अध्यक्ष के पद पर आसीन नहीं हो सकते। जैसे कि माननीय सदस्य श्री सुरेश भारद्वाज जी ने दिनांक 21.12.2016 को सदन में अध्यक्ष के पद पर बैठकर किया। उस समय मैं स्वयं विधान सभा में उपस्थित था और खुद सदन को प्रिजाईड ओवर करने के लिए आ चुका था। उस समय माननीय उपाध्यक्ष श्री जगत सिंह नेगी भी सदन में उपस्थित थे। ऐसी परिस्थिति में श्री सुरेश भारद्वाज द्वारा किया गया कृत्य नियमों के प्रतिकूल है और सदन एवं अध्यक्ष पद की घोर अवमानना है। इस कृत्य के लिए उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई नियमानुसार उचित है। इसके अलावा नियमानुसार कोई और कार्रवाई बनेगी तो उस पर भी विचार किया जायेगा।

22.12.2016/1200/av/as/2

कागज़ात सभा पटल पर

अब माननीय मुख्य मंत्री हिमाचल प्रदेश लोकायुक्त अधिनियम, 1983 की धारा 12(5) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग का 29वां संकलित वार्षिक प्रतिवेदन, वर्ष 2015 की प्रति सभा पटल पर रखेंगे ।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हिमाचल प्रदेश लोकायुक्त अधिनियम, 1983 की धारा 12(5) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग का 29वां संकलित वार्षिक प्रतिवेदन, वर्ष 2015 की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

अध्यक्ष : अब माननीय सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मन्त्री भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (डीपीसी) अधिनियम, 1971 की धारा 19(ए) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य इलैक्ट्रोनिक्स विकास निगम का 31वां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखे, वर्ष 2014-15 की प्रति सभा पटल पर रखेंगी ।

सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (डीपीसी) अधिनियम, 1971 की धारा 19(ए) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य इलैक्ट्रोनिक्स विकास निगम का 31वां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखे, वर्ष 2014-15 की प्रति सभा पटल पर रखती हूं।

22.12.2016/1200/av/as/3

अध्यक्ष : अब माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्री हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नियम, 1995 के नियम 3 के साथ पठित विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 6 की उप-धारा (1) और (2) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा विधिक सेवा प्राधिकरणों की वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट, वर्ष 2012-13 (01-04-2012 से 31-03-2013 तक) (विलम्ब के कारणों सहित) की प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नियम, 1995 के नियम 3 के साथ पठित विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 6 की उप-धारा (1) और (2) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा विधिक सेवा प्राधिकरणों की वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट, वर्ष 2012-13 (01-04-2012 से 31-03-2013 तक) (विलम्ब के कारणों सहित) की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

अध्यक्ष : अब माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मन्त्री हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 की धारा 41 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखे (संपरीक्षा रिपोर्ट सहित), वर्ष 2014-15 की प्रति सभा पटल पर रखेंगे ।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 की धारा 41 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखे (संपरीक्षा रिपोर्ट सहित), वर्ष 2014-15 की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

22.12.2016/1200/av/as/4

अध्यक्ष : अब माननीय उद्योग मंत्री कुछ दस्तावेजों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेजों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं :-

i. खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 28(3) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश गौण खनिज (रियायत) और खनिज (अवैध खनन, उसके परिवहन और भण्डारन का निवारण) नियम, 2015 जोकि अधिसूचना संख्याः इण्ड-II(एफ)6-14/2014 दिनांक 13.3.2015 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 21.3.2015 को प्रकाशित;
ii. भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश उद्योग विभाग, रेशम अधिकारी, वर्ग-II(राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2016 जोकि अधिसूचना संख्याः इन्ड-ए(बी)2-1/98-पार्ट-II दिनांक 22.10.2016 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 05.11.2016 को प्रकाशित;

iii. राज्य वित्तीय निगम (SFCs Act, 1951) अधिनियम, 1951 की धारा 37(7) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश वित्तीय निगम की ऑडिट रिपोर्ट (31 मार्च, 2016 तक), वर्ष 2015-16; और

iv. राज्य वित्तीय निगम (SFCs Act, 1951)अधिनियम, 1951 की धारा 37(7) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश वित्तीय निगम का 49वां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखे, वर्ष 2015-16 ।

22.12.2016/1200/av/as/5

अध्यक्ष : अब माननीय उद्योग मंत्री (प्राधिकृत) कुछ दस्तावेज़ों की एक- एक प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

उद्योग मन्त्री (प्राधिकृत): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेज़ों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं :-

i. हिमाचल प्रदेश आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2004 की धारा 30(2) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण का वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, वर्ष 2015-16;

ii. हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 161(3) तथा हिमाचल प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1994 की धारा 255(1) के अन्तर्गत 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए शहरी स्थानीय निकायों के लेखाओं का वार्षिक निरीक्षण प्रतिवेदन; और

iii. पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण और पथ विक्रय विनियमन) अधिनियम, 2014 की धारा 36 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण और पथ विक्रय विनियमन) नियम, 2016 जोकि अधिसूचना संख्याः यू0डी0-ए0(3)13/2015-लूज़ दिनांक 05.12.2016 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 12.12.2016 को प्रकाशित।

22.12.2016/1200/av/as/6

अध्यक्ष : अब माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्री बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 की धारा 23(2) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन, वर्ष 2014-15 की प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 की धारा 23(2) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन, वर्ष 2014-15 की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

अध्यक्ष : अब माननीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मन्त्री कुछ दस्तावेज़ों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित दस्तावेजों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं :-

(i) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 186(4) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों की नियुक्ति और सेवा की शर्तें) नियम, 2016 जोकि अधिसूचना संख्याःपी.सी.एच.-एच.ए.(1)11/2010-II दिनांक 08.9.2016 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 19.9.2016 को प्रकाशित; और

22.12.2016/1200/av/as/7

(ii) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 186(4) के अन्तर्गत राज्य निर्वाचन आयुक्त (सेवा शर्तें) नियम, 2016 जोकि अधिसूचना संख्याःपीसीएच-एचए(4)1/94 दिनांक 20.5.2016 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 31.5.2016 को प्रकाशित।

सदन की समितियों के प्रतिवेदन श्री वर्मा द्वारा जारी

22.12.2016/1205/TCV/AS/1

सदन की समितियों के प्रतिवेदन

अध्यक्ष: अब सदन की समितियों के प्रतिवेदन सभा में प्रस्तुत किए जाएंगे। श्री रविन्द्र सिंह, सभापति, लोक लेखा समिति, लोक लेखा समिति के प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपःस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर भी रखेंगे।

श्री रविन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से लोक लेखा समिति के निम्न प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपःस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर भी रखता हूं :-

i. समिति का 161वां कार्रवाई प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 21वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा वन विभाग से सम्बन्धित है; और

ii. समिति का 162वां कार्रवाई प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 137वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा श्रम एवं रोजगार विभाग से सम्बन्धित है।

अध्यक्ष: अब श्रीमती आशा कुमारी, सभापति, लोक उपक्रम समिति, लोक उपक्रम समिति के प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपःस्थापित करेंगी तथा सदन के पटल पर भी रखेंगी।

श्रीमती आशा कुमारी, अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से लोक उपक्रम समिति के निम्न प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपःस्थापित करती हूं तथा सदन के पटल पर भी रखती हूं :-

i. समिति का 60वां कार्रवाई प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 40वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2015-16) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत परिषद् सीमित से सम्बन्धित है; और

22.12.2016/1205/TCV/AS/2

ii. समिति का 61वां मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) जोकि भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदन वर्ष 2011-12 (वाणिज्यिक) में शामिल ऑडिट पैरा संख्याः 2.9, 2.10.1, 2.16.4 तथा 2.16.5 की समीक्षा पर आधारित तथा हिमाचल प्रदेश विद्युत संचार निगम सीमित से सम्बन्धित है;

iii. समिति का 62वां कार्रवाई प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 34वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2014-15) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम सीमित से सम्बन्धित है; और

iv. समिति का 63वां कार्रवाई प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 35वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2014-15) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम सीमित से सम्बन्धित है ।

अध्यक्ष: अब श्री खूब राम, सभापति, कल्याण समिति, कल्याण समिति के प्रतिवेदन की एक प्रति सभा में उपःस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर भी रखेंगे।

श्री खूब राम: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कल्याण समिति (वर्ष 2016-17) का 30वां मूल प्रतिवेदन जोकि हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित गतिविधियों की संविक्षा पर आधारित तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्बन्धित है की प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर भी रखता हूं।

अध्यक्ष: अब श्री कुलदीप कुमार सदस्य, मानव विकास समिति, मानव विकास समिति के प्रतिवेदन की एक प्रति सभा में उपःस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर भी रखेंगे।

22.12.2016/1205/TCV/AS/3

श्री कुलदीप कुमार: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से मानव विकास समिति (वर्ष 2016-17) का 20वां मूल प्रतिवेदन जोकि भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग से सम्बन्धित

आश्वासनों पर आधारित तथा भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग से सम्बन्धित है की प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर भी रखता हूं।

अध्यक्ष: अब श्रीमती आशा कुमारी, सभापति, ग्रामीण नियोजन समिति, ग्रामीण नियोजन समिति के प्रतिवेदन की एक प्रति सभा में उपःस्थापित करेंगी तथा सदन के पटल पर भी रखेंगी।

श्रीमती आशा कुमारी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से ग्रामीण नियोजन समिति (वर्ष 2016-17) का 24वां कार्रवाई प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 22वें मूल प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) (वर्ष 2015-16) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा उद्यान विभाग से सम्बन्धित है की प्रति सभा में उपःस्थापित करती हूं तथा सदन के पटल पर रखती हूं।

विधान सभा कार्य-सलाहकार समिति का प्रतिवेदन

अध्यक्ष: अब श्रीमती आशा कुमारी कार्य सलाहकार समिति के तेरहवें प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) को सभा में उपःस्थापित करेंगी तथा प्रस्ताव भी करेंगी कि उसे अंगीकार किया जाए।

श्रीमती आशा कुमारी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सलाहकार समिति के 13वें प्रतिवेदन (बारहवीं विधान सभा) को सदन में प्रस्तुत करती हूं तथा प्रस्ताव करती हूं कि यह माननीय सदन कार्य सलाहकार समिति द्वारा अपने 13वें प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों से सहमत है।

अध्यक्ष: तो प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि यह माननीय सदन कार्य-सलाहकार समिति द्वारा अपने 13वें प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों से सहमत है।

22.12.2016/1205/TCV/AS/4

तो प्रश्न यह है कि यह माननीय सदन कार्य-सलाहाकर समिति द्वारा अपने 13वें प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों से सहमत है?

प्रस्ताव स्वीकार।

22.12.2016/1205/TCV/AS/5

मन्त्री द्वारा वक्तव्य:

अध्यक्ष: अब माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री दिनांक 26 अगस्त, 2016 को सभा में पारित गैर-सरकारी संकल्प 'प्रदेश में एक ही समुदाय व व्यवसाय से जुड़े तरखान जाति(OBC) को लोहार जाति की तर्ज पर अनुसूचित जाति (SC) में सम्मिलित करने हेतु' प्रस्ताव पर कृत कार्रवाई बारे वक्तव्य देंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रीः अध्यक्ष महोदय, श्री गुलाब सिंह ठाकुर का नियम-101 के अन्तर्गत दिनांक 26 अगस्त, 2016 को सभा में प्रस्ताव पारित किया गया था कि 'प्रदेश में एक ही समुदाय व व्यवसाय से जुड़े तरखान जाति(OBC) को लोहार जाति की तर्ज पर अनुसूचित जाति (SC) में सम्मिलित करने हेतु' प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा जाये। इस संदर्भ में प्रस्तुत है कि तरखान जाति को भारत के संविधान के अनुच्छेद् 341 के अन्तर्गत अनुसूचित जातियों की सूची में सम्मिलित करने के लिए प्रस्ताव दिनांक 17 नवम्बर, 2016 को केन्द्र सरकार को भेज दिया गया है तथा इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की सूचना अभी भारत सरकार से अपेक्षित है। धन्यवाद।

22.12.2016/1205/TCV/AS/6

अध्यक्ष: अब माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मैडिकल कॉलेज, टाँडा के बारे में वक्तव्य देंगे।

श्रीमती एन0एस0 --- द्वारा जारी।

22/12/2016/1210/NS/AG/1

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी चिन्ता का विषय है। डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मैडिकल कॉलेज, टाण्डा में दिनांक 14-12-2016 को आंखो के छः आप्रेशन किए गए थे। जिनमें से पांच आप्रेशन कैटारैक्ट के थे और एक आप्रेशन इन्जरी का था। अध्यक्ष महोदय, जिनके आप्रेशन कैटारैक्ट के किए गए हैं, वे हैंः संजीवन लाल, उम्र 65 वर्ष, श्री खराति लाल, उम्र 65 वर्ष, श्री त्रिलोक, उम्र 73 वर्ष, श्रीमती ईशा कुमारी, उम्र 68 वर्ष व श्रीमती गीता, उम्र 68 वर्ष। इन सभी के आप्रेशन हुए। इन सभी के आप्रेशन के पहले एक dye (Trypan blue) दवाई होती है, वह दवाई इन सभी को डॉक्टर ने आंख में डालने के लिए दी और इनके आप्रेशन हुए। आप्रेशन के बाद दूसरे दिन चार मरीजों को घर भेज दिया गया और एक मरीज़ हास्पिटल में ही रहा। उनको दूसरे दिन शाम को आंखो में कुछ प्रॉब्लम हुई। जब डॉक्टर ने देखा कि जो dye (Trypan blue) आंख को dilute करने के लिए डाली गई थी, उसकी वजह से इन्फैक्शन हो गया है। दूसरे दिन डॉक्टरों ने इन चारों मरीज़ों को डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मैडिकल कॉलेज में बुलाया। इन चारों मरीज़ों की आंखो में इन्फैक्शन हो गया था। उसके बाद Head of the Department ने रोटरी क्लब, मारण्डा के Head of the Department के साथ बात की और उन्होंने कहा कि इन मरीज़ों को हमारे पास भेज दीजिए। उन्होंने इन मरीज़ों का चैकअप किया और जो भी सम्भव ट्रीटमैंट हो सकती थी उसको किया। उसके बाद उनमें से दो मरीज़ अभी तक रोटरी आई हास्पिटल, मारण्डा में ही हैं लेकिन दो मरीजों को उन्होंने भी पी.जी.आई. चण्डीगढ़ के लिए रैफर कर दिया है और वहां पर उनका ईलाज़ चल रहा है। जिस वजह से भी यह घटना हुई है, यह एक बहुत सीरियस मैटर है और सरकार ने इस मामले का बड़ी गम्भीरता के साथ लिया है। इस सारे घटनाक्रम को जांचने के लिए हमने एक इन्कवारी कमेटी कॉन्सिटच्यूट की है। इस कमेटी में आई0जी0एम0सी0, शिमला के तीन डॉक्टर्ज़

जोकि आईज़ के प्रोफैसर हैं, उनको कांस्टिच्यूट किया गया है। वे सारे इस घटनाक्रम की जांच करेंगे और

22/12/2016/1210/**NS**/**AG**/2

शीघ्रातिशीघ्र सरकार को इसकी रिपोर्ट भेजेंगे। अगर उसमें किसी की गफलत पाई गई तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

(**उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए**)

सरकार ने यह भी हिदायत दी है कि उनके ईलाज़ में जो भी खर्च आएगा सरकार उसको वहने करेगी। पी0जी0आई0 के डॉक्टरों से यहां के डॉक्टरों ने कॉन्टैक्ट किया तो उन्होंने कहा कि ये मरीज़ ठीक भी हो सकते हैं और इनका वीज़न जा भी सकता है। अभी यह कहना मुश्किल है। आज अखबार में आया है कि उन पांचों की रोशनी चली गई है। अभी हमारे पास ऐसी कोई कनफर्म रिपोर्ट नहीं है। इसलिए मैं हाऊस को अवगत करवाना चाहता हूं कि सरकार ने इस मसले को बड़ी गम्भीरता के साथ लिया है। पिछली बार भी पठानकोट के कुछ डॉक्टर्ज़ ने नूरपुर में आ करके लोगों का चैकअप किया और उनके आप्रेशन पठानकोट में किए तथा वहां भी कुछ लोगों की आंखो में फर्क पड़ा। उसकी भी हमने इन्कवारी की है और केस भी रजिस्टर्ड कर दिया है। इसमें भी अगर किसी की गफलत पाई गई या dye (Trypan blue) अगर infectious पाई गई तो निश्चित तौर पर मैनुफैक्चर्र के खिलाफ हम prosecution दायर करेंगे।

22/12/2016/1210/**NS**/**AG**/3

उपाध्यक्ष : श्री रविन्द्र सिंह जी आप क्या बोलना चाहते हैं?

श्री रविन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, सरकार बहुत दिनों के बाद जागी है। यह केस दिनांक 14-12-2016 का है और आज इसकी स्टेटमैंट दी जा रही है। मंत्री महोदय कह रहे हैं कि इसकी अभी पूरी सूचना नहीं है लेकिन पांचों की रोशनी चली गई है। उनमें से एक की भी रोशनी नहीं है। जो तथ्य सामने आए हैं, जब ये सारा मामला मीडिया में आया तब जा करके सरकार जागी। आर0पी0जी0 मैडिकल कॉलेज, टाण्डा में क्या स्थिति है

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी।

22.12.2016/1215/RKS/AS-1

श्री रविन्द्र सिंह जारी.....

मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। जो दवाई आंख में डाली जानी थी जिसका नाम 'Dye(Trypan blue)' बताया गया वह डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मैडिकल कॉलेज टांडा में उपलब्ध नहीं थी। यह दवाई बाजार सी ली गई। यदि यह बाजार से ली गई है तो उस स्टोर वाले के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई? आपने कहा कि जैसे ही हमें सूचना मिलेगी हम इस दवाई को प्रतिबंध करेंगे। आपको इस आंख की दवाई जिसका ट्रेड मार्क 'Dye(Trypan blue)' है आजतक प्रतिबंध कर देना चाहिए था। क्या आप इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि यह दवाई और लोगों की आंखों में जाए और ज्यादा लोग अंधे हो जाएं? जब आपको यह सूचना मिली उसी दिन से आपको इस दवा को बंद कर देना चाहिए था। इसके बाद आपने यहां से आंख के केसिज़ मारण्डा में मेला मल सूद रोटरी आई हौस्पिटल में भेज दिए। जबकि आपको ये केसिज पी.जी.आई. और एम्ज़ में भेजना चाहिए थे। यह हम भी मानते हैं कि वे भी ट्रीटमैंट कर रहे हैं परन्तु जो आई साइट चली गई उसकी व्यवस्था यहां पर नहीं हो पाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि इसको आप गम्भीरता से लें। यह इश्यू मीडिया के माध्यम से उजागर हुआ है और इस

तमाम अस्पताल की क्या स्थिति है यह इसका एक उदाहरण है। पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का यह एक जीता-जागता सबूत आपके सामने है और सरकार को इस पर गम्भीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। यही मुझे इस माननीय सदन में कहना है।

Health &Family Welfare Minister: Speaker, Sir, I apprise the House about this incident. Perhaps you are not aware of the fact. We are proud of the fact that our health Services are best in the country. Our health indicators are also best in the country. This incident has happened. You are right that Dye was brought by the patient from a private chemist outside the Hospital. Sample has been taken. We have already directed to withdraw all those samples from the market. The sample has been sent for laboratory test. In case if it is found

22.12.2016/1215/RKS/AS-2

to be infectious, prosecution will be launched against the manufacturer. In case doctors are found guilty of negligence, action will taken against those doctors. Sir, I would like to say one thing more. In case they lose unfortunately - you are not right to say that all their vision has been gone, that is not the question - they may recover or they may not recover that has not been confirmed. Even PGI Doctor has not given that report. So, the Government is aware of the matter. The Government has viewed the matter with all seriousness. That is why we have directed the inquiry by a Professor from IGMC, not Professor from Dr. Rajender Prasad Medical College.

22.12.2016/1215/RKS/AS-3

गैर-सरकारी सदस्य कार्य दिवस

उपाध्यक्ष: आज गैर सरकारी सदस्य कार्य दिवस है। अब श्री महेन्द्र सिंह जी अपना संकल्प प्रस्तुत करेंगे।

श्री महेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष जी, नियम-101 के अंतर्गत एक बहुत ही महत्वपूर्ण संकल्प मैंने इस हाउस के बीच में लाया है। सर्वप्रथम मैं इस संकल्प को प्रस्तुत करता हूं। जो इस प्रकार है:-

"यह सदन सरकार से सिफारिश करता है कि दिनांक 8 नवम्बर, 2016 को केन्द्र सरकार द्वारा घोषित नोटबंदी को कड़ाई से लागू करके प्रदेश में भ्रष्टाचार व काले धन को रोकने हेतु ठोस पग उठाए जाए"

उपाध्यक्ष: संकल्प प्रस्तुत हुआ कि "यह सदन सरकार से सिफारिश करता है कि दिनांक 8 नवम्बर, 2016 को केन्द्र सरकार द्वारा घोषित नोटबंदी को कड़ाई से लागू करके प्रदेश में भ्रष्टाचार व काले धन को रोकने हेतु ठोस पग उठाए जाए"।

इसमें 45 मिनट निर्धारित किए गए हैं और इस पर चर्चा के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी इसका जवाब देंगे।

श्री महेन्द्र सिंह श्री एस0 एल0 एस0 द्वारा जारी...

22.12.2016/1220/SLS-AS-1

श्री महेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष जी, आप भी लंबे समय तक इस सदन के बीच में शोभायमान रहे हैं। आज का दिन प्राइवेट मैंबर्ज़ डे है। आज 5.00 बजे तक हमारा समय है। 5.00 बजे के बाद हम एक मिनट भी अपने संकल्प पर नहीं बोल सकते।

उपाध्यक्ष जी, मैं विषय की तरफ आता हूं। हमारा देश जब 1947 में आज़ाद हुआ, उस वक्त देश की ऐसी परिस्थिति थी कि आबादी कम थी लेकिन संसाधन कोई नहीं था। उस समय हिमाचल प्रदेश के अंदर लगभग 300 किलोमीटर लंबी सड़कें थीं। बिजली का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता; कहीं-कहीं चंद एक जगह पर बिजली के बल्ब दिखते थे। दूसरी विकास की गतिविधियां कोई नहीं थी। उस समय शिक्षण संस्थान और स्वास्थ्य संस्थान बिल्कुल नाममात्र के थे। जैसे-जैसे आज़ादी के बाद समय आगे बढ़ता गया, विकास भी आगे बढ़ता चला गया। उस वक्त हमारे जो लोग थे उनमें ईमानदारी और बफ़ादारी बहुत ज्यादा थी। लेकिन जैसे ही आजादी के बाद 10, 15 या 20 वर्ष का कार्यकाल आगे बढ़ा, उस कार्यकाल के बीच में विकास आया और लोगों के पास धन भी आना शुरू हुआ। जैसे-जैसे धन आना शुरू हुआ, वैसे-वैसे, उपाध्यक्ष जी, करप्शन भी बढ़ना शुरू हुआ।

उपाध्यक्ष जी, वर्ष 1970-71 के दसक में भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उस समय इस देश की प्रधान मंत्री स्वर्गीय इंदिरा गान्धी को एक सुझाव दिया कि नोटों के प्रचलन से कुछ करप्शन बढ़ रहा है। इस करप्शन को यहीं पर समाप्त करने के लिए यह आवश्यक होगा कि 1970-71 के इस वर्ष में हम, जो हमारे नोट है, इनके विमुद्रीकरण की व्यवस्था करें। उपाध्यक्ष जी, श्रीमती इंदिरा गान्धी जी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अभी बहुत आगे तक चुनाव लड़ने हैं। अगर उस वरिष्ठ अधिकारी की उस बात को उन्होंने वर्ष 1970-71 में मान लिया होता तो एक बड़ा बैरिकेड उस वक्त भ्रष्टाचार पर लग सकता था। लेकिन उन्होंने उस सुझाव को स्वीकार नहीं किया जिसकी वजह से भ्रष्टाचार अपने पांव आगे-आगे फैलाता चला गया। भ्रष्टाचार की कोई सीमा थोड़े होती। उसका कोई दरवाजा नहीं होता। जब किसी की

22.12.2016/1220/SLS-AS-2

नीयत बदलनी होती है, नीयत से बदनीयत बनती है तो वह भ्रष्टाचार के कई दरवाजे, वैंटिलेटर और रास्ते ढूंढ़ लेता है।

आदरणीय उपाध्यक्ष जी, वर्ष 1975-90 के बीच में हमारे इस देश में भ्रष्टाचार ने अपने पांव बहुत ज्यादा फैला लिए। हमारे प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में

जारी...श्री गर्ग जी द्वारा

22/12/2016/1225/RG/AS/1

श्री महेन्द्र सिंह-----क्रमागत

लोगों के पास इतना धन इकट्ठा होना शुरू हो गया जिसका कोई हिसाब नहीं लगा सकते। क्योंकि इस प्रदेश में खुली दौलत के रूप में जो सबसे बड़ी दौलत थी, तो वे वन थे। हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा वन माफिया पैदा हो गया जिसने लाखों नहीं, करोड़ों, अरबों एवं खरबों के हिसाब से पैसा इकट्ठा कर लिया और अवैध तरीके से वनों का कटान किया। उसी तर्ज पर बोफोर्स तोप जैसे काण्ड इस देश के सामने आए। अच्छा होता कि अगर उस समय, उस समय की सरकारों ने, उन सरकारों के मुखियाओं ने कोई ऐसे सख्त कदम उठाए होते।

आदरणीय उपाध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान वर्ष 1988 की ओर ले जाना चाहता हूं। भारत सरकार द्वार वर्ष 1988 में बेनामी संपत्ति के बारे में एक एक्ट पास कर दिया गया। वर्ष 1988 से लेकर आज वर्ष 2016 समाप्त होने वाला है और वर्ष 2017 शुरू होने वाला है, लेकिन उस कानून के ऊपर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक ऐसी प्रवृत्ति शुरू हो गई कि चन्द-एक लोग अमीर होते चले गए और एक बहुत बड़ा वर्ग गरीबी में बंधा रहा। अमीर और गरीब के बीच में एक बहुत बड़ी खाई पैदा हो गई। हमारे कुछ राज्यों में नक्सलवादी पैदा हो गए और कुछ राज्यों में आतंकवादी पैदा हो गए। अब ये आतंकवादी एवं नक्सलवादी कहां से पैदा हुए?

आदरणीय उपाध्यक्ष जी, जिनके पास काला धन इकट्ठा हो गया उन्होंने इन नक्सलवादी एवं आतंकवादियों को बहुत बढ़ावा दिया। पाकिस्तान के साथ वर्ष 1971 में जंग हुई, पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए। पाकिस्तान जो परोक्ष रूप में भारतवर्ष के साथ लड़ाई नहीं लड़ सकता था इसलिए उसने अपरोक्ष रूप से हिन्दुस्तान में ऐसे सैंकड़ों आतंकवादियों को घुसाने की कोशिश की। उसी तरह से चीन ने भी कोशिश की और इस देश में हवाला का कारोबार फलने-फूलने लगा। हवाला के माध्यम से बड़े-बड़े नेताओं एवं धन्नासेठों का बहुत पैसा यहां और यहां से बाहर जाने लगा और इस देश एवं प्रदेश में रीयल एस्टेट इस प्रकार से फलने-फूलने लगा कि जहां भी किसी राजनेता या धन्नासेठ या जिन्होंने रीयल एस्टेट का कारोबार शुरू किया उन्हें पता चलता था कि यहां से कोई सड़क निकलने वाली है या यहां कोई फैक्ट्री लगने वाली है या यहां कोई अन्य दूसरा बड़ा

22/12/2016/1225/**RG**/**AS**/2

काम होने वाला है, तो सबसे पहले वे वहां जाकर गरीबों की जमीनों को कोड़ियों के भाव खरीद लेते थे। उसके पश्चात वे उसको बहुत उच्च दामों पर बेचते थे।

आदरणीय उपाध्यक्ष जी, मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान भी इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं और हिमाचल प्रदेश में 16 अगस्त, 1996 के दिन की इन्हें याद दिलाना चाहता हूं। 16 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में यदि काला धन कहीं पकड़ा गया था, तो कांग्रेस पार्टी के एक नेता के घर से चार करोड़ रुपये से भी ज्यादा की राशि मण्डी जिले में पकड़ी गई थी। इससे साफ झलकता है कि उस समय से लेकर आज तक एक ऐसी परम्परा हिमाचल प्रदेश में शुरू हुई है।

आदरणीय उपाध्यक्ष जी, वर्ष 2014 का जो लोक सभा का चुनाव हुआ, उस चुनाव में हमारे इस महान देश के महान प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र भाई मोदी जी ने भ्रष्टाचार, काले धन एवं बेरोजगार के खिलाफ एक नारा दिया और एक बहुत बड़ी खाई जो एक गरीब व अमीर के बीच में पैदा हो चुकी है इसको मिटाने के लिए आदरणीय नरेन्द्र भाई

मोदी जी को एक बहुत बड़ा बहुमत इस देश के महान मतदाताओं ने दिया है। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने कहा कि

एम.एस. द्वारा जारी

22/12/2016/1230/**MS/AG**/1

श्री महेन्द्र सिंह जारी-------

जिनके पास यह कालाधन है उनको मैं बेनक़ाब करूंगा। अढ़ाई वर्षों तक जो लोकसभा तथा विभिन्न राज्यों के अंदर विरोधी दल थे वे एक ही बात पूछते रहते थे कि वह कालाधन कब निकलेगा? 8 नवम्बर, 2016 से पहले तक वे कहते थे कि वह कालाधन कब आएगा? आदरणीय उपाध्यक्ष जी, 8 नवम्बर, 2016 की शाम को इस देश के महान प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने पूरे राष्ट्र के नाम एक सम्बोधन दिया और उस सम्बोधन में कहा कि जितने भी 500/-रुपये और 1000/-रुपये के नोट हैं वे सारे-के-सारे नोट अब बन्द कर दिए जाते हैं और एक समय-सीमा तय कर दी गई कि जिनके पास भी ये दो तरह के नोट हैं वे 31 दिसम्बर तक उनको बैंक में जमा करवा सकते हैं। उपाध्यक्ष जी, विरोधी पक्ष के लोग चाहे वे कांग्रेस, बीजेपी, टीएमसी, बसपा या आप पार्टी के थे, एक ही बात पूछते थे कि कालाधन कब निकलेगा और जब 8 नवम्बर, 2016 को आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने देश को सम्बोधन में इस बारे में कहा तो 9 नवम्बर को वे कहने लगे कि हमें पहले क्यों नहीं पूछा? हमें पूछकर इसको बन्द करना चाहिए था। उपाध्यक्ष जी, कुछ पार्टियों के नेता तो यह कहने लगे कि हमें मात्र तीन दिन दे दो। हम तीन दिनों में ही जो कुछ करना है वह कर लेंगे। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि जो फैसला हुआ है वह हो गया है।

उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन को और सदन के माध्यम से पूरे प्रदेश की जनता को बताना चाहता हूं कि आज तक हमारे देश के अंदर साढ़े चौदह लाख करोड़ रुपया जमा हो चुका है। यह जो इतना पैसा जमा हुआ है यह रुपया ही केवल-मात्र जमा नहीं हुआ है बल्कि उसके साथ-साथ जो विभिन्न छापे पड़े हैं, वह पैसा भी जमा हुआ है । बहुत से धन्नासेठों, राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के ऊपर छापे पड़े हैं।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि मेरे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मेरे लिए पार्टी सर्वोपरि नहीं है। फिर चाहे वह बीजेपी हो, कांग्रेस हो या कोई पार्टी, समुदाय या धर्म हो, किसी के भी साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उपाध्यक्ष जी, आज जो साढ़े चौदह लाख करोड़ रुपया हमारे बैंकों में जमा हुआ है उसके अलावा जो सूचना हम टी0वी0 पर देखते

22/12/2016/1230/**MS**/**AG**/2

हैं और अखबारों में पढ़ते हैं उसमें भी लगभग 800 क्विंटल सोना विभिन्न जगहों से पकड़ा गया है। आप हैरान होंगे टी0वी0 पर आ रहा था कि एक अधिकारी के पास विमुद्रीकरण के बाद एक अड्डा बन गया था और वहां से उसका सौ करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन हो रहा था। वहां से 100 किलो के लगभग सोना पकड़ा गया जबकि एक गरीब जिसने अपनी बेटी और बच्चों का विवाह करना हो वह 100 ग्राम सोने के लिए तरसता है। जो बड़े-बड़े धन्नासेठ और राजनेता हैं उनके पास 100-150 किलो सोना मिल रहा है। एक व्यक्ति के पास 171 किलो सोना मिलता है तो क्या वह 171 किलो सोने के गहने बनाकर अपनी बहू-बेटियों को पहना सकता है? क्या वे इतना वजन सहन कर सकती हैं? वे इतना वजन सहन नहीं कर सकती हैं। जितने भी सुनार इस देश के अंदर थे जैसे ही 8 नवम्बर को मोदी जी ने विमुद्रीकरण का फैसला लिया यानी 500/-रुपये और 1000/-रुपये के नोट को बन्द करने का फैसला लिया, उनमें एक होड़ सी लग गई। जो सोना 30,000/-रुपये प्रति 10 ग्राम बिकता था वह 50,000/-रुपये और 60,000/-रुपये ही नहीं बल्कि हमारे प्रदेश के बाहर तो 1 लाख 50 हजार रुपये के हिसाब से खरीदकर लोगों ने अपने कालेधन को सफेद धन में तब्दील किया और सोना अपने घर में रख लिया। आप अंदाजा लगाइए कि एक व्यक्ति के पास 13 हजार 860 करोड़ रुपये की सम्पत्ति निकलती है। हम हैरान हो गए कि एक व्यक्ति के पास इतनी सम्पत्ति कैसे निकल गई? हमारे मित्र कल सदन में कह रहे थे कि कहां कितना-कितना धन निकला है। मैं इनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि 13 हजार 860 करोड़ रुपया एक व्यक्ति के पास निकला और जो व्यक्ति 25 पैसे का एक चाय का प्याला बेचता था उसके पास भी 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की सम्पत्ति निकली है।

जारी श्री जे0एस0 द्वारा-----

22.12.2016/1235/**जेके/एएस**/1

श्री महेन्द्र सिंह:-----जारी-----

उसके पास भी 600 करोड़ रूपए से ज्यादा की सम्पत्ति निकली है। आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने एक बात कही थी जिस दिन उन्होंने इस विमुद्रीकरण के फैसले को लिया था, उन्होंने कहा था कि मैं देशवासियों से निवेदन करना चाहता हूं, सभी पार्टियों के नेताओं से निवेदन करना चाहता हूं और अधिकारियों से निवेदन करना चाहता हूं कि इस विमुद्रीकरण के फैसले पर आप सब सहयोग दें। देश की जनता मुझे सहयोग दें। हम देश की जनता का धन्यवाद करना चाहते है, प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहते हैं कि जनता ने पूर्ण सहयोग दिया और शांति बरकरार रखी है। हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अन्दर कल हमारे कुछ साथी कह रहे थे और हम सुन रहे थे । वे कह रहे थे कि हिमाचल प्रदेश में कइयों की शादियां रुक गई हैं, कइयों को ए0टी0एम0 से पैसा नहीं मिल रहा है। कई कह रहे थे कि हमारा पैसा हमारे को नहीं मिलता है। जिसका पैसा जिस भी एकाऊंट में है उसका पैसा कोई दूसरा नहीं निकाल सकता है। आप बताएं हिमाचल प्रदेश के अन्दर कोई ऐसी शादी है जो रुक गई हो? आप बताएं हिमाचल प्रदेश के अन्दर कोई ऐसा ए0टी0एम0 है जहां पर पैसा न हो। सभी ए0टी0एम0 से पैसा निकल रहा है। .....(व्यवधान)...... आप लोग बूरा न मानें आप लोग सम्माननीय विधायक हैं। मैं आप लोगों से एक निवेदन करना चाहता हूं यदि किसी विधायक या मंत्री की बेटी या बेटे की शादी इस दौरान हुई हो और वह टूट गई हो तो वह यहां पर हाथ खड़ा करके बताएं। .....(व्यवधान)...... आप बताईए। किसी की शादी नहीं टूटी है। आदरणीय मोदी जी ने कहा है, हमारे प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि एक शादी के लिए ढाई लाख रुपये दिए जाएंगे। ढाई लाख रूपया पूरे देश के अन्दर दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अन्दर दिया जा रहा है। मैं अपने भाईयों का बुरा नहीं मानता। वह क्यों नहीं मानता, इसलिय नहीं मानता हूं कि अभी ये पहली-पहली बार चुन कर आए हैं। हमें इस हाऊस के अन्दर जनता-

जनार्दन का बड़ा आर्शीवाद मिला है। मेरा आपसे निवेदन है कि जब आप बोलते हैं तो मैं कभी भी आप लोगों को नहीं रोकता हूं। हम बोल रहे हैं और आप लोगों को उसमें पार्टिसिपेट

22.12.2016/1235/**जेके/एएस**/2

करना है तो आप अपना नाम उपाध्यक्ष महोदय को दीजिए। इसी बात को ले करके तनाव इस हाऊस के बीच में हुआ कि यहां पर एक ही किस्म की चर्चा थी। इस एक किस्म की चर्चा को पिछले कल के बजाय यदि आज लगा दिया होता, हमारे पास खुला समय है। आज पांच बजे तक का समय हमारे माननीय सदस्यों का है। आदरणीय उपाध्यक्ष जी, हमारे बैंकों के पास इतने पैसे इकट्ठे हुए जिसका मैंने यहां पर जिक्र किया कि साढ़े चौदह लाख करोड़ रूपया इकट्ठा हुआ है। आखिर इसका फायदा किसको होगा? मान लो मेरे भाई संजय रतन जी हैं, अगर इनके घर में 10 लाख रूपया रखा हुआ है, अगर ये घर से कहीं बाहर जाते हैं तो किसी न किसी व्यक्ति को घर में रखना पड़ेगा कि देखना घर में पैसे रखे हुए हैं। जब पैसा हमारा बैंक में है, आप बड़े खुले दिल से बाहर जा सकते हैं। बैंक में जो पैसा आपका रखा है क्या वह पैसा पांच साल के बाद बैंक में घटेगा या बढ़ेगा? आप इस बात को बताईये। संजय रतन जी मैं केवल उदाहरण दे रहा हूं। आदरणीय उपाध्यक्ष जी वह 10 लाख रूपया पांच साल के बाद कुछ नहीं होगा तो कम से कम 12 लाख तो होगा ही। यदि वह पैसा घर में रखा होगा तो उससे एक तो धक-धक लगी रहेगी कि उसको चोर या डाकू न ले जाए। यदि बैंक में होगा तो उसमें दो लाख रुपया बढ़ेगा। इसलिए मैं अपने भाईयों से निवेदन करना चाहता हूं कि मित्रो कठिनाइयां आएंगी। यह इतना बड़ा फैसला है। पूरे देश के लिए यह फैसला लिया गया है। इस फैसले के आने के उपरान्त किन-किन बातों का सुधार हुआ है, यह मैं बताना चाहूंगा। इस फैसले के आने के उपरान्त जो लोग कश्मीर में पत्थर मारते थे, जो पत्थरबाजी करते थे वे लोग बन्द हो गए। उपाध्यक्ष जी वह

इसलिए बन्द हो गए क्योंकि उनको जो पैसा आतंकवादियों के माध्यम से मिलता था वह पैसा मिलना बन्द हो गया।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी-------

22.12.2016/1240/**SS**/**AS**/1

श्री महेन्द्र सिंह क्रमागत:

नक्सलियों ने आत्मसमर्पन करना शुरू कर दिया। 500 से ज्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पन कर दिया। हमारे इस देश के अंदर जो आंतकी घटनाएं थीं उन घटनाओं में बहुत ज्यादा कमी आई है। आप हैरान होंगे कि जो पाकिस्तान इन आतंकियों को फाइनैंस करता था उसने भी अपने देश के अंदर 5000 के नोटों को बंद करने का फैसला लिया हुआ है। मोदी जी के फैसलों को यू0एस0ए0 का राष्ट्रपति कबूल करता है कि वह मोदी की नीतियों को लागू करेगा। आदरणीय उपाध्यक्ष जी, जो मोदी जी ने फैसला लिया हुआ है उसको पाकिस्तान भी फोलो कर रहा है। चाईना जहां हमारी विचारधारा कम मिलती है वहां के राष्ट्रपति ने इस बात को स्वीकार किया है कि मोदी जी ने जो फैसला लिया हुआ है वह एक ऐतिहासिक फैसला है। मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने 9 और 10 तारीख के अखबार में कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है और पिछले कल जब आपने बोला तो मुझे बड़ी ग्लानी-सी महसूस हुई। इस प्रदेश का मुख्य मंत्री 9 और 10 तारीख को कहता है कि मोदी जी का फैसला एक ऐतिहासिक फैसला है और 40 दिनों के बाद कहता है कि ठीक नहीं है। यह बात हमारी समझ में नहीं आती, आप हमें माफ करें।

Deputy Speaker: Please wind up now.

श्री महेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष जी, महामहिम राष्ट्रपति जी ने इस फैसले का स्वागत किया है। शरद पवार जी ने इस फैसला का स्वागत किया है। नितीश कुमार ने इस फैसला का

स्वागत किया है। न्यायपालिका ने इस फैसला का स्वागत किया हुआ है। मित्रों, दर्द किन लोगों को हो रही है? दर्द उसको हो रही है जिसके पास बहुत धन है। जिसको अब धन बदलने में दिक्कत आ रही है। दर्द मित्रों उसको हो रही है। मैं आप सब की पीड़ा समझता हूं लेकिन आपने भी कोई-न-कोई व्यवस्था कर ली होगी। आदरणीय उपाध्यक्ष जी, मैं सभी सदस्यों का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि 80 हजार करोड़ रुपया जन-धन खातों में जमा हुआ और मोदी जी ने

22.12.2016/1240/**SS**/**AS**/2

कहा है कि जिसके खाते में यह जमा हो गया वह उसी का होगा। इसके लिए हम प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं। --(व्यवधान)-- आप ज़रा सुनेंगे। मैं आपके हक की बात कर रहा हूं। 75 हजार करोड़ रुपया बैंकों से जिन्होंने ऋण लिया हुआ था जोकि हटने वाला नहीं था, 75 हजार करोड़ रुपया बैंकों का तुरन्त वापिस हो गया। इसके लिए हम मोदी जी का धन्यवाद करना चाहते हैं। मैं आपको बधाई देना चाहता हूं। मेरा इस हाउस में एक प्रश्न था कि 10 नवम्बर से 30 नवम्बर तक एक्साइज एंड टैक्सेशन डिपार्टमैंट के अंदर 464 करोड़ रुपया जो कई सालों से रूका हुआ था क्या वह मिल गया? वह 464 करोड़ रुपया आपके खजाने में सिर्फ एक्साइड एंड टैक्सेशन डिपार्टमैंट का आया हुआ है। मैं मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा। यहां पर सैक्रेटरी फाइनैंस बैठे हुए हैं मैं इनसे भी निवेदन करूंगा कि वे बताएं कि सभी विभागों की जो देनदारियां थीं जोकि कई सालों से रूकी पड़ी थीं उन देनदारियों में कितना धन जो आज तक नहीं मिलने की उम्मीद थी वह जमा हुआ है। उसका फायदा प्रदेश के खजाने को भी हुआ है। प्रदेश की सरकार को भी हुआ है।

Deputy Speaker: Now please wind up. माननीय सदस्य, कृपया समाप्त कीजिये, आपके 25 मिनट हो गये हैं।

श्री महेन्द्र सिंह: माननीय उपाध्यक्ष जी, जो रियल एस्टेट का कारोबार करते थे जोकि गरीबों को बहुत महंगे घर देते थे उनको अब सस्ते दामों पर घर मिलेंगे।

उपाध्यक्ष जारी श्रीमती के0एस0

22.12.2016/1245/**केएस/एएस**/1

श्री महेन्द्र सिंह जारी.....

उपाध्यक्ष: महेन्द्र सिंह जी, कृपया एक मिनट में समाप्त करें। 15 माननीय सदस्यों ने और बोलना है

श्री महेन्द्र सिंह: सर, हमारा पांच बजे तक का समय है।

उपाध्यक्ष: अभी दूसरा संकल्प भी है इसलिए आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री महेन्द्र सिंह: आदरणीय उपाध्यक्ष जी, यह जो एक ऐतिहासिक निर्णय आदरणीय मोदी जी ने लिया है, आप पहली जनवरी के बाद देखना। इस देश के अनेक प्रदेशों को जिसमें हिमाचल प्रदेश भी शामिल है, अरबों खरबों के पैकेज इस देश को भारत सरकार की तरफ से मिलेंगें। आप भी उन पैकेजिज़ के लिए तैयार हो जाओ। मगर आप डी.पी.आर. ही नहीं बनाते हैं। ....(व्यवधान)....आप डी.पी.आर. ही नहीं बनाते हैं। मैं सभी विभागों के मंत्रियों से निवेदन करना चाहता हूं, आज बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि भारत सरकार आपको बहुत कुछ दे रही है लेकिन आप लेने नहीं जाते हैं। आप डी.पी.आर. नहीं बनाते हैं। यह फैसला जो हमारे प्रधान मंत्री जी ने लिया है, इस फैसले पर जिन पिछले वक्ताओं ने कहा है, आप इस ऐतिहासिक फैसले पर रुकावटें डालने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश सरकार की तरफ से जो सहयोग मिलना चाहिए था, वह सहयोग नहीं मिल रहा है । इसलिए इस फैसले के लिए प्रदेश सरकार से चाहते हैं कि आप सहयोग करें । आप जितना

सहयोग करेंगें आपको उतनी ही मदद भारत सरकार की तरफ से,मोदी जी की तरफ से मिलेगी।

उपाध्यक्ष: Not to be recorded now. श्रीमती आशा कुमारी जी, आप बोलिए।

22.12.2016/1245/**केएस/एएस**/2

श्रीमती आशा कुमारी: उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, धन्यवाद मगर जब भी आप महेन्द्र सिंह जी के बाद मुझे समय देते हैं, ये बैठते ही नहीं है। मुझे आज बोलना नहीं था मगर जब महेन्द्र सिंह जी ने बोलना शुरू किया, आज इनका रैज़ोल्यूशन क्या है? इनका रैज़ोल्यूशन यह लगा है कि "यह सदन सरकार से सिफारिश करता है कि दिनांक 8 नवम्बर, 2016 को केन्द्र सरकार द्वारा घोषित नोटबन्दी को कड़ाई से लागू करके प्रदेश में भ्रष्टाचार व काले धन को रोकने हेतु ठोस पग उठाए जाएं।"उस पर तो इन्होंने एक भी चर्चा नहीं की। .....(व्यवधान)....महेन्द्र सिंह जी, आप बोल रहे थे, मैं चुपचाप बैठी हुई थी। अब आप सुन लो। महिला विरोधी मत बनो। आप आधा घण्टा बोले। बेहतर था कि वह जो कल चर्चा हुई उसमें खड़े हो कर उस नियम के तहत बोलते तो आपको शोभा देता। इस नियम के तहत तो आपने ठोस कदम की बात कही, प्रदेश सरकार की बात कही और प्रदेश सरकार के बारे में आपने चर्चा ही नहीं की। प्रदेश सरकार ने, राजा वीरभद्र सिंह जी की सरकार ने, राजा वीरभद्र सिंह जी ने आपकी सरकार, केन्द्र सरकार के नोटबंदी के फैसले के बाद हैलीकॉप्टर से पैसा ग्रामीण क्षेत्रों में, ट्राईबल क्षेत्रों में पहुंचाया। यह सरकार संवेदनशील सरकार है आपकी तरह हवाईबाज़ी नहीं करती, जुम्लेबाज़ी नहीं करती। आपने पूरा भाषण इसलिए दिया कि आपको लग रहा है कि आपके केन्द्र नेतृत्व के सामने

आपका नाम आए कि महेन्द्र सिंह जी ने यह चर्चा सदन में रखी। कम से कम नियम तो सही रखते। आपने जिस नियम में चर्चा दी है, आपने एक रैज़ोल्यूशन पेश किया है कि जो प्रदेश सरकार है वह ठोस कदम उठाए। आप कौन सा ठोस कदम चाहते हैं? क्या आर.बी.आई. का संचालन प्रदेश सरकार करती है? क्या ए.टी.एम्ज़. का संचालन प्रदेश सरकार करती है? क्या नोटों के बारे में बार-बार जो उनकी प्रिंटिंग के नियम बदल रहे हैं, वह प्रदेश सरकार करती है?

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी----

22.12.2016/1250/av/ag/1

श्रीमती आशा कुमारी---------जारी

प्रदेश सरकार को जो करना है वह कर रही है और अपने दायित्व से ज्यादा कर रही है, आपको तकलीफ इसलिए हो रही है। आप तो खुद कह रहे थे हमारे विधायकों को कि ये पहली टर्म के विधायक हैं इसलिए आप इनका बुरा नहीं मानते। आप तो छठी बार यहां आ गये हैं, आप बीच में क्यों बोल रहे हैं? वह भी एक महिला के सामने। जब आप बोल रहे थे तो मैंने कुछ कहा? (---व्यवधान---) तो अब आप मुझे बोलने दीजिए। पहला तो मेरा यह मानना है कि महेन्द्र सिंह जी ने अपने संकल्प पर एक भी बात नहीं की है। यह संकल्प कि ठोस कदम राज्य सरकार उठाये, हालांकि कल बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी में आप भी थे और मैं भी थी। हमने इस बात की चर्चा भी की थी कि इसमें प्रदेश सरकार कौन से ठोस कदम उठायेगी? अगर नोट्स की प्रिटिंग करनी है तो वह आर0बी0आई0 ने करनी है। अगर ए0टी0एम्ज0 को ठीक करना है तो वह बैंक्स ने करना है। आपकी सरकार ने तो यह भी नहीं देखा क्योंकि एक घटिया-से-घटिया दर्जी भी यह देख लेता है कि अगर कपड़ा सिलना है तो पहले नाप लिया जाता है। आपने ए0टी0एम0 के अन्दर जो नोट डालने थे उनका साइज भी नहीं देखा। आधे से ज्यादा ए0टी0एम0 इस वजह से बंद हैं क्योंकि आपके पास वह सांचा ही नहीं है जो ए0टी0एम0 में लगता है और जिससे नोट निकलते हैं। एक

घटिया दर्जी भी नाप लेकर कपड़े सिलता है। आपने तो यह भी नहीं देखा कि आप क्या करने जा रहे हैं। चर्चा यह नहीं है बल्कि आप देश को भ्रमित कर रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी या दूसरी पार्टियां जो इसका विरोध कर रही हैं या अपनी बात रख रही हैं वे देशद्रोही है। कोई देशद्रोही नहीं है। देश के हित में पूरा राष्ट्र इकट्ठा है। आप जनता को भ्रमित करने के लिए देशद्रोह का नारा देते हैं। आप राष्ट्रवाद का नारा देते हैं। आपसे ज्यादा राष्ट्रवादी हम हैं। हमें आपसे ज्यादा देशप्रेम है। आप देशप्रेम और राष्ट्र का नाम लेकर जो आडम्बर रच रहे हैं उसके लिए जनता आपको बहुत देर तक माफ नहीं करने वाली। 50 दिन पूरे होने वाले हैं। एक जमाना था, एक

22.12.2016/1250/av/ag/2

फिल्म आई थी। मेरे सब मित्रों ने भी देखी होगी और आपने भी देखी होगी। वह फिल्म 'शोले' थी। उसमें एक डायलॉग था कि जब बच्चा नहीं सोता तो मां कहती है कि सो जा बेटा नहीं तो गब्बर आयेगा। आजकल टी0वी0 ऑन करो तो डरने का एक ही तरीका है 'मित्रों' और सब डर जाते हैं। किसी और चीज़ की जरुरत ही नहीं है। यह सच्चाई है, मित्रों बोला नहीं कि हो गया। मेरे दोस्तो आप जिस कालेधन की चर्चा कर रहे हैं उसको पकड़ने के लिए डीमोनेटाइजेशन की जरुरत नहीं थी। वह आपने रेड में पकड़ा न कि डीमोनेटाइजेशन में पकड़ा है। वह इनकम टैक्स की रेड में पकड़ा गया और वह डिपार्टमैंट पहले से भी पकड़ता आ रहा है, उसमें कोई नई बात नहीं है। यहां ऊपर जितनी जनता बैठी है इनको आपने डीमोनेटाइजेशन की वजह से लाइनों में खड़ा किया। आपने ठीक से इंतजाम नहीं किए और लाइनों में खड़े होने से कई मौतें हुईं, डिलीवरीज हुईं। अपनी बदइंतजामी को रोकने के लिए अब आप देशप्रेम का नाम ले रहे हैं। मैं यह नहीं कहती कि आप हमसे कम देशप्रेम करते हैं। लेकिन हम भी बराबर करते हैं। कोई भी हिन्दू, मुस्लमान या ईसाई जो भी इस हिन्दुस्तान में रहता है वह हिन्दुस्तान से प्रेम करता है इसलिए अपने देश में रहता है। मगर आपने जो रेजोल्यूशन रखा उस पर आपने चर्चा क्यों नहीं की? (---

व्यवधान---) आपने पता नहीं किस बात पर चर्चा की है। (---व्यवधान---) आप मुझे यह बताइए कि आपको कष्ट क्यों हो रहा है? (---व्यवधान---) मैं तो आपके ऊपर बोल रही हूं जो आपने बोला।

उपाध्यक्ष महोदय, महेन्द्र सिंह जी इतने सीनियर सदस्य हैं इनके इस तरह के व्यवहार से मुझे यह समझ नहीं आ रहा है कि इनको तकलीफ क्या हो रही है। आपको क्या कष्ट है? आपको इस बात का कष्ट है कि हम आपको आईना दिखा रहे हैं कि आपने लोगों को हैरान/परेशान कर दिया है। प्रश्न यह नहीं है कि कहां क्या दिखा दिया। (---व्यवधान---) महेन्द्र सिंह जी, यह देश की जनता है।

22.12.2016/1250/av/ag/3

यह अर्श से फर्श पर और फर्श से अर्श पर कभी भी बिठा सकती है। आप इतना घमण्ड मत करो। कोई अंदर जाता है और कोई बाहर आता है; यह चुनाव है। यहां ऐसा होता रहता है, कोई जीतता है और कोई हारता है। मगर इसका यह मतलब नहीं कि आप देश की जनता को लाइनों में खड़ा कर दो। इसका यह मतलब नहीं कि आप देश की जनता

श्री वर्मा द्वारा जारी

22.12.2016/1255/TCV/AG/1

प्रश्न संख्या: ---- क्रमागत

श्रीमती आशा कुमारी -----जारी

को लाईनों में खड़ा कर दो। इसका यह मतलब नहीं कि आप देश/प्रदेश की जनता को अपने धन/पैसे को हाथ तक न लगाने दो। दिल्ली में मंत्री की बेटी की शादी में 50

एरोप्लेन्ज़ लगाये गये थे। मुझे मालूम नहीं उसमें आप में से कोई गया या नहीं। आप में से भी उनके मित्र हैं। -(व्यवधान- -) मुझे पता है और पता रखना चाहिए। इसके बारे में पूरी दुनियां को पता है। श्री महेन्द्र सिंह जी आप प्रदेश के मंत्री रहे हैं। आप इस सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं। आप जब बोलने के लिए सदन में खड़े होते हैं, तो हमें लगता है कि आप इस सदन को बहुत अच्छे-अच्छे सुझाव देंगे और अच्छी-अच्छी बातें बताएंगे। आपके जो अनुभव है, उससे आप यहां सदन को अवगत करवाएंगे और उससे सरकार बहुत लाभान्वित होगी, लेकिन आपने तो ऐसी कोई भी बात नहीं की। आपने रेज्योल्यूशन पर ही चर्चा नहीं की। आपको कल यहां हाऊस में होना चाहिए था। आज जनता लाईनों में खड़ी हुई है और परेशान हैं। आप लोगों (भाजपा) ने 50 दिन का टाईम मांगा था जो पूरे होने जा रहे हैं। आपने यहां पर काले धन के बारे में चर्चा की । क्या कालाधन उस गरीब आदमी के पास था, जो गांव में बैठा था, उन महिलाओं के पास था, जिन्होंने थोड़ी-थोड़ी बचत करके अपने लिए पैसा रखा था। वह कोई कालाधन नहीं था। कालाधन पकड़ने के लिए पूरा हिन्दूस्तान आपका साथ देगा, लेकिन कालेधन के नाम पर बेवकूफ बनाने के लिए कोई आपका साथ नहीं देगा। देशद्रोह का नाम देकर के आप देश की जनता को परेशान करेंगे, तो हम आपका साथ नहीं देंगे। आप कालेधन को एक्सपोज़ करिए हम मानेंगे। आप कहते हैं कि बैंकों में इतना पैसा जमा हुआ। हम जानना चाहते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्री (अदानी ग्रुप) को लगभग पौने दो करोड़ का अनसक्योर्ड लोन जनता के पैसों से क्यों दिया जा रहा है? ये बताया जाये कि गरीब से पैसा लेकर के अमीर को क्यों दिया जा रहा है? आपने दिया है। कंवर साहब आप हमारे मित्र हैं। आपको भी पता नहीं है। आपकी अज्ञानता नहीं है।

22.12.2016/1255/TCV/AG/2

नहीं है। आपकी अज्ञानता पर भाषण देने के लिए मैं यहां पर खड़ी नहीं हुई हूं। --(व्यवधान)---मैं आपको इसका प्रूफ दे दूंगी। आपको कष्ट क्या हो रहा है। धूमल साहब आप इनको कहिए कि इनको कष्ट क्या हो रहा है? --(व्यवधान)--- मैं आपकी धन्यवादी

हूं कि वन मंत्री जी भी मेरे पक्ष में खड़े हो गये हैं। चलो नोटबंदी का यह तो फायदा हुआ। कंवर साहब आप इस बात को मान लीजिए, आपका इरादा चाहे जो रहा हो, लेकिन उसके जो परिणाम आये है, वह बहुत बुरे हैं। यदि कहीं कोई गलती हो जाये तो मान लेनी चाहिए। हिन्दुस्तान की जनता के भले के लिए कृपा करके इस फैसले को पार्टी लैवल पर रेव्यू कराईये और जनता को राहत मिले इसके लिए हम सबको प्रयास करना चाहिए। जनता को आर्थिक इमरजैंसी की स्थिति से निकालने के लिए हम सबको कोई सुझाव देने चाहिए। मैंने सोचा था कि आज आपने ये रेज्योल्यूशन रखा है और आप कोई सुझाव देंगे कि इसमें हमारी प्रदेश सरकार क्या कर सकती है प्रदेश सरकार तो इसमें एक ही काम कर सकती थी, वह था अपना हैलीकॉप्टर देकर पैसा पहुंचाना और वह इन्होंने कर दिया है। इसके अलावा आप बताईये क्या कर सकते हैं। आप अपने सुझाव दीजिए, और हम भी उनसे लाभान्वित होंगे। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा तो यह मानना है कि जिस नियम के अन्तर्गत इन्होंने यह रेज्योल्यूशन दिया है, वह इस नियम के तहत आता ही नहीं है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष: अब इस माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजन के लिए 2.00 बजे तक स्थगित की जाती है।

22/12/2016/1400/**NS**/**AS**/1

(मान्य सदन की कार्यवाही भोजनोवकाश उपरान्त 02:00 बजे अपराह्न माननीय उपाध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में पुन: आरम्भ हुई।)

श्री सतपाल सिंह सत्ती : उपाध्यक्ष महोदय, आदरणीय सदस्य श्री महेन्द्र सिंह जी ने इस मान्य सदन में जो प्रस्ताव रखा है, मैं उसमें हिस्सा लेने के लिए इस मान्य सदन में खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, 8 नवम्बर को इस देश के इतिहास में एक नया इतिहास जुड़ा

है। देश के प्रधानमंत्री और केन्द्र सरकार ने विमुद्रीकरण का जो निर्णय लिया है, वह एक ऐतिहासिक निर्णय है। उस निर्णय को लेने के लिए इस देश में अनेकों बार प्रयास हुए हैं। बहुत बार लोगों के ज़हन में आया लेकिन ऐसा निर्णय लेने में जिस तरह का व्यक्ति गद्दी के ऊपर होना चाहिए और जिस तरह का मादा व्यक्ति में होना चाहिए, ऐसा मादा न होने के कारण अनेकों बार यह निर्णय चर्चा के बाद समाप्त होता रहा है। आज देश के सर्वोच्च पद के ऊपर देश की जनता ने एक ईमानदार, कर्मठ और राष्ट्रवादी व्यक्ति श्री नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री की चेयर के ऊपर बिठाया है। उसी के कारण यह निर्णय सम्भव हो पाया है क्योंकि यह एक बहुत बड़ा निर्णय है और भारत एक बहुत बड़ा देश है। इस देश की जनता लगभग 131 करोड़ है। हम सब लोग राजनीति में हैं तो आदमी राजनीतिक दृष्टि से भी सोचता है। श्री नरेन्द्र मोदी जी का ऐसा इतिहास रहा है कि वे कभी व्यक्तिगत राजनीति या पार्टी की राजनीति की ओर ध्यान नहीं देते हैं। वे हमेशा राष्ट्र की राजनीति की ओर ध्यान देते हैं, चाहे वे मुख्य मंत्री के पद के ऊपर रहे हों या चाहे संगठन में रहे हों।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी।

22.12.2016/1405/RKS/AS-1

श्री सतपाल सिंह सत्ती...जारी

और उन्होंने हमेशा मुद्दों की राजनीति की है। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद जिस तरह का समर्थन इस देश की जनता, नेताओं और सभी पार्टियों ने दिया उससे यह ध्यान में आया कि यह निर्णय कितना जरूरी हो गया था। इस देश की जनता भ्रष्टाचार, आंतकवाद, माफिया और इस देश में हो रहे अन्य अनैतिक कामों से किस तरह पेरशान थी। इन सभी अनैतिक कामों में जो इस देश का काला धन है वह सहयोग करता था। मोदी जी ने चुनावों

के दिनों में भी कहा था कि हम काले धन को रोकेंगे और इस देश में पहले भी अनेकों ने अपने-अपने हिसाब से इसके लिए प्रयास किए होंगे। इसमें यह बात भी सामने आई कि आखिर इसमें किस तरह से कार्रवाई शुरु की जाए। मोदी जी जब से इस देश के प्रधान मंत्री बने इसके लिए विधेयक लोक सभा के अंदर लेकर आए कि काले धन, भ्रष्टाचार, आंतकवाद और माफिया राज को कैसे रोका जाए। अनेकों बार उन्होंने इसमें राहत देने की भी कोशिश की। लोगों के पास जो काला धन था उसे 30 सितम्बर तक सरकार की तय समय सीमा के अनुसार बदलवाने का समय भी दिया गया। उस समय लगभग 75 हजार करोड़ रुपये लोगों ने बदले और टैक्स भी दिया। जो लोग इस देश में पैसा कमाते हैं उन लोगों के ध्यान से एक बात ओझल हो गई कि जो पैसा इस देश के अंदर रहकर कमाया जा रहा है उसका टैक्स भी तो देना है। पैसा जो व्यापारी लोग कमाते हैं, अन्य व्यवसाय वाले कमाते हैं या जितने भी हम सब लोग हैं खासकर जो कर्मचारी लोग हैं उन्हें तो गवर्नमैंट से पैसा मिलता है और जिनकी पेमैंट बैंक से होती है। बैंक के माध्यम से हमारा सबका टैक्स कटता है। इसके बाहर जो व्यापारी लोग काम करते हैं या अन्य भ्रष्ट लोग जो आउट ऑफ दी वे दो नम्बर का पैसा लेते हैं, उसका इस देश में बहुत बड़ा जखीरा खड़ा हो गया था। इस चीज़ को कंट्रोल करने के लिए आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने बड़ा सख्त निर्णय लिया। इस सख्त निर्णय का समर्थन कांग्रेस पार्टी ने किया और जो सत्ता में अन्य दल हैं उन्होंने भी किया। हमारे प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने भी इस निर्णय का समर्थन किया। बिहार के मुख्य मंत्री श्री नीतिश कुमार जी आज भी बड़े जोरदार ढंग से इस निर्णय का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन

22.12.2016/1405/RKS/AS-2

मुझे यह बात समझ में नहीं आई कि माननीय मुख्य मंत्री जी 5-7 दिन इस निर्णय का समर्थन करते रहे और बाद में वह कहने लगे कि यह ठीक ढंग से लागू नहीं हुआ तथा इसमें कुछ बदलाव करने चाहिए थे। हम यह मानते हैं कि यह एक अच्छा निर्णय था जिसकी लोगों ने भी प्रशंसा की और आपकी पार्टी ने भी इसका समर्थन किया। कुछ क्षेत्रिय

दल जैसे तृणमूल कांग्रेस से लेकर चिट्टी टोपी वाले जो दिल्ली में आ गए हैं, जोकि इस देश की राजनीति में एक नई वरायटी है। उन लोगों ने जब इस नोटबंदी को उभारना शुरु किया तो इसमें कांग्रेस पार्टी को लगा कि कहीं हम इसमें पिछड़ न जाएं। ममता बनर्जी जी जिन्हें बहुत ईमानदार छवी वाली माना जाता है उनको क्या पीड़ा हुई , यह बात किसी की समझ में नहीं आई। उन्हें यह लगा कि मैं इसी के बहाने देश की सर्वोच्च गद्दी पर पहुंच जाऊंगी। राहुल गांधी जी या अन्य लोगों को भी यह लगा कि कहीं ये लोग हमसे आगे न निकल जाएं। अल्टीमेटली कांग्रेस पार्टी ने कभी विरोध और कभी समर्थन करना शुरु कर दिया। कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि देश की मैक्सिमम जनता ने, देश के ईमानदार लोगों ने और अनेकों ऐसे लोग भी हैं जिनका पैसा भी गया, उन्होंने भी यह कहा कि हमारा नुकसान जरूर हुआ है परन्तु यह निर्णय कुल मिलाकर बहुत अच्छा है। इस निर्णय से लोगों को राहत मिलेगी। आदरणीय महेन्द्र सिंह जी ने बताया भी है कि इससे कश्मीर में पत्थरबाजी भी रुकी। बाद में कुछ लोगों ने इस देश में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। महेन्द्र सिंह जी ने जो सुझाव दिया है मैं उसमें आना चाहूंगा कि प्रदेश सरकार को क्या करना चाहिए? श्रीमती आशा जी भी कह रही थी कि आप लोग इस बारे में सुझाव दें। बड़े-बड़े लोगों ने अपने कर्मचारियों को लाइनों में खड़ा कर दिया और लाइनें छोटी नहीं हो रही थी। एक-एक आदमी 4-4 बार बैंकों में आता था और कुछ लोगों ने तो काले धन का सफेद करने के लिए आदमी दिहाड़ी में रखना शुरू कर दिए। इससे कुछ लोगों का भला भी हुआ। कुछ कर्मचारियों को तनख्वाह लेट मिलती थी उनके खातों में एडवांस पैसा आना शुरू हो गया । जैसा महेन्द्र सिंह जी ने बताया कि हमारे प्रदेश में भी लगभग 650 करोड़ रुपये बैंकों में आये। अरबन डिवैलपमैंट

22.12.2016/1405/RKS/AS-3

मिनिस्टरी का आ रहा है कि मैक्सिमम लोग नगर निगम में हाउस टैक्स नहीं देते थे , बिजली के बिल नहीं देते थे उस समय लोगों ने सारे पैसे दिए ।

22.12.2016/1410/SLS-AS-1

श्री सतपाल सिंह सत्ती ...जारी

इस तरह के अनेकों फ़ैसले पूरे देश में हुए जिनसे सरकारों को भी पैसा आया। केंद्र सरकार सजग है। लाइनों में जब गलत लोग खड़े होने शुरू हुए थे, दिन में 3-3 बार खड़े होने शुरू हो गए, तो सरकार ने लोगों की ऊंगली के ऊपर स्याही लगानी भी शुरू की। देश की सरकार जागरूक है इसलिए एक ऐसा कंट्रोल रूम बनाया गया है कि कभी भी कोई भी अगर इस योजना को फेल करने की कोशिश करेगा तो झट से उसके ऊपर निर्णय होता है। जनता को इसमें राहत देने की भी कोशिश की गई।

उपाध्यक्ष महोदय, इसमें एक बहुत अच्छी बात हुई। जहां पिछले 70 सालों में इस देश में मात्र साढ़े तीन करोड़ लोगों के बैंक खाते थे, जब मोदी जी ने किसी भी नागरिक को बिना पैसे के खाता खोलने का आह्वान किया तो बैंक के कर्मचारियों की मेहनत के कारण इस देश में मोदी जी के शासन के पहले 8 महीनों में 20 करोड़ के लगभग जन-धन खाते खुले। बैंक कर्मचारियों ने भी इसके लिए सुबह से रात तक कड़ी मेहनत की।

उपाध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत बड़ा निर्णय है। जब बड़ा ऑप्रेशन होता है तो जिसका ऑप्रेशन होता है, केवल उसी को कष्ट नहीं होता बल्कि उसके परिवार के लोगों को भी होता है। कोई हॉस्पिटल जा रहा है, कोई पर्ची लेने जा रहा है, कोई रात को मरीज के पास ठहर रहा है। इस तरह पूरे परिवार को छोटा-मोटा कष्ट होता है। लेकिन जब बाद में मरीज ठीक होकर घर आता है तो उससे सबको खुशी होती है। इसी तरह से जो काले धन वाले मरीज हैं इनको तो दर्द हो रहा है लेकिन पूरे देश को खुशी है। दिल्ली में केजरीवाल जी ने लाइन में लगने की कोशिश की लेकिन उनके ही मुर्दाबाद के नारे लगने लग पड़े।

उपाध्यक्ष महोदय, इस देश का दुर्भाग्य यह रहा कि इस देश के चीफ जस्टिस ने भड़काने के लिए कह दिया कि इससे देश में दंगे हो सकते हैं; यानी इस विमुद्रीकरण

22.12.2016/1410/SLS-AS-2

को रोकने के लिए किस तरह के प्रयास हुए। देश के सर्वोच्च पद पर बैठा व्यक्ति अगर ऐसा ब्यान दे तो ठीक नहीं है। उन्हें ध्यान होना चाहिए कि अगर इस मुद्दे पर कोशिश करके कोई गड़बड़ी करेगा, तो गद्दी पर कोई शांत व्यक्ति नहीं बैठा है। हम दंगों को रोकने की भी हैसियत रखते हैं। अगर कोई इस तरह भड़काने की कोशिश करेगा तो हमें आता है कि दंगों को कैसे रोकना है।

जनता को राहत पहुंचाने के लिए मोदी जी बार-बार टी.वी. पर आए; उन्होंने लोगों को बार-बार बताया। लेकिन जब मोदी जी ने कहा कि मैं न खाऊंगा न खाने दूंगा तो कुछ लोग असली बात भूल गए थे । उन्हें लगता था कि हमने काफी खा लिया; अगर ये 10-15 साल रहेंगे और नहीं भी खाने देंगे तो क्या होगा; हम इतना समय निकाल लेंगे। लेकिन उनको ब्रैक्टों में कहा याद नहीं रहा कि उन्होंने यह भी कहा था कि मैं न खाऊंगा न खाने दूंगा लेकिन 70 सालों में जो खाया है, उसको भी निकाल लूंगा। जो लोगों ने 70 सालों में ज़खीरा खड़ा किया है, उसको लेकर उनको दिक्कत हो रही है।

अनेकों लोग आज गरीबों का नाम लेकर रो रहे हैं कि गरीब बहुत परेशान है। लोग कैमरे लेकर गरीबों के पास गए। पूछने पर उन्होंने कहा कि जी दिक्कत तो है क्योंकि 2 घंटे या 4 घंटे खड़े हुए हो गए और हम वापिस जा रहे हैं क्योंकि हमें पैसे नहीं मिले। जब पूछा कि निर्णय कैसा है तो जवाब मिला कि निर्णय बहुत बढ़िया है। उसके बाद कैमरे वालों को भी लग रहा था कि वह मामला तो बन ही नहीं रहा है जो हम बनाना चाहते हैं। आज आप देख रहे हैं कि काले धन के इस निर्णय को लेकर पूरे देश में एक माहौल बना है। आज भी पूरे देश में रेड हो रही है और जगह-जगह काला धन मिल रहा है।

आदरणीय सुजान सिंह जी बोल रहे थे कि लोगों के बाथरूम और बैड रूम्ज नोटों से भरे मिल रहे हैं। लोगों के घरों में 5-5 क्विंटल सोना मिल रहा है। क्या पिछले 70 सालों में इस देश की उन एजैंसीज, जिनका काम काला धन रोकना है, क्या किसी ने उनके हाथ बांधे थे? क्या काला धन 4 दिन में ही पैदा हो गया? अगर आप सूचना देंगे कि किन्हीं लोगों पर छापे नहीं पड़े हैं तो आप हमें लिस्ट बताइए,

22.12.2016/1410/SLS-AS-3

शाम को कार्रवाई हो जाएगी। प्रधान मंत्री जी बहुत एक्टिव हैं। यह सोने वाले प्रधान मंत्री नहीं हैं जैसे कि पहले कई लोग सोए रहते थे। ये वैसे नहीं हैं। उन्होंने इसके लिए पूरा ऑफिस बनाया है। कहीं से भी रिपोर्ट आती है तो एकदम कार्रवाई होती है। उसमें बीजेपी या कांग्रेस का भी कोई मतलब नहीं है। आपने देखा होगा कि शिव सेना के लीडर्ज भी मुम्बई में पकड़े गए। अनेकों बीजेपी के साथी भी, जिनके बिजनस अनेकों लोगों के साथ सांझे थे, वह भी पकड़े गए। यह कहना कि बाकी लोगों के ऊपर रेड हो रही है, यह बिल्कुल गलत है। गरीबों के नाम पर हम लोग अपना दर्द बयां कर रहे हैं। यह एक ऐसी बीमारी है जैसे कि बबासीर होती है। बता नहीं सकते कि बीमारी क्या है। यह काला धन अब बबासीर के रूप में उन लोगों से निकल कर आ रहा है। दर्द तो हो रहा है पर डॉक्टर को नहीं बता सकते कि दर्द हो कहां रहा है। इस तरह की बातें सारे देश में चली हुई हैं।

जारी ...गर्ग जी के पास

22/12/2016/1415/**RG/AG**/1

श्री सतपाल सिंह सत्ती-----क्रमागत

लेकिन डॉक्टर को बता नहीं सकते कि दर्द कहां हो रहा है। इस तरह की बातें सारे देश में चली हुई है और इससे लोग खुश हैं और जनता इससे खुश है।

उपाध्यक्ष महोदय, कहा जा रहा है कि लोगों की शादियां रह गईं, ठीक है मैं मान सकता हूं कि जैसा मैंने कहा कि जब कोई बड़ा ऑपरेशन होता है, तो थोड़ी-बहुत उसमें दिक्कत

होती है। इससे लोगों को दिक्कत हुई होगी, लेकिन इस देश की संस्कृति इस तरह की है कि यदि आप शहर के बीच रास्ते में खड़े होकर किसी भी व्यक्ति को बता दो कि मेरी बहिन की शादी है, तो आपको कपड़े वाला, किराने वाला, बैण्ड वाला, हलवाई भी उधार दे देगा। आपको क्या लगता है कि यह इंगलैंड और अमरीका का देश है कि यहां किसी को कोई जानता ही नहीं है। इस भारत की संस्कृति ऐसी है कि रास्ते में कोई भी अन्जान व्यक्ति मिल जाए, यदि बेचारे के पास किराया नहीं है, तो आप कहते हैं कि यह सौ रुपये ले और चले जा। चाहे वह जेबकतरा ही क्यों न हो। आपको लगता है कि वह ईमानदार आदमी है, इसने ठीक कहा और आप उसको पैसे दे देते हैं। लेकिन आप तो ऐसा हो-हल्ला मचा रहे हैं कि लोगों की शादी रह गईं, लोगों की शादियां नहीं हो रही हैं। आप लोग मोदी जी को बताओ, आप लोगों की शादियां करवा देंगे। आपका नेता भी अभी तक कुंवारा है, उसकी भी शादी करवा देते हैं, राहुल गांधी जी की शादी यदि रुकी हुई है, तो करवा देंगे, उनकी शादी भी करवा देते हैं। हमें तो कोई ऐसा दिखा नहीं जिसकी शादी रुकी हो। लेकिन इन परिस्थितियों में भी हमारे मन में, खून में भ्रष्टाचार किस तरह से पैदा हुआ है? इतनी बड़ी कार्रवाई के बाद आज भी कुछ लोगों को, आप या हम जैसे लोगों को कई बार नोट नहीं मिल रहे हैं, लेकिन आज भी जो बेईमान लोग हैं, जिन्होंने रैकेट खड़े किए हैं और बैंक के अधिकारी भी पटाए हुए हैं उनके घरों में 70-70 करोड़ रुपया मिल रहा है। आप कल्पना करो कि इस देश में लोगों की रगों में किस तरह का भ्रष्टाचार का खून दौड़ रहा है। वे इतने बड़े ऑपरेशन के बाद भी सुधर नहीं रहे हैं। अनेक लोगों के घरों में पैसे मिले जिसके कारण आम लोगों को भी दिक्कत हुई है। जितना नोट बैंकों में आया है वह जनता के बीच नहीं गया, लोग मिलकर रात-रात में निकाल लेते हैं और वे कौन लोग हैं यह भी आप जानते हैं। जो लोग रोज बैंकों में पैसे जमा कराने जाते थे, बैंक मैंनेजर तो उसका भी वाकिफ़ होता है। अनेकों बैंकों के अधिकारियों ने भी अपने हाथ भ्रष्टाचार से रंग लिए हैं। लेकिन अधिकतर

22/12/2016/1415/**RG**/**AG**/2

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बहुत ईमानदारी से काम किया जिसके कारण ये सारी-की-सारी भ्रष्टाचार की घटनाएं पकड़ में आई हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, हमने एक और नजारा देखा कि अनेकों लोग थे जो बड़े गौरव के साथ और छाती चौड़ी करके और सिर उठाकर बोलते थे कि मेरी सात जन्मों की पीढ़ी अगर नहीं कमाएगी, तो भी मेरे बच्चे भूखे नहीं मरेंगे। हमने ऐसे बेईमान लोग भी हलवाई की दुकानों पर दूध की थैली उधार मांगते हुए देखे जो मोदी जी ने किया। उन्होंने कहा कि भाईसाहब पैसे खत्म हो गए, चार दिन के लिए दूध की थैली उधार दे दो। हमने वे लोग भी देखे जिन्होंने बैंकों का दरवाजा कभी नहीं देखा था, वे दो करोड़ रुपये की गाड़ी में आकर चार हजार रुपये के लिए लाईनों में खड़े होते हुए देखे गए। लाईन में खड़े हुए कि चल बच्चा जा पैसा मांग जरा 4000/-रुपये कैसे आता है, बता? यह बहुत कमाल जैसा लगता है। जो मोदी जी के करिश्मे ने किया है और उसी के कारण परेशानी हो रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, पंजाब के लिए केजरीवाल ने कितने नोट इकट्ठे किए थे, वह तो इसलिए पिट रहा है कि पूरा मण्डी-गोबिन्दगढ़ मैंने लूट लिया था, लेकिन अब एकदम ही सारे-का-सारा स्वाहा हो गया। एक ही रात में राख हो गया। उसको लगता था कि पैसे का जखीरा खड़ा करके मैं पंजाब पर कब्जा कर लूंगा। लेकिन वे सारी-की-सारी सूचनाएं थी जिसके कारण मोदी जी ने जो इस तरह का एक निर्णय लिया है और आप लोगों से भी उन्होंने मांग की है कि आप सब लोग इसमें साथ दो और लोगों ने साथ दिया भी है। मैं यह नहीं कहता --(घण्टी)--कि साथ नहीं दिया। लेकिन कई लोगों ने कोशिश भी की है कि किस तरह से हिमाचल प्रदेश या अन्य जगहों पर अफरा-तफरी मचाई जा सकती है। अभी भी उन लोगों को ध्यान में रखना चाहिए। कई बार मोदी जी की पूरी बातें लोग सुनते नहीं हैं। कई लोग कह रहे थे कि दो-चार दिन दे दो, उनको लगता था कि इससे दवाब पड़ेगा और यह निर्णय वापस हो जाएगा। लेकिन यह नरेन्द्र मोदी जी का निर्णय है और इसमें लाभ-हानि नहीं देखी जा रही है, देश का हित देखा जा रहा है। यह वापस लेने वाला निर्णय नहीं है। उसके बाद उन्होंने कहा है कि 30 दिसम्बर के बाद आप लोग देखेंगे कि क्या नजारा होता है?

उपाध्यक्ष महोदय, इस देश के राष्ट्रीय उच्च मार्गों पर पिछले दस सालों में जितनी जमीनें खरीदी गई हैं उनका सारा रिकॉर्ड लिया जा रहा है। उसी दिन जिस

22/12/2016/1415/**RG**/**AG**/3

दिन यह नोटबन्दी हुई थी आप लोग कल्पना करिए कि किस तरह का भ्रष्टाचार है। मुंबई में अढ़ाई टन सोना दो घण्टे में बिका। उन सुनारों की दुकानों की फुटेज भी प्रधानमंत्री कार्यालय में पहुंची हुई हैं। उसके बाद उन्हें पता चलेगा जब उनके घरों में छापे पड़ेंगे। अभी भी लोग सुधर नहीं रहे हैं। लोग मान नहीं रहे हैं। अखबारें और मीडिया बताता है कि दिल्ली की सड़कों पर रात के 12.00-1.00 बजे तक लाल बत्ती की गाड़ियां इधर-उधर जिन पुलों पर रात को लाल बत्ती की दो-तीन गाड़ियां जाती थीं, उन पुलों पर से रात को लगभग 235 गाड़ियों ने क्रॉस किया। वे सारे लोग कौन थे? सारे ब्लैक मनी वाले थे, वे पागल हो गए जो अटैची लेकर भागे। उन्हें लग रहा था कि गंगा यमुना में कहां जाएं या सुनार के पास जाएं या किसकी दुकान पर जाएं। इसलिए जो निर्णय हुआ है बहुत सराहनीय है और आज इस पर यहां चर्चा हो रही है। जो महेन्द्र सिंह जी का सुझाव है, मुझे लगता है कि श्रीमती आशा जी ने भी कहा है कि इस पर सुझाव दें। आज पूरे देश में जगह-जगह पर ब्लैक मनी वालों के ऊपर रेड हो रही है और यह जरूरी नहीं है कि

एम.एस. द्वारा जारी

22/12/2016/1420/**MS**/**AG**/1

श्री सतपाल सिह सत्ती जारी--------

इसकी रेड केन्द्र सरकार ने ही करनी है। हमारी अपनी भी विजीलैंस और पुलिस है। हम लोगों को भी पता होगा कि कहां-कहां, किन-किन लोगों ने क्या-क्या किया हुआ है। आप लोग जानते हैं कि आज हम माफिया से परेशान हैं। हम चिट्टा बेचने वालों से परेशान हैं। आज हम स्मैकियों से परेशान हैं। पहले तो लोग हमारी गाड़ियां उठाकर पंजाब ले जाते थे लेकिन आज मण्डी में एक आदमी के पास 20 गाड़ियां मिलती हैं। वे सब लोग माफिया के

लोग हैं। ऐसे लोगों के ऊपर शिकंजा कसने हेतु महेन्द्र सिंह जी का सुझाव है कि प्रदेश के मुख्य मंत्री जो स्वयं गृह मंत्री भी हैं वे किसी एजैंसी से आग्रह करें क्योंकि इस मुद्दे पर पहले उनका भी बहुत-बड़ा समर्थन मिला है। ऐसे लोग जो देश के साथ-साथ इस प्रदेश का माहौल बिगाड़ रहे हैं जोकि एक शांत प्रदेश है, पर कार्रवाई करें। इस काम में केन्द्र सरकार की एजैंसीज तो लगी हुई हैं लेकिन वे अभी बड़े-बड़े शहरों और राज्यों में माफियाओं का जो एक बहुत बड़ा जख़ीरा है उनको पकड़ने में लगे हुए हैं। हमारे प्रदेश में भी ऐसे बहुत से लोग होंगे जिनके घरों में इस तरह का पैसा पड़ा होगा। इस संकल्प के माध्यम से हम प्रदेश सरकार से यही मांग करते हैं कि आप स्वयं इस पर कार्रवाई करें और जो प्रदेश में माफियाओं का राज बढ़ रहा है इसको रोकें और श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णय का हम सब लोग समर्थन करें। धन्यवाद।

22/12/2016/1420/**MS**/**AG**/2

उपाध्यक्ष : अब चर्चा में श्री राजेश धर्माणी जी भाग लेंगे।

श्री राजेश धर्माणी (मुख्य संसदीय सचिव): उपाध्यक्ष महोदय, जो संकल्प नियम 101 के तहत वरिष्ठ सदस्य श्री महेन्द्र सिंह जी ने यहां लाया है इस पर तीन माननीय सदस्यों ने मुझसे पूर्व विचार रख दिए हैं। आशा कुमारी जी ने कहा कि ऐसी उम्मीद श्री महेन्द्र सिंह जी से उन्हें नहीं थी और मुझे भी नहीं थी क्योंकि आप बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं। --(व्यवधान)-- जो आपने गलत टैक्स्ट दे दिया और उस पर गलत भाषण दे दिया। --(व्यवधान)-- आप हमसे वरिष्ठ हैं और आपको हमारे से ज्यादा तुजुर्बा है तो उसका थोड़ा-बहुत असर बाकियों को भी हो जाएगा। यहां पर नोटबंदी को कड़ाई से कैसे लागू करना है उसके बारे में आपने कुछ नहीं बताया। --(व्यवधान)--आपने लगभग आधा घण्टा बोला। प्रदेश सरकार का उसमें क्या-क्या रोल हो सकता है, उस बारे में भी आपने कुछ नहीं बताया। जहां दूर-दराज़ के क्षेत्र थे वहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी के आदेश के मुताबिक हैलिकॉप्टर द्वारा नोट पहुंचाने का काम किया गया, वह ठीक था। बैंकों को जहां-जहां सुरक्षा की जरूरत थी वह भी प्रदान की गई। जो दूसरा इसका पहलू है कि नोटबंदी की वजह से भ्रष्टाचार और कालेधन को रोकने हेतु ठोस कदम उठाए जाएं, उस बारे में

थोड़ा-बहुत प्रकाश सत्ती जी ने डाला है। अगर नोटबंदी की वजह से भ्रष्टाचार खत्म होना होता या सारा कालाधन फिर उसके बाद जनरेट होना बंद हो जाता तो शायद अभी नई करंसी में जो नये नोट कई जगह करोड़ों में पकड़े गए हैं वे न पकड़े जाते। आम आदमी को लिमिट फिक्स की गई थी कि आप 24,000/-रुपये से ज्यादा हफ्ते में पैसे नहीं निकाल सकते। फिर कैसे उन लोगों के पास करोड़ों रुपये वहां पहुंचे? दूसरा, यहां पर यह भी तर्क दिया गया था कि इसकी वजह से फेक करंसी पर भी चैक लगेगा। ऐसा हमें भी लगता था और सबको लगता था। लेकिन आप सबने अखबारों में पढ़ा होगा कि उसके बाद भी 2000/-रुपये के जाली नोट आतंकवादियों के पास पकड़े गए और एक हफ्ते के अंदर पकड़े गए थे। हमारे प्रदेश में नैनादेवी में भी किसी ने दुकानदार को जाली नोट दिया जो पकड़ा भी गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्त्ताओं में एक अजीब सी स्थिति और मानसिकता पैदा हो गई है। उनको लगता है कि जो

22/12/2016/1420/**MS**/**AG**/3

कोई भी उनके निर्णय का विरोध करता है वह या तो देशद्रोही है या भ्रष्टाचारी है। इस देश के अंदर कांग्रेस पार्टी की आजादी के बाद दूसरी सबसे बड़ी देन यह है कि यहां पर प्रजातंत्र स्थापित किया गया है और किसी भी प्रजातांत्रिक व्यवस्था में सबको अपने-अपने तरीके से विचार रखने का अधिकार है। किसी के साथ विचारों में भिन्नता रखने का भी अधिकार है। आपका वैचारिक विरोधी जरूरी नहीं है कि वह भ्रष्टाचारी है। आपका वैचारिक विरोधी देशद्रोही नहीं है। आपको इस मानसिकता को थोड़ा सा बदलने की जरूरत है। हम यह नहीं कहते कि आप देशभक्त नहीं हैं।

जारी श्री जे0एस0 द्वारा-----

22.12.2016/1425/**जेके**/**एएस**/1

श्री राजेश धर्माणी (मुख्य संसदीय सचिव):------जारी------

हम यह नहीं कहते कि सारे के सारे भाजपाई बेईमान है या सारे के सारे भाजपाई ईमानदार है। इसी सोसायटी से सब निकले हैं। जैसे हमारे बीच में होंगे वैसे ही आपके बीच में भी होंगे। अगर आपके बीच में ईमानदार हैं तो हमारे बीच में भी ईमानदारों की कमी नहीं है और देश भक्तों की कोई कमी नहीं है। पिछले कल श्री संजय रतन जी और अन्य तीन साथियों ने यहां पर नियम-130 के अन्तर्गत एक प्रस्ताव लाया था और उसी की ऐप्रिहैंशन में आपने कल वह हंगामा खड़ा किया। पहले तो आपको उसके लिए माफी मांगनी चाहिए। आप लोगों ने ऐसा प्रिज्यूम कर लिया कि अगर हमारा रेजोल्यूशन डिस्कस हो जाएगा तो हमारा मैटर डिस्कस नहीं होगा। आपकी जो प्रिज़म्पशन थी वह गलत साबित हुई है। आप बेवज़ह दूसरे आदमी पर शक करते हैं और उसकी वजह से आपने कल यहां पर बहुत बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। बाकी जहां तक भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कोई भी कदम उठाने की बात है, कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने शुरू में इसका विरोध किसी ने नहीं किया और न ही आज करते हैं लेकिन नोटबन्दी की वज़ह से यदि सारे का सारा भ्रष्टाचार खत्म हो जाए इस मानसिकता का हम विरोध करते हैं, क्योंकि ऐसा सम्भव नहीं है। नोटबन्दी की वज़ह से जो असुविधा हो रही है उसका जरूर हम विरोध करते हैं और हमारे जो साथी विधायक हैं उन्होंने वही प्रस्ताव कल विधान सभा में लाया, जिसके ऊपर चर्चा की गई। आप लोगों की अनुपस्थिति में उस पर चर्चा की गई। यहां पर यह तर्क दिया जाता है कि काले धन को रोका जाए। मेरे चुनाव क्षेत्र घुमारवीं में एक आदमी पल्लेदारी का काम करता है। जब इस नोटबन्दी का निर्णय लिया गया, विमुद्रीकरण का निर्णय लिया गया तो उसने लगभग पौने 10 लाख रूपए बैंक में जमा करवाए। उसको आदत थी कि वह बैंक में पैसे जमा नहीं करवाता था। अब वह बुजुर्ग हो गया है। अकेले ही घर पर है। जो पैसा उसके पास आता था वह अपने घर पर ही जमा करता रहता था। उसको हम काला धन नहीं बोल सकते हैं। वह अनअकाऊंटिड पैसा जरूर है। ऐसा पैसा हमारी बहुत सारी बहनों के घरों में मिला, लॉकर्ज़ में मिला, क्योंकि औरतों में एक टैंडैंसी होती है कि बुरे वक्त के लिए थोड़ा-बहुत पैसा रखा

22.12.2016/1425/**जेके**/**एएस**/2

जाए, वह काला धन नहीं है। काला धन और अनअकाऊंटिड धन में अन्तर है। इसको आप जरूर समझने का प्रयास करें। इसी वज़ह से अगर आप दूसरों को भ्रष्टाचारी कहेंगे तो यह बात ठीक नहीं है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगना चाहिए । सतपाल सिंह सत्ती जी ने यहां पर अपने विचार प्रकट किए उनके साथ मैं भी सहमत हूं। भ्रष्टाचार की बहुत गहरी व लम्बी जड़ें हैं। भ्रष्टाचारियों की भी कोई कमी नहीं है। यह पार्टी की बात नहीं है कि इस पार्टी में है या उस पार्टी में है। समाज ने ऐसा विकृत रूप धारण कर लिया है और हरेक प्रोफैशन के अन्दर भ्रष्टाचारी है। कोई भी कार्य क्षेत्र है, चाहे सरकारी है या गैर सरकारी है सब जगह भ्रष्टाचारी है। इसके साथ लड़ने की कोशिश होनी चाहिए। हमें इस बात की खुशी है कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून बनाया गया। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सूचना का अधिकार लाया गया। इस देश में लोकपाल के लिए कानून बनाया गया। यह सारे के सारे कानून कांग्रेस पार्टी द्वारा बनाए गए, कांग्रेस पार्टी की सरकारों द्वारा बनाए गए। जो एक्सपर्ट्स हैं, जिन्होंने अलग-अलग संस्थाओं द्वारा सर्वे किए उसके मुताबिक जो भ्रष्टाचार है या जो भ्रष्टाचारी है और भ्रष्टाचार केवल पैसे के माध्यम से ही नहीं होता है, यह कई तरीकों से होता है। जो बड़ा भ्रष्टाचारी होता है वह कैश अपने घर पर नहीं रखेगा, क्योंकि उसको डर होता है कि कभी भी रेड हो सकती है। यह तो वही रखेगा जिसके पास और कोई चारा नहीं है। 95 प्रतिशत पैसा जो भ्रष्टाचार का है या तो उसके माध्यम से ज़मीन खरीदी जाती है, सोना खरीदा जाता है या उसको कहीं दूसरे के नाम से इन्वैस्ट किया जाता है, किसी इंडस्ट्री में या बिजनैस के काम में या जैसे कि हमारे देश में बड़ी चर्चा होती है वह स्विस बैंक में जमा होता है या किसी ओवरसीज़ बैंकों में जमा होता है जिसका भारतीय जनता पार्टी ने चुनावों से पहले बहुत बड़ा प्रचार किया था कि इतना पैसा आएगा कि हर खाते में 15-15 लाख रूपया डाला जाएगा। वह पैसा तो डाला नहीं और लोग उसके बारे में पूछ रहे हैं। आधे से ज्यादा का कार्यकाल तो भारतीय जनता पार्टी का दिल्ली में हो गया है, उससे बचने के लिए बीच में ऐसा प्रपंच रचा गया। आज की तारीख में ऐसा लग रहा है। शुरू में हमें भी लगता था कि इसकी वजह से काफी फायदा होगा। लेकिन आज की तारीख में इसका नुकसान क्या हो रहा है? नुकसान सिर्फ भ्रष्टाचारियों का हो उससे हम सब खुश होंगे। मुझे नहीं लगता कि कोई ईमानदार व्यक्ति इससे दुखी होगा।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी--------

22.12.2016/1430/**SS**/**AS**/1

श्री राजेश धर्माणी, मुख्य संसदीय सचिव______ क्रमागत:

सत्ती जी जैसे कह रहे थे कि लाइन में जब लाला खड़ा होता है या बड़ा कोई अफसर खड़ा होता है तो वह बहुत बड़ी देन है। सत्ती साहब, यह देन नहीं है। मान लो, आपने एक लाख रुपया निकालना है जोकि आपके खाते में है तो मुझे नहीं लगता कि आप भ्रष्टाचारी हैं। आप अगर बैंक में लाइन में खड़े हो जायेंगे तो लोग आपको भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में डाल देंगे। चार हजार या 24 हजार रुपया निकालने के लिए कोई आदमी अगर बैंक की लाइन में खड़ा होता है तो वह उसके लिए कोई बड़ी महानता नहीं है, वह सरकार की कोई बड़ी देन नहीं है, वह कोई बहुत बड़ा कदम नहीं है। इस दुनिया में बाकी देशों में भी कई बार विमुद्रीकरण के फैसले लिये गये हैं। कल माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने उत्तर में यहां दिया है और हमने भी पहले पढ़ा था कि बहुत सारे ऐसे देश हैं जहां पर विमुद्रीकरण का रास्ता अपनाया गया लेकिन उसकी वजह से उनकी अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान हुआ। जिसकी वजह से यह निर्णय बाकी सरकारें नहीं ले पाई हैं। तो यह कहना कि इसकी वजह से सारी-की-सारी बीमारियां खत्म हो जायेंगी, ऐसा नहीं है। क्योंकि जब इलैक्शन होने थे तो इलैक्शन के समय में भी ऐसा कहा गया कि मोदी जी को लाओ और सारी-की-सारी बीमारियां अपने आप खत्म हो जायेंगी। सर्जिकल स्ट्राईक का बड़ा भारी प्रचार किया। कर्नल साहब भी यहां पर हैं ये उस दिन से दुखी हैं जब से आपने सर्जिकल स्ट्राईक का राजनीतिकरण करना शुरू कर दिया। फौज का राजनीतिकरण करना शुरू कर दिया क्योंकि उसके बाद अगर आप देखें तो 2008 से लेकर अब तक सबसे ज्यादा अगर फौजी शहीद हुए हैं तो अब हुए हैं। जितना आप ज्यादा हल्ला करते हो उतना ज्यादा नुकसान है। यह बड़ी चिन्ता का विषय है। हमारी सेना को प्रधान मंत्री जी ने आदेश दिये हैं वह भी अच्छी बात है लेकिन सेना को हर चीज़ के लिए आदेश देने की ज़रूरत नहीं है। सेना को पहले आदेश होते हैं। कांग्रेस सरकार के समय में भी सर्जिकल स्ट्राईक्स हुई हैं लेकिन

हमारी सेना ने आतंकवादी मारे। आतंकवादी किसको मार रहे हैं? हमारे सैनिकों को मार रहे हैं और ऐसी जगह पर घुस कर मार रहे हैं जोकि हाई सिक्योरिटी जोन हैं। यह बड़ी चिन्ता का विषय है चाहे हमारा

22.12.2016/1430/**SS**/**AS**/2

एयरफोर्स का बेस कैम्प पठानकोट में हो, चाहे उड़ी में हो या चाहे अन्य हमारे कैंट एरियाज़ हैं उनमें घुस कर मार रहे हैं यह बहुत बड़ी चिन्ता का विषय है। इसके बारे में मोदी सरकार को गम्भीरता से सोचना चाहिए और हर चीज़ का राजनीतिक तरीके से भाषण देना बंद करना चाहिए। यह प्रधान मंत्री जी को शोभा नहीं देता। जब वह विपक्ष के नेता थे, तब ठीक था, तब उन्होंने सत्ता में आना था, तब तक चलता था। लेकिन प्रधान मंत्री जी विपक्ष के नेता की तरह भाषण देता रहे तो उसका नुकसान आज हमारी फौज को रहा है, आज हमारे ईमानदार लोगों को हो रहा है जिसकी वजह से उनके ऊपर अटैक भ्रष्टाचारियों का लग रहा है। इसके बारे में ज़रूर थोड़ा बहुत रैस्ट्रेन बरतना चाहिए। जहां तक नुकसान की बात है आपने अखबारों में पढ़ा होगा। लुधियाना हमारे बिल्कुल साथ में है। लुधियाना की फोटो के साथ खबरें लगीं कि वहां की जो साईकिल इंडस्ट्री है वहां पर प्रोडक्शन आधी रह गई है। जितनी वहां पर पहले मैनुफैक्चरिंग हो रही थी वह उसके आधे पर पहुंच गई है। यहां पर कल राम कुमार जी ने कहा कि जो हमारा बद्दी, बरोटीवाला और नालागढ़ का एरिया है वहां पर बहुत सारे ऐसे श्रमिक हैं जो आज बेरोजगार हो गये हैं क्योंकि इंडस्ट्री में डिमांड कम होने के साथ-साथ प्रोडक्शन कम हो गई है। टैक्सटाईल इंडस्ट्रीज़ कई जगह बंद हो गई हैं। ऐसी खबरें हमने अखबारों और टेलीविजन के माध्यम से देखी हैं। अगर इंडस्ट्री में मैनुफैक्चरिंग कम होती है तो स्वाभाविक है कि हमारी टैक्स की कॉलैक्शन कम होगी। हमारी एक्साइज डयूटी कम होगी। हमारा वैट कम हो रहा है। जब हमारा ऑवरऑल टर्नऑवर कम होगा तो टर्नऑवर बेसिज़ पर जो टैक्स लगते हैं या नैट प्रॉफिट आता है वह कम होता है। इसके साथ जो हमारी सर्विस इंडस्ट्री है, टूरिज्म है, ट्रांसपोर्ट है उसके ऊपर जो सर्विस टैक्स लगता है उसकी कॉलैक्शन कम हो रही है

क्योंकि नुकसान ज्यादा हो रहा है। आज की डेट में हो सकता है या ऐसा होगा कि हमारा जो ब्लैक मनी जमा होगा या अनएकाउंटिड मनी जमा होगा उसके ऊपर जो इन्कम टैक्स लगेगा, पैनल्टी लगेगी, अगर हम उससे एक रुपया कमायेंगे या एक लाख करोड़ रुपया कमायेंगे तो हम बाकी टैक्सिज़ में चार-पांच गुणा नुकसान करेंगे। इसमें आज फायदे

22.12.2016/1430/**SS/AS**/3

की बजाय ज्यादा नुकसान दिख रहा है। जिसके लिये सरकार को गम्भीर प्रयास करने की ज़रूरत है। आज केन्द्र सरकार ने 20 और 50 रुपये के नये नोट निकालने का निर्णय लिया है। 20 और 50 का पुराना नोट भी चल रहा है। ऐसा भी अगर कर देते तब भी मुझे नहीं लगता कि उससे ज्यादा नुकसान होता। परन्तु ऐसा पहले कई बार हुआ है कि कुछ टाइम तक पुराना नोट भी चलता रहा और नया नोट भी उसको रिप्लेस करता रहा तथा पुराना नोट फिर धीरे-धीरे फेज़ आउट हो जाता है। हमारे यहां पर जो माहौल क्रियेट किया गया कि इसकी वजह से भ्रष्टाचार खत्म हो जायेगा मैं समझता हूं कि यह लोगों का ध्यान बांटने के लिए या एक राजनीतिक फायदा उठाने की इस निर्णय के माध्यम से कोशिश हुई है

जारी श्रीमती के0एस0

22.12.2016/1435/**केएस/एजी**/1

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राजेश धर्माणी) जारी---

और मुझे वह कामयाब होती नहीं दिख रही है। दूसरा, जो इसका विरोध हो रहा है क्योंकि इसकी वजह से मौतें हो रही है, लोगों को दिक्कत हो रही है। मेरे घुमारवीं में एक डॉक्टर

का ऐक्सिडैंट हो गया और चार दिन बाद उसका ऑप्रेशन हुआ क्योंकि उनके परिवार के पास इतना पैसा उस वक्त कैश के रूप में नहीं था।

उपाध्यक्ष महोदय, कैशलैस की बात की जा रही है। कैशलैस बुरी बात नहीं है लेकिन आप लोग तो इसके विरोधी थे। राजीव गांधी जी ने जब इस देश में कंप्यूटरीकरण की बात की, जब इस देश में आई.टी. रेवोल्यूशन की शुरूआत की गई थी तो विरोध कौन करता था? भारतीय जनता पार्टी के लोग करते थे। पहली मई, 1985 को, आप रिकॉर्ड देख लो, भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर मज़दूर संगठन भारतीय मज़दूर संघ ने भारत बन्द रखा था। पूरे हिन्दुस्तान में भारतीय जनता पार्टी ने बन्द रखा था कि कंप्यूटरीकरण की वजह से देश में बेरोगज़गारी फैल जाएगी। आज उसी कंम्पयूटराइजेशन की वजह से, उसी आई.टी. रेवोल्यूशन की वजह से, जिसकी शुरूआत राजीव गांधी जी ने की थी, इस देश में इंटरनैट की सुविधा प्रदान की गई । ऑन लाईन बैंकिंग की सुविधा कब प्रदान की गई यह यू.पी.ए. गवर्नमैंट के समय में हुआ। आज जगह-जगह ए.टी.एम. लगे हैं, आप बताएं कि आपकी सरकार के आने के बाद कितने ए.टी.एम. लगे। ये सभी तो आपकी सरकार के आने से पहले के लगे हुए हैं। आप तो उसका खांचा भी नहीं बना पाए। सारे ए.टी.एम. हमारी कांग्रस सरकार द्वारा लगाए गए थे। आज उसकी आड़ में ही आपको थोड़ी-बहुत प्रोटैक्शन मिल रही है। अगर ए.टी.एम. नहीं होते तो जो माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सस्पैक्ट किया था, वह कोर्ट की बात सच्ची साबित हो जाती, वाकई में दंगे हो जाते। आपने सिर्फ अपनी गलती को सुधारने के लिए यह सब कुछ किया है। आप लोग तो आधार कार्ड का भी विरोध करते थे।

22.12.2016/1435/**केएस/एजी**/2

उपाध्यक्ष महोदय, आजकल लोगों में यह भी चर्चा है और हम आपके माध्यम से भारत सरकार तक भी यह बात पहुंचाना चाहते हैं। इस देश में लोगों को मुफ्त में जियो सिम बांटी गई। उसकी डेट भी वही 31 दिसम्बर थी जब तक वह फ्री रहना था, जब तक आपका नोट बदलने का काम था । अब वह डेट बढ़ा दी है। अब आप मुझे बताएं कि क्या इस दुनिया में

कोई ऐसा व्यवसाय है जो मुफ्त में ही सुविधा देता है? कोई नहीं देता, पैसे ले कर सुविधा देता है लेकिन वह काला धन था। नोटबंदी के निर्णय की उनको पहले ही जानकारी दी गई थी और इसलिए उन्होंने इस काले धन को फ्री में दिया और बाद में जब इसकी लिमिट कम्पलीट हो जाएगी उसके बाद आपका सफेद धन उनके खाते में जाएगा।

उपाध्यक्ष: माननीय सदस्य कृपया वाइंड अप करिए।

श्री राजेश धर्माणी (मुख्य संसदीय सचिव): उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर जो साढ़े चौदह लाख करोड़ रुपया बैंकों में जमा हुआ, जब आप पुरानी करंसी को लेना बंद कर देंगें तो लोग उसको रीप्लेस करने के लिए बैंकों में तो जमा करवाएंगें ही लेकिन वह फिक्स डिपॉज़िट नहीं है। उसको विद्ड्रा करने के लिए जब लोग डिमांड कर रहे हैं, उसी पैसे को जो उन्होंने जमा करवाया, आप उसमें लिमिट लगा रहे हैं कि आप चार हजार से ज्यादा नहीं ले सकते, 24 हजार से ज्यादा एक हफ्ते में नहीं ले सकते इसीलिए यह फीगर है और इस पैसे को कहां लगाएंगें आप? विजय माल्या को किसने भगाया? आप लोगों ने भगाया। उसको दो घंटे इंटरनेशनल ऐयरपोर्ट में बिठाया गया, अधिकारियों द्वारा रोका गया लेकिन उसके बाद किसने परमिशन दी कि वह देश छोड़कर चला जाए। वह आपकी सरकार ने दी है। एक तरफ से आप लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि हम भ्रष्टाचार के विरोध में कदम उठा रहे हैं और दूसरी तरफ जो बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी हैं, जिन्होंने यहां पर बैंकों का पैसा खाया है उनका आप साथ दे रहे हैं। तो यह जो दोहरा चरित्र है, यह बहुत जल्दी एक्सपोज़ हो जाएगा। महेन्द्र सिंह जी ने एक बात और कही।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी--

22.12.2016/1440/AV/AG/1

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राजेश धर्माणी)----------- जारी

कि हिमाचल प्रदेश में भी कैश मिला था। कैश तो बंगारु लक्ष्मण जी ने भी लिया था। कैश तो जुदेव जी ने भी लिया था जो आपके मंत्री और अध्यक्ष रहे हैं। इस तरह से और भी कई नेता हैं जिनका मैं नाम नहीं लेना चाहता। मगर यहां पर इस बात की चर्चा करना जरूरी है कि पूरे हिन्दुस्तान के अंदर कितने ऐसे कार्य दिवस हैं जिनका लॉस हुआ। कितने ऐसे घंटे हैं जिनमें लाखों/करोड़ों लोग लाइनों में खड़े रहें और लोगों का यह नुकसान एक निर्णय को सही तरीके से लागू न करने की वजह से हुआ है। उसके लिए आपको देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए यदि आपकी सरकार, आपके प्रधान मंत्री और आप इतने सीरियस या गम्भीर है तो मैं यह कहना चाहूंगा कि आज सुबह जब हम उठे तो अखबारों में पढ़ा, सोशल मीडिया और टी0वी0 पर देखा। हमने देखा कि प्रधान मंत्री मोदी जी जब मुख्य मंत्री थे तो उनकी सहारा ग्रुप की ओर से 40 करोड़ रुपये की एंट्री पाई गई, बिरला ग्रुप की ओर से उनके नाम की 25 करोड़ रुपये की एंट्री पाई गई। इसकी जांच होनी चाहिए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। महेन्द्र सिंह जी, आपने जो प्रस्ताव लाया है इसको आप वापिस लें।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने हमें समय दिया, धन्यवाद।

22.12.2016/1440/**AV**/**AG**/2

उपाध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री इन्द्र सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे। (----व्यवधान---)। am not allowing you (Shri Rikhi Ram Kaundal). Please sit down. I am not allowing you. This is not to be recorded. (----व्यवधान---) Please sit down (Shri Mahender Singh).

उपाध्यक्ष : माननीय धूमल जी, आप क्या बोलना चाहते हैं?

प्रो0 प्रेम कुमार धूमल : उपाध्यक्ष महोदय, श्री राजेश धर्माणी जी ने कई बातें अच्छी भी बोली। लेकिन इन्होंने कहा कि 101 और 130 में आप सदन से माफी मांगें कि आपने चर्चा के लिए आग्रह क्यों किया। आप शायद उस समय सदन में नहीं होंगे क्योंकि वैसे तो आप बड़े सचेत विधायक है। माननीय अध्यक्ष महोदय ने पीठ से कहा था कि अगर एक टॉपिक पर

एक बार चर्चा हो जायेगी तो अगला निरस्त हो जायेगा। यह जो आज किया जा रहा है यह इसलिए किया जा रहा है क्योंकि हमने इसके लिए प्रोटैस्ट किया था कि हमारा अलग से रेजोल्यूशन है और हमारा पहला रेजोल्यूशन 15 दिसम्बर को बैलेट हो चुका था। दूसरे, आपने प्रधान मंत्री जी के बारे में जो टिप्पणी की है तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट में जा चुका है। प्रशांत भूषण जो कि एक एडवोकेट हैं उन्होंने किया था। उनको इसी मामले में फटकार पड़ी और यह मामला कोर्ट से रिजैक्ट हो चुका है। मुझे लगता है कि सी0पी0एस0 को यह मामला उठाने की जरुरत नहीं थी। अब जब हमारे सदस्य बोलेंगे तो नेशनल हैराल्ड का केस लायेंगे, अगस्ता वैस्टलैंड हैलीकॉप्टर का केस लायेंगे; तब आप आपत्ति करेंगे। इसीलिए आप इसको ऐक्सपंज कीजिए नहीं तो हम इन सारे केसिज को रिकॉर्ड में लायेंगे।

उपाध्यक्ष : अभी जो माननीय धूमल जी ने बात कही है इसमें जो पासिंग रिमार्क्स आ रहा है उसके लिए मैं समझता हूं कि कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। आपने तारीफ की और इन्होंने क्रीटिसाइज किया। चर्चा में सामान्य तौर पर ऐसा तो होता ही है। How can you stop a Member from expressing his views?(---व्यवधान---) मैं इसको ऐक्सपंज तो नहीं करूंगा।

अगले वक्ता श्री वर्मा द्वारा जारी

22.12.2016/1445/TCV/AG/1

श्री इन्द्र सिंह: माननीय उपाध्यक्ष महोदय, नियम-101 के तहत जो संकल्प इस माननीय सदन में लाये हैं, मैं, उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, जब देश में कालाधन एक पैर्लल इकॉनोमी बन जाये और फेक करंसी की मात्रा इतनी बढ़ जाये कि वह देश की रियल इकॉनोमी को इफैक्ट करें, तो विमुद्रीकरण होना उस राष्ट्र के हित में होता है। ऐसी कुछ स्थिति हमारे देश में पैदा हो गई थी। देश में कालाधन एक पैरलल इकॉनोमी के रूप में काम कर रहा था और जो फ़ेक करंसी थी, वह बेसिकली पाकिस्तान से विभिन्न मार्गों से देश में आती थी।

यह फ़ेक करंसी पाकिस्तान, नेपाल, वर्मा, बंग्लादेश से मालदा के रास्ते, श्रीलंका से आ रही थी और देश में इसकी मात्रा भी बहुत ज्यादा हो गई थी। जब ये सब कुछ हमारी अर्थ-व्यवस्था को बुरी तरह से बिगाड़ रहा था, तो इसको रोकने का यदि कोई उपाय था तो वह विमुद्रीकरण था। आतंकवादियों और नक्सलवादियों को कालेधन या फ़ेक करंसी से जो फंडिंग होती थी, उसको रोकने एक मात्र विकल्प यदि किसी सरकार के पास था, तो मैं समझता हूं, वह कालाधन था। ऐसा नहीं है कि वह नोटबंदी था। ऐसा नहीं है कि यह देश में पहली बार हुआ है। जैसा हमारे माननीय सदस्य श्री महेन्द्र सिंह जी ने कहा कि 1971-72 में भी ऐसी स्थिति आई थी और तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी को सलाह दी गई थी कि आप कालाधन रोकने के लिए करंसी का विमुद्रीकरण करवाईये। उस समय उन्होंने जवाब दिया था कि यह नहीं हो सकता है, क्योंकि हमें इलैक्शन भी लड़ने होते हैं। किसी ने इसको बोल्ड स्टैप में नहीं लिया, अगर इसमें किसी ने दम के साथ ऐतिहासिक स्टैप लिया है तो माननीय मोदी जी ने लिया है। और यह समय की मांग थी कि कालाधन और फ़ेक करंसी को रोकने के लिए यदि कोई उपाय है, तो जल्दी-से-जल्दी कर लेना चाहिए। अन्यथा इस देश की अर्थ-व्यवस्था बुरी तरह से गड़बढ़ा जाएगी। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सन् 2004 में जो 500 और 1000 के बड़े नोट है, कुल करंसी में इसकी हिस्सेदारी 34 प्रतिशत थी। यानि बहुत कम मात्रा में ये सरकुलेशन में थे, लेकिन अगले 5-6 सालों में सन् 2010

22.12.2016/1445/TCV/AG/2

तक इनकी हिस्सेदारी तकरीबन 79 परसेंट हो गई। यानि 8-10 सालों में जो यू0पी0ए0 सरकार का कार्यकाल रहा है, उसमें 500 और 1000 के नोट बड़ी मात्रा में सरकुलेट हुए, जिसकी वज़ह से लोगों को इस तरह का पैसा इक्ट्ठा करने में बड़ी आसानी हुई, ऐसा महसूस किया गया। रिजर्व बैंक के अनुसार 1000 के 2/3 नोट और 500 का 1/3 नोट जारी होने के बाद कभी बैंकिंग सिस्टम में आये ही नहीं और यह लगभग 6 लाख करोड़ रूपये

बनता था। ये कहां गया? ये इस पीरियड में सारे-का-सारा सोने में इन्वैस्टमैंट हो गया। इससे बेनामी ज़मीने खरीदी गई और इस पीरियड में सोने का भाव कहां-से-कहां पहुंच गया। अगर ये गलती हुई है तो ये आपकी सरकार(यू0पी0ए0) के समय में ये गलती हुई है क्योंकि वहां पर नोटों का हिसाब-किताब ठीक ढंग से नहीं रखा गया और माननीय प्रधान मंत्री मोदी जी को यह नोटबंदी करनी पड़ी। अगर आज नोटबंदी करनी पड़ी, तो इसका कारण आपकी सरकार है, यू0पी0ए0 सरकार है। जिसने कालेधन की रोकथाम ठीक ढंग से नहीं की। मैं ऐसा समझता हूं।

श्रीमती एन0एस0 --- **द्वारा जारी।**

22/12/2016/1450/**NS**/**AG**/1

श्री इन्द्र सिंह ------ जारी।

इसके बाद नक्सलवादियों के पास तकरीबन 12,000 करोड़ रूपये की राशि थी जोकि उनको काले धन के माध्यम से फंडिंग होती थी वह बेकार हो गई। विदेशों से हर वर्ष तकरीबन विदेशी करंसी/फेक करंसी में 70 करोड़ रूपये की राशि हमारे देश में आती था। उपाध्यक्ष महोदय, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि 12 लाख करोड़ रूपये की राशि आई0एस0आई0 पाकिस्तान के पास इंडिया में भेजने के लिए पड़ी हुई थी। यह सारी की सारी इनपुट हमारी सरकार के पास आई तब माननीय प्रधानमंत्री जी के पास इस सिस्टम को चैक करने के लिए कोई ओर तरीका नहीं था। इस सिस्टम को रेग्यूलेट करने के लिए उनके पास कोई ओर तरीका नहीं था। तब उन्होंने नोटबंदी की।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि यह नोटबंदी बिल्कुल सही समय पर हुई है। इससे बहुत फायदे हुए हैं। इससे फेक करंसी पर रोक लगेगी और नकली करंसी मार्किट में नहीं आएगी। जो पांच सौ और दो हज़ार रूपये के नोट छप रहे हैं, उसका पेपर ज़र्मनी से आया हुआ है तथा जर्मनी के साथ भारत सरकार का कॉन्ट्रैक्ट हुआ है कि किसी दूसरे

देश/दूसरी एजेंसी को यह पेपर नहीं दिया जाएगा और न ही बेचा जाएगा। इस पेपर का परचेज़र सिर्फ इंडिया होगा। इससे फर्ज़ी नोट जो बनते हैं उनको पहचानने में आसानी होगी। इसके विपरीत जो पहले के पुराने पांच सौ और एक हज़ार रूपये के नोट थे उनका पेपर पाकिस्तान में इज़िली अवैलेबल था जिसके माध्यम से फेक करंसी बनाने में बड़ी आसानी होती थी। मैं समझता हूं कि केन्द्र की सरकार ने यह एक अच्छा कदम उठाया है। इससे भ्रष्टाचार में नकेल लगी है। जो काला धन अभी तक नहीं निकला है वह बेकार हो गया है। विदेशों में भी काला धन स्विस बैंक में जमा है और वहां पर जो लॉकर में धन पड़ा हुआ है, नोटबंदी के कारण वह भी बेकार/रद्दी हो गया है। जो पैसा/करंसी रिज़र्व बैंक ने float किया था और जितना इक्ट्ठा हुआ और जो बीच में

22/12/2016/1450/**NS/AG**/2

गैप रह गया है तो उतने नोट रिज़र्व बैंक अलग से छाप सकता है। हम इस बात को भी मानते हैं कि आम आदमी की कमर टूट गई है।

उपाध्यक्ष महोदय, कश्मीर में किसी को पांच सौ रूपये का नोट दे करके जो पत्थरबाज़ी होती थी जब नोटबंदी हुई तो पत्थर मारने भी बंद हो गए। इसके साथ ही जहां तक श्रीमती आशा कुमारी जी ने कहा कि खांचा नहीं बना। खांचा बनाने के लिए फीज़िकली आपको एटीएम के पास जाना पड़ेगा और अगर वहां पर चले जाते तो सीक्रेसी लूज़ हो जाती तथा वहां पर जो सोफ्टवेयर है उसको भी चेंज करना पड़ेगा। आपने यह ऐलिगेशन लगाया कि नोटबंदी प्रोपर तैयारी के साथ नहीं हुई है। प्रोपर तैयारी का मतलब है कि सीक्रेसी लूज़ करना। अगर लोगों को एक दिन भी मिल जाता तो सोने के भाव चार लाख रूपये 10 ग्राम हो जाते। It is a commendable job on the part of the Prime Minister. दस महीने तक यह सीक्रेसी रही। इतनी बड़ी बात को इतने बड़े देश में 10 महीने तक छुपा

के रखना मैं कहता हूं कि It is a commendable job. इसमें कोई दो राय नहीं है। हम इस बात को भी मानते हैं कि लोगों को तकलीफ़ हो रही है लेकिन बड़े काम के लिए छोटी तकलीफ़ सहना कोई बड़ी बात नहीं है। मैं यह दावे के साथ कहता हूं कि हमारे देश के 80 प्रतिशत लोग इस नोटबंदी की फेवर में हैं। यह थोड़े समय की परेशानी है। क्या आप लाईन में खड़े नहीं होते हैं? जब आपने सिनेमा या रेल का टिकट लेना हो तो आप लाईन में खड़े होते हैं तो यहां लाईन में खड़े होने में क्या तकलीफ़ है? मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि इसको क्यों ईश्यू बनाया जा रहा है? जब व्यवस्था बदलती है तो थोड़ी तकलीफ़ तो होती है। इस बात में कोई शक नहीं है कि जब आप गाड़ी में बैठेंगे और गियर बदलेंगे तब थोड़ा ज़र्क लगता है चाहे आप कितनी भी सावधानी से गियर बदलें लेकिन यह ज़र्क आपको ज्यादा नहीं लग रहा है। Everything will be alright.

श्री आर0के0एस0 द्वारा -----जारी।

22.12.2016/1455/RKS/AS-1

श्री इन्द्र सिंह...जारी

आप महीने के अंत तक वेट करिए। माननीय पूर्व प्रधान मंत्री जी ने बड़ी अच्छी स्टेटमैंट दी है। वह बोलते तो नहीं है परन्तु बोलने का मौका मिला तो बोले और उन्होंने कहा it is monumental disaster. बड़ी अजीब बात है मौन्यूमैंटल डिजास्टर। आप वर्ष 1975 से लेकर वर्ष 2014 तक अर्थव्यवस्था के साथ जुड़े रहे। आप वित्त सचिव, प्लानिंग कमीशन के डिप्टी चेयरमैन , फाइनैंस मिनिस्टर और प्रधान मंत्री भी रहे। आपने इस अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए क्या किया? आपने 3 करोड़ व्यक्तियों को बैंकिंग सिस्टम के साथ जोड़ा और माननीय प्रधान मंत्री जी ने एक साल में 20 करोड़ लोगों को बैंकिंग व्यवस्था के साथ जोड़ा।Is it not commendable? आपने इस देश को 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले दिए। 2जी, 3जी, कॉमनवैल्थ गेम्स और कोयला घोटाल क्या-क्या आपने इस देश को

दिए। जब अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार गई तो उस वक्त इस देश का जी.डी.पी. 8 प्रतिशत था और जब 10 साल बाद यू.पी.ए. की सरकार गई तो जी.डी.पी. 4 प्रतिशत में आ गया। आज माननीय प्रधान मंत्री जी के कार्यकाल में यह 7.2 प्रतिशत पर आ गया है। राहुल गांधी जी कहते हैं कि मैं बोलूंगा तो भूकम्प आ जाएगा। आप कल बोले और यहां पर कोई पत्ता भी नहीं हिला। यह भूकम्प कहां आया? उपाध्यक्ष महोदय, यह देश कैसलैश की तरफ जा रहा है। करंसी का कम-से-कम यूज हो जिससे भ्रष्टाचार भी कम होगा। Whatever it is, it is due to him. We will thank him also. There is no problem. लेकिन जो अच्छा काम करेगा हम उसकी जरुर तारिफ करेंगे, इसमें कोई दो राय नहीं है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने पर्सनली समझाया कि how to use your mobile phone for cash transfer. इससे बड़ा काम और क्या हो सकता है? पब्लिक ने भी इस सिस्टम को पसंद किया है और इसके रिजल्ट भी आपके सामने हैं। चंडीगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात में क्या हुआ यह आप सब जानते हैं। लोक सभा और विधान सभा के बाई इलैक्सन में जो हुआ उसके रिजल्ट के बारे में भी आप जानते हैं। आप कहां स्टैंड कर रहे हैं? इस चीज को बताने की जरूरत नहीं है। मेरी आपसे विनती है आप कृपया अफवाहें न फैलाएं। यह भी

22.12.2016/1455/RKS/AS-2

अफवाह फैलाई जा रही है कि 2000 रुपये के नोट की फिर से नोटबंदी हो जाएगी। Please let the system work. This system will work effectively and efficiently. मेरी आपसे एक और विनती है और मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि जो जिला मंडी में 22 चोरी की गाड़ियां पकड़ी गई है उनकी जांच की जाए। क्या उन गाड़ियों से कैस तो नहीं ट्रांसफर किया गया? ये 22 गाड़ियां जिला मंडी में कैसे घूम रही है? एक हैडकाँस्टेबल को सस्पैंड कर दिया गया What is this? जिला मंडी में 22 गाड़ियां कब से चल रही हैं? इसकी जांच की जानी चाहिए और मैं इसकी सी.बी.आई. इनक्वायरी की मांग करता हूं। लेकिन कोई चैक नहीं है। इसके अतिरिक्त जो बिजली के बिल और पानी के

बिल जमा होते हैं, वहां पर भी बहुत बड़ा घोटाला हो रहा है। इसको प्रदेश सरकार को देखना चाहिए ताकि वहां पर नोट की बदली नहीं की जा सके। केन्द्र सरकार ने इज़ाज़त दे रखी है कि 500 और 1000 रुपये के नोट में बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं। वहां पर बहुत घोटाला हुआ है और लोगों न वहां पर बहुत से नोट चेंज भी किए हैं। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में जो बिजली का बिल आता है वह सैंकड़ों में आता है, कोई ज्यादा बड़ा बिल नहीं आता है। वहां भी घोटाले हुए।

श्री एस0 एल0 एस0 द्वारा जारी...

22.12.2016/1500/SLS-AS-1

श्री इन्द्र सिंह ...जारी

इसलिए जितने दिन बचे हैं, कृपा करके देखिए कि ऐसा नहीं होना चाहिए। हां, पैट्रोल पंप भी इसमें शामिल है। जिनके पास कर्मचारी है उन्होंने उनको 6-6, 8-8 महीनों की तनख्वाह एडवांस में पुरानी करंसी में दे दी है। आप इसको भी चैक करिए। इससे भी काला धन सफेद धन में बदला जा रहा है। हम आपसे यही प्रार्थना करना चाहते हैं और यही इसका जिस्ट है।

श्री महेन्द्र सिंह ठाकुर जी जो यह गैर-सरकारी सदस्य संकल्प लाए हैं, मैं इसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं और इसका भरपूर समर्थन करता हूं। जो बातें मैंने की, विशेषकर जो 22 गाड़ियों की बात की है जो जिला मण्डी में बाहर से चोरी करके लाई गई थीं और घूम रही थीं, उनकी जांच भी होनी चाहिए।

इन्हीं शब्दों के साथ, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष : अब श्री नन्द लाल जी, माननीय मुख्य संसदीय सचिव चर्चा में भाग लेंगे।

22.12.2016/1500/SLS-AS-2

श्री नन्द लाल, मुख्य संसदीय सचिव : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य महेन्द्र सिंह जी ने जो संकल्प लाया है, इसमें नोटबंदी को हिमाचल में कड़ाई से लागू करने की जो सिफ़ारिश की गई है, उस सिलसिले में शुरू में ही हमारी माननीय सदस्या श्रीमती आशा कुमारी जी ने बिल्कुल साफ कह दिया, she has very rightly said कि इस संकल्प में हिमाचल सरकार के लिए माननीय सदस्य का कोई सुझाव नहीं आया है। Whatever has to be done in this regard, उसमें इसका कोई वर्णन नहीं है। केवल एक कहानी-सी सुना दी। ज्यादा डिटेल में न जाकर मैं यह कहना चाहूंगा कि नोटबंदी पर सभी लोग बोल रहे हैं। जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के लोग तारीफ़ कर रहे हैं, वह भूल गए हैं कि इससे हिंदुस्तान के लोग आज किस तरह से सफ़र कर रह हैं। जब 8 नवम्बर को नोटबंदी शुरू की without consulting the other parties, इसके प्रॉस-कांज या आफ्टर इफैक्ट्स को न समझते हुए अचानक ही ये 500 और 1000 रुपये के नोट बंद कर दिए गए। आपने सही कहा कि मंत्री को भी कंसल्ट नहीं किया गया। On that I will come little later. उसके बाद आपको ATM से 2000 रुपये ड्रॉ करने का अधिकार मिला और मैक्सिमम विड्राल लिमिट 24000 रुपये की रख दी। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इस दौरान शादियों का भी सीजन था। लोगों को अपने बच्चों की शादियां करानी थी। इसलिए इसमें अमैंडमैंट

आई कि शादी के लिए अढ़ाई लाख रुपये दिए जाएंगे। मुझे खेद से कहना पड़ रहा है लेकिन ये लोग आज मानने को तैयार नहीं हैं कि इस दौरान कितने लोगों ने पश्चिमी बंगाल या महाराष्ट्र में, जहां शादियां नहीं हो पाईं, आत्महत्या कर लीं। बच्चे की शादी न हो पाने के कारण लोगों ने आत्महत्या की। ATM की लाइन की बात करें तो उसमें भी 100 से ज्यादा लोग मरे। लोग लाइन में खड़े होकर मरे जिसका ये लोग आनंद ले रहे हैं। माननीय प्रधान मंत्री ने कहा कि लाइन में लोग दवाई के लिए पैसे लेने हेतु लगे हुए हैं। इसका मतलब यह है कि वह चाहते हैं कि हिंदुस्तान के लोग इस तरह तरसें। उनके दिल में लोगों के लिए कोई प्यार नहीं है। यह उनकी स्टेटमैंट है कि लोग दवाई लेने के लिए पैसों की कतार में खड़े हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य है कि एक देश के प्रधान मंत्री अपने लोगों को लाइन में देखकर यह वक्तव्य दे रहे हैं। इसी तरह से इससे बहुत सारे जुर्म हुए और

22.12.2016/1500/SLS-AS-3

हो रहे हैं। इसमें 59 बार अमैंडमैंट्स हुए और कई बार नई से नई इंस्ट्रक्शन्ज आईं। आज Finance Ministry and RBI are badly confused कि किसका रखें, किसका रोकें, किसको दें और किसको न दें। यह सब केंद्र सरकार की एक नाकामी है जिसके कारण पूरा देश सफ़र कर रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी सिलसिले में माननीय प्रधान मंत्री महोदय ने एक वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि मैं तो फकीर हूं। मैं तो झोला लेकर चल दूंगा। देश का प्रधान मंत्री is making such an irresponsible statement. आज 125 करोड़ लोग उनकी तरफ देखते हैं। He is the Prime Minister. उनका यह स्टेटमैंट देना कितनी इरिसपौंसिबल बात है कि वह छोड़कर चले जाएंगे। Let me finish first then you can speak.

जारी ..श्री गर्ग जी

22/12/2016/1505/**RG/AS**/1

श्री नन्द लाल(मुख्य संसदीय सचिव)----क्रमागत

उपाध्यक्ष महोदय, श्री धर्माणी जी ने जिक्र किया कि कल से एक समाचार अख़बारों में आ रहा है कि बिड़ला और सहारा की डायरी पकड़ी गई। It is in the custody of Income Tax Department. यही कहा है कि अढ़ाई साल में उस पर इस सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की जो करनी चाहिए थी। इसमें एजीटेट या इरीटेट होने की बात नहीं है। जब भ्रष्टाचार की बात हो रही है, तो इसकी भी जांच हो जाए। इसका भी कोर्ट से फैसला होना चाहिए। इसमें कोई बुराई नहीं है, but people are agitating. इसमें ऐजीटेट होने की आवश्यकता नहीं है।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं सोचता हूं कि आज इस नोटबन्दी को 44 दिन हो गए हैं और वैसे ये जो पुराने नोट हैं वे तो अब बंद ही हो गए हैं अगर आपको 5,000/-रुपये से ज्यादा रुपये भी जमा करने हैं, तो आपको कारण बताना पड़ेगा कि आपने यह पैसा कहां से लाया और आप क्यों जमा करना चाहते हैं? यह दलालत 30 दिसम्बर तक चलेगी। 30 तारीख तक यह काम होना है। जो ऐस्टीमेटिड अमाउन्ट था क्योंकि काले धन के लिए इन्होंने वायदा किया था कि काला धन बाहर निकालेंगे। अब काला धन तो अढ़ाई साल में निकल नहीं पाया और जो विदेशों में काला धन है उस पर कुछ नहीं हो पाया और एक फूटी कौड़ी भी वहां से नहीं आई, तो आज इन्होंने एक स्कीम सोची। इन्होंने सोचा कि देश के अन्दर, जैसा इन्होंने जिक्र किया गृहणियों के पास पैसे होते हैं every month they save some money, वह पैसा भी उनका अपना पैसा होता है। It is unaccounted, I know it. ऐसा नहीं है कि वह काला धन है। तो इस तरह इन्होंने जो काम किया, उससे नुकसान-ही-नुकसान हो रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, 15 लाख करोड़ रुपये ऐस्टीमेटिड था और इसमें से 14 प्लस के लगभग जमा हो चुका है। वह काला का सफेद हो गया है। अब 30 तारीख तक जो होगा वह भी करीब एक लाख करोड़ रुपये के बीच में ही होगा। So I am asking you where is the black money? जब वह सारा काला धन सफेद हो गया है, तो काला धन कहां रहा? इसलिए हम इनसे आग्रह करेंगे कि अभी भी कोशिश करें कि जो बाहर के बैंकों में लोगों का

पैसा है उसको निकालने की कोशिश करें। In real sense the black money is to be brought to the country और हमारे लोगों के विकास पर वह पैसा खर्च हो।

22/12/2016/1505/**RG**/**AS**/2

उपाध्यक्ष महोदय, यह सब इसलिए हुआ कि सरकार ने तैयारी नहीं की थी और लोगों से कन्सल्ट नहीं किया था। आज रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया को अपनी करेंसी छापने के लिए आर्मी की मदद लेनी पड़ रही है। अब आर्मी वाले उनको मदद करेंगे कि करेंसी कैसे छापनी है। This is the state of affairs. और हम लोग यह सब देख-देखकर खुश हो रहे हैं। Because it is your compulsion. You have to support a person. आपकी यह कम्पलशन है कि यदि वे गलत भी बोलेंगे, तो आप उसको सही कहेंगे। मैं टी.वी. चैनल पर देख रहा था कि Finance Minister of West Bengal, he made his statement he has to visit Delhi. दिल्ली में वे केन्द्र के किसी मंत्री से मिले। वे यह कह रहे हैं कि when he went to call on him तो उनका यह कहना था कि we are not aware. यह सब जो हो रहा है हमें नहीं मालूम कि यह कैसे हो रहा है और कौन कर रहा है? This is the state of affairs. तो आप बहुत प्रॉऊड से कह सकते हैं। ये तो हमारे मित्र लोग हैं, ये तो दूर से बात कर रहे हैं। Even the Ministers are not aware, what is happening there. हम, यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में नहीं कह सकते। हम यह कहेंगे कि यह मोदी जी की सरकार है। इसमें कोई बुराई नहीं है और आप लोगों को भी बुरा नहीं मानना चाहिए। हम भी कहते हैं कि मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। What I mean to say is जो भी वे काम करें वह सब ठीक है। यह हमारी आज कम्पल्शन हो गई है कि हम इस बात को मानने को तैयार हैं। नोटबन्दी के ऊपर जितना नुकसान हिन्दुस्तान के लोगों को पहुंचा है यह एक irreparable लॉस है, I would call it irreparable loss. इस लॉस को कभी पूरा नहीं किया जा सकता। जो सौ लोगों की जानें गईं। जिन लोगों ने अपने बच्चों की शादी न होने पर आत्महत्या की, इसकी कोई भरपाई नहीं है। आप कहते हैं कि आतंकवादियों के पास नोट थे। आतंकवादियों के पास नोट पाए गए। मैं यह कहना चाहूंगा कि नई करेंसी चलने के बाद How did they get the fake currency? It means that your system is not foolproof. आपके सिस्टम में खराबी है, That is the reason

money goes to that people इन लोगों के पास जो पैसा गया है यह सिस्टम में खराबी है। You are unable to check that.

22/12/2016/1505/**RG**/**AS**/3

उपाध्यक्ष महोदय, मैं यहां तक कहना चाहूंगा कि इन्होंने कहा कि स्टोन पेल्टिंग बंद हो गया है। धर्माणी जी ने ठीक कहा कि आज आप आतंकवाद देखें, See the times of attack made on our borders. इसके बीच में जब से यह शुरू हुआ है, तो we have to think seriously about our foreign relations with other countries. हमें अपनी सिक्योरिटी की तरफ ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। जिस तरह हमारे जवानों को बॉर्डर पर मारा जा रहा है।

एम.एस. द्वारा जारी

22/12/2016/1510/**MS**/**AG**/1

श्री नन्द लाल (मुख्य संसदीय सचिव)जारी--------

तो मैं तो यह कहूंगा कि दूसरी चीजें भी देखिए। केवल नोटबंदी पर ही ध्यान मत दीजिए। नोटबंदी को आप आगे बढ़ाए जा रहे हैं और लोगों को तकलीफ दिए जा रहे हैं। इसके अलावा अन्य भी कई चीजें हैं जो आज देश के प्रधानमंत्री जी को देखनी होंगी।

अब डिजिटल इकॉनोमी की बात करते हैं। हम भी कहते हैं कि यह अच्छी बात है। पूरा देश कहता है कि कालाधन भी रोकना है और डिजिटल इकॉनोमी भी होनी चाहिए। See the percentage, हमारे जो लोग गांव में रहते हैं कितनी परसेंटेज गांव में रहने वाले लोगों की है? कितने लोगों के पास ए0टी0एम0 और डेबिट/क्रेडिट काड्र्ज उपलब्ध नहीं हैं? हिन्दुस्तान में ऐसे लोगों की एक बहुत बड़ी परसेंटेज है जो दिनभर काम करते हैं और रात को अपने मालिक से पैसे लेकर अपने बच्चों का पेट पालते हैं। What about these people? Where do they go? वे कहां जाएंगे? उनके ऊपर ये अत्याचार हो रहे हैं

क्योंकि पैसा नहीं है। माननीय महेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि क्या किसी विधायक या मंत्री की लड़की की शादी रूकी? You are not bothered about society. समाज के उन लोगों के बारे में चिन्ता नहीं है जिनके साथ यह हादसा हुआ। वह हादसा तो हुआ ही लेकिन अभी और भी होंगे। अब मुझे नहीं मालूम कि नोटबंदी के चक्कर में अब और कितना समय लगेगा This is my legal right कि मेरा बैंक में एक बोनाफाइड एकाऊंट है। उस एकाऊंट में मेरे पैसे हैं। अगर मुझे अपने परिवार को चलाने के लिए पैसे की जरूरत है तो I cannot withdraw money because the maximum limit which has been imposed is 24,000/-. अगर उससे ज्यादा पैसे की जरूरत है तो मेरा जो मौलिक अधिकार है आपने तो वह मार दिया। Where do I go? I have earned money which I cannot withdraw that.

उपाध्यक्ष जी, मैं आज भी यह कहना चाहूंगा कि इस बात पर थोड़ा गौर किया जाए और माननीय मोदी जी जो देश के प्रधानमंत्री हैं वे इसके बारे में ज़रा सोचें। इसको इस तरह ही न छोड़ दे जिस तरह से चल रहा है।

22/12/2016/1510/**MS/AG**/2

मैं भ्रष्टाचार के बारे में ज्यादा नहीं बोलूंगा और न ही बातों को रिपीट करूंगा। हिमाचल में भी लोग जानते हैं कि भ्रष्टाचारी कौन हैं। -(व्यवधान)- I need not to mention here. उस तरफ भी जानते हैं और इस तरफ भी बताने की कोई जरूरत नहीं है और भ्रष्टाचार की बात वे करे जो भ्रष्टाचारी हो This is not accepted. (व्यवधान)-- हंस राज जी, हम थोड़ा कुछ और बोल लें?

अभी पीछे सबने देखा होगा कि संसद में कितनी समस्या हो गई कि वहां संसद का सत्र नहीं चल पाया। It is not only the Congress Party, देश में दूसरे जो दल हैं वे भी इसकी खिलाफत कर रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी से बार-बार निवेदन किया जा रहा है कि आप संसद में आएं और लोगों को इसका जवाब दें। Why should somebody else? तो क्या हुआ कि बड़ी मुश्किल से He went to Rajya Sabha राज्यसभा में बैठे और दोपहर के बाद कहा कि I will come back after lunch but he never turned up.आप

सबको पता है कि he never turned up in Rajya Sabha also. उपाध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाहूंगा कि आज भी भ्रष्टाचार को रोकने की बातें की जा रही हैं। हम भी चाहते हैं कि भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। कालेधन के हम भी खिलाफ हैं कि कालाधन देश से निकलना चाहिए जो देश के विकास पर खर्च हो। भ्रष्टाचार न हो यह अच्छी बात है लेकिन नोटबंदी की हम खिलाफत करते हैं क्योंकि इस वजह से हिन्दुस्तान के लोगों ने सफर किया है It is irreparable loss. इस लॉस की कोई भरपाई नहीं है। मैं यह बार-बार इसलिए बता रहा हूं क्योंकि कई लोगों की इस चक्कर में जाने गई हैं। जिन लोगों ने अपने मां-बाप को खोया है वे इस बात को कभी भूल नहीं सकते हैं। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि इस नोटबंदी के लिए केन्द्र की सरकार को भगवान सद्बुद्धि दे और हिन्दुस्तान की अर्थ-व्यवस्था में जो एक क्राइसिज खड़ा हुआ है, जो फाइनैंशियल एमरजैंसी लगी हुई है इसको ठीक करने की कोशिश करे। उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, धन्यवाद।

22/12/2016/1510/**MS**/**AG**/3

उपाध्यक्ष: अब चर्चा में श्री गोविन्द राम शर्मा जी भाग लेंगे।

श्री गोविन्द राम शर्मा: उपाध्यक्ष जी, नियम 101 के तहत जो संकल्प आदरणीय महेन्द्र जी ने यहां पर लाया है, उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं यहां खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष जी, मैं समझता हूं कि हम लोग केवल अपने-अपने स्वार्थ के लिए, अपनी-अपनी राजनीतिक के लिए यहां बात न करें।

जारी श्री जे0एस0 द्वारा-----

22.12.2016/1515/**जेके**/**एएस**/1

श्री गोविन्द राम शर्मा:------**जारी**----

देश हित से सम्बन्धित जो भी मुद्दा हो उसके समर्थन में हम सब को व्यक्तिगत राजनीति को छोड़ कर खड़ा होना चाहिए। उसी दृष्टि से आज यह संकल्प श्री महेन्द्र सिंह जी ने लाया है। मैं समझता हूं कि जो देश की स्थिति है उसमें आज नहीं बहुत साल पहले कांग्रेस के नेताओं ने भी कहा था, स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी ने स्वयं कहा था कि दिल्ली से जो 100 रूपए दिए जाते हैं वे गांव तक 15 पैसे ही पहुंचते हैं। वह 85 पैसे कहां जाते थे, क्या उस समय भ्रष्टाचार नहीं होता था? यह भ्रष्टाचार आज से नहीं बल्कि कई वर्षों से पनप रहा है। इस भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कुछ न कुछ प्रयास हम सबको करने चाहिए लेकिन हिम्मत चाहिए, साहस चाहिए। किसी में साहस नहीं था, किसी ने हिम्मत नहीं दिखाई लेकिन आज इस भारतवर्ष के सपूत देश के प्रधान मंत्री, आदरणीय नरेन्द्र भाई मोदी ने इतना सख्त निर्णय लेकर यह बता दिया कि पार्टी से ज्यादा देश है और देश हित में निर्णय लिया है। इस निर्णय से तकलीफ उन लोगों को हुई जिनके पास काला धन था। जो साधारण जनता है, गरीब लोग है, गांवों के लोग है, किसान है, बागवान है या कर्मचारी हैं, उनको कोई तकलीफ नहीं हुई। जो कर्मचारी है या देहात के लोग हैं हफ्ते में 24 हजार रूपए वे बैंक से निकाल सकते हैं । महीने में 96 हजार रूपए निकाल सकते हैं, इससे ज्यादा क्या खर्चा होता है? तकलीफ उन लोगों के लिए है जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है, जिनके पास अरबों- खरबों रूपया है। जिनके बड़े-बड़े कमरे काले धन से भरे हुए हैं। आज मैं टी0वी0 में देख रहा था कि कहीं-कहीं किसी स्टेट में बड़े-बड़े अधिकारियों के पास पांच-पाच किलो सोना और करोड़ों रूपया मिल रहा है। बहुत से राजनीतिज्ञों के पास चाहे वह भाजपा के हो या कांग्रेस के हो उनके पास करोड़ों रूपया मिल रहा है। क्या उन पर अंकुश लगाने की आवश्यकता नहीं है? इसलिए यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। मैं समझता हूं कि हम सब को नरेन्द्र भाई मोदी जी का समर्थन करना चाहिए। मुझे खुशी हुई जिस समय यह लागू हुआ और हमारे धूमल जी ने भी इसका स्वागत किया तथा आदरणीय वीरभद्र सिंह जी की भी स्टेटमैंट आई

22.12.2016/1515/**जेके/एएस**/2

उन्होंने भी इसका स्वागत किया। देश में दो मुख्य मुख्य मंत्री थे एक तो श्री वीरभद्र सिंह और दूसरे नितीश जी जो कि बिहार के मुख्य मंत्री हैं उन्होंने स्वागत किया था। जो यू0पी0 के चीफ मिनिस्टर हैं उन्होंने भी कोई ज्यादा विरोध नहीं किया था। इस विरोध में केवल तीन व्यक्ति थे। एक ममता बैनर्जी, दिल्ली से केजरीवाल जी और यू0पी0 से मायावती जी। कांग्रेस के लोगों ने भी इतना ज्यादा विरोध नहीं किया था।लेकिन आपकी मज़बूरी होगी कि आज आपको कुछ न कुछ बोलना पड़ रहा है। आम जनता लगभग 95 प्रतिशत लोग आज भी इस काम के लिए मोदी जी के साथ हैं। आप टी0वी0 में देख रहे होंगे। जब टी0वी0 वाले पत्रकार लोगों से पूछते हैं कि आप लोग लाईनों में लगे हैं क्या आप लोगों को तकलीफ हो रही है? उन्होंने कहा कि तकलीफ तो हो रही है। पत्रकार ने कहा कि जब तकलीफ हो रही है तो क्या यह निर्णय सही है या गलत है? उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा निर्णय है। 6-6 घण्टे लोग लाईनों में लगे लेकिन हिमाचल में नहीं बल्कि हिमाचल में कोई तकलीफ नहीं है और न ही यहां पर कोई लाईन में लग रहा है परन्तु बाहर कहीं जहां-जहां दिक्कत आई वहां भी वे लोग कह रहे थे कि देश हित में निर्णय लिया गया है जो कि बहुत अच्छा है और इससे भ्रष्टाचार खत्म होगा। मैं धर्मशाला में गया मैंने भी वहां पर ए0टी0एम0 से पैसे निकाले। वहां पर केवल 7-8 आदमी थे।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी----

22.12.2016/1520/**SS/AG**/1

श्री गोविन्द राम शर्मा ____क्रमागत:

आपका जो बस-स्टैंड के ऊपर पैट्रोल पम्प है उसके ऊपर जो स्टेट बैंक है वहां पर मैं गया। मैंने भी वहां से पैसे निकाले। लेकिन वहां सिर्फ छः सात आदमी थे। वहां कोई ज्यादा दिक्कत नहीं थी। मुझे दस मिनट बाद पैसे मिल गये। मुकेश जी, कोई दिक्कत ही नहीं है लेकिन एक मुद्दा बनाना आपका दायित्व बनता है आप बना सकते हैं। लेकिन यह राष्ट्रहित

में नहीं है। राष्ट्रहित में जो आप करें उसकी प्रशंसा हमारे को करनी चाहिए और अगर हमारे प्रधान मंत्री ने राष्ट्रहित में काम किया है तो उसकी प्रशंसा आपको करनी चाहिए। आप भी देशभक्त हैं तो हम भी देशभक्त हैं। हम यह नहीं बोल रहे हैं कि आप देशद्रोही हैं। जो देशद्रोही हैं उनको नोटबंदी के बाद दिक्कत हुई। जो पत्थरबाजी कश्मीर में होती थी क्या वह बंद हुई या नहीं? आपके पंजाब बड़ा नज़दीक है पंजाब में ड्रग माफिया या अन्य कई माफिया जो वहां पर स्मगलिंग करते थे, वह काफी कम हुआ या नहीं हुआ? आपके वहां जो उग्रवादी थे वे कम हुए या नहीं हुए? इसलिए यह राष्ट्रहित, देशहित में लिया गया बहुत अच्छा फैसला है इसका आप सब को समर्थन करना चाहिए। जहां तक अभी मेरे प्रिय मित्र और छोटे भाई धर्माणी जी ने बहुत कहा कि वहां 40 करोड़ रुपया सहारा से खा लिया या फलांने से खा लिया, ज़रा आप याद करो कि आपकी सरकार ने कितने घोटाले किये। 10 साल में कौन-कौन से घोटाले नहीं किये। आकाश से लेकर धरती-पाताल तक आपने घोटाले किये। टू-जी घोटाला, थ्री-जी घोटाला, 1 लाख 86 हजार करोड़ का घोटाला, 1 लाख 72 हजार का घोटाला और तो छोड़ो खेलों में भी घोटाले किये। शीला दीक्षित ने 76 हजार करोड़ का घोटाला। कौन-से घोटाले आपने छोड़े हैं। मुकेश जी, यहीं बैठे हैं। हमारे मित्र हैं। आप अच्छा काम कर रहे हो। आपने इसी हाउस में कहा था कि यह जो अम्बुजा सीमेंट कम्पनी है चाहे कोई सी कम्पनी है इनको मैं सैट कर दूंगा, इनको मैं वह कर दूंगा। जो सीमेंट उसने बनाया, पहले वह 270 रुपये बोरी मिलती थी, उस टाइम आपने 10 रुपये कम की लेकिन आज वह बोरी 355 रुपये मिल रही है। आज अम्बुजा के अंदर कई महीनों से स्ट्राईक चल रही

22.12.2016/1520/**SS**/**AG**/2

है। हिमाचल प्रदेश के बेरोजगार युवकों को छोड़ा जा रहा है, उनको निकाला जा रहा है। सरकार कहां सोई हुई है? कल जो वहां पत्थर से सीमेंट बनाता है उसमें एक आदमी झुलस कर खत्म हो गया। सरकार कहां सोई हुई है? कइयों को चोटें आ गईं सरकार कहां

सोई हुई है। सरकार को इसकी चिन्ता करने की आवश्यकता है। इसलिए हमारा आपसे निवेदन है कि हम आपका विरोध नहीं कर रहे, आपके ऊपर कोई व्यक्तिगत इल्जाम नहीं है लेकिन चिन्ता करना आपका फर्ज़ बनता है क्योंकि आप सरकार में हैं और हम विपक्ष में हैं। जब आप विपक्ष में होते थे तो मुझे पूरा ध्यान है कि मुकेश और पठानिया जी यहां से सबसे ज्यादा बोलते थे। हमारे मंत्री आदरणीय पठानिया जी चले गये। ये गीत गाते थे और डांस करते थे। आपका जो काम था वह आपने किया। लेकिन हम तो सच्चाई बोल रहे हैं कि जो अच्छी बात है उसकी प्रशंसा करना हम सब का कर्तव्य बनता है और आपको भी इसकी प्रशंसा करनी चाहिए। यह एक बहुत अच्छा डिसीजन मोदी जी ने लिया। मेरा आपसे भी निवेदन है कि आपको भी थोड़ी बहुत शिक्षा केन्द्र सरकार से लेनी चाहिए। जो अच्छा काम किया, मैं उसका समर्थन करूंगा कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने हैलीकॉप्टर से ट्राईबल के लिए पैसे भेजकर सहायता की ताकि वहां दिक्कत न हो। लेकिन यहां पर अच्छा काम आप यह भी कर सकते हो कि केन्द्र सरकार जो वहां निगरानी कर रही है, सी0बी0आई0 के छापे पड़ रहे हैं तो यहां भी विजीलैंस के छापे पड़ें। यहां भी चैक करें कि कहां-कहां भ्रष्टाचार हो रहा है चाहे वह "A" हो या "B" हो, कोई अधिकारी या पॉलिटिशियन हो। इसकी भी चिन्ता करनी चाहिए। इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। इसलिए मेरा निवेदन यह है कि हम सब मिलकर राष्ट्रहित में, प्रदेश हित में यह चिन्ता करें कि जो यहां पर गड़बड़ हो या भ्रष्टाचार हो रहा है उसे रोकने का प्रयास जहां केन्द्र सरकार पूरे देश में कर रही है वहीं प्रदेश में यह सरकार भी करे ताकि उसका लाभ हो सके। आम जनता को इसका लाभ मिल सके। यहां पर हमारी भोली-भाली जनता को कोई बेवकूफ नहीं बना सकता। न हम बना सकते हैं और न आप बना सकते हैं।

जारी श्रीमती के0एस0

22.12.2016/1525/**केएस/एजी**/1

श्री गोविन्द राम शर्मा जारी----

एक-एक बात का सभी को पता है और मैं समझता हूं कि जो गांव में अनपढ़ है, वह आप और हम सभी से ज्यादा समझदार है। मेरा आपसे निवेदन है कि आप सभी इस पर चिन्ता करें और जो केन्द्र सरकार ने नोटबन्दी लागू की, इसका आप समर्थन करें ताकि राष्ट्र को आगे ले जा सके। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस संकल्प का समर्थन करता हूं, आप सभी का धन्यवाद।

22.12.2016/1525/**केएस/एजी**/2

श्री जगजीवन पाल (मुख्य संसदीय सचिव): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद। आदरणीय महेन्द्र सिंह जी जो संकल्प लाए हैं, पांच सौ-एक हजार रुपये की नोटबंदी के ऊपर, इसके बारे में मेरा जो अपना विचार है, सबसे पहले तो मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के सभी वक्ता जो यहां खड़े हो रहे हैं, वे बोल रहे हैं कि मुख्य मंत्री जी ने इसका स्वागत किया था। हां, किया था। खुलकर किया था और अभी परसों भी इन्होंने कहा कि हां मैं स्वागत करता हूं। लेकिन प्रधान मंत्री जी ने जो समय चुना नवम्बर का महीना, यह महीना हमारे प्रदेश में भी और लगभग सारे देश में शादियों का महीना था और फसल बीजने का मौका था, त्योहारों का मौका था। हमारे भारतीय जनता पार्टी के मित्र इसको मज़ाक में ले रहे हैं कि थोड़ी-थोड़ी तकलीफ उठानी पड़ी होगी तो क्या हुआ? थोड़ी तकलीफ नहीं उठानी पड़ी बल्कि लोग अपने पैसे के लिए लाइनों में खड़े हो रहे हैं। लाईन में खड़े हुए कई लोगों के हार्ट फेल हो गए और उनके परिवार पर क्या बीती यह तो वही जानते हैं।

उपाध्यक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने और आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने जब 2014 का लोकसभा का चुनाव हुआ था, यह जो आज उन्होंने किया है, उस समय के उनके घोषणापत्र में यह नहीं था। उस समय तो उन्होंने यह कहा था कि स्विस बैंकों में जो काला धन पड़ा हुआ है, हिन्दुस्तान की जनता को सपने दिखाए और यह कहा कि वहां के बैंकों से काला धन निकाल कर लाएंगें और हर आदमी के खाते में 15-15 लाख रु0 देंगें। यह वायदा था और उसमें वे फेल हो गए। उनके साथ बाबा रामदेव जी लगे हुए थे। वे दो बार

बोलते थे कि कपालभाती करो, अनुलोम-विलोम करो और उसके बाद कांग्रेस को गालियां देना शुरू कर देते थे। वे यही बोलते थे कि इतने हजार करोड़ रुपये फ्लां बैंक में है, मोदी जी आएंगें और वे इतने-इतने लाख रुपये सभी के खातों में देंगें। आज बाबा रामदेव चुप है। उनको पता लग गया है कि असलियत क्या है। अब जब नरेन्द्र मोदी जी, दिल्ली की सरकार इस काम में फेल हो गई उसके बाद देश की जनता का ध्यान बंटाने के लिए एक नया शगूफ़ा छोड़ने के बारे में सोचा गया जिससे फिर हिन्दुस्तान के लोग भ्रमित हो

22.12.2016/1525/**केएस/एजी**/3

क्योंकि यू.पी. का चुनाव दिखाई दे रहा है, पंजाब का चुनाव दिखाई दे रहा है, गोआ का चुनाव दिखाई दे रहा है इसलिए 8 नवम्बर, 2016 को अचानक टी.वी. पर खड़े हो गए और अब मन की बात तो लोगों ने सुनना बन्द कर दी है, लोग डरते हैं कि पता नहीं अब क्या नई योजना लाएंगें । यह नया आ गया कि पांच सौ और एक हजार का नोट आधी रात को बन्द कर दिया, इसका टैंडर कैंसल। सभी लोग हैरान हो गए। सभी लोगों ने अपना-अपना पैसा बैंकों में रखा था।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी...

22.12.2016/1530/**AV/AG**/1

मुख्य संसदीय सचिव (श्री जगजीवन पाल)----------- जारी

हिमाचल में तो मेरे ख्याल में 99 प्रतिशत लोग अपने घरों में इस तैयारी में लगे थे कि हमारे घर में उत्सव होने हैं या बिजाई करनी है। लेकिन बैंकों में लेन-देन बंद हो गया और लाइनें लग गईं। इस बार पहली तारीख़ को हमारे फौजी भाइयों को जो तकलीफ हुई है उसका तो कोई हिसाब ही नहीं है। बैंकों के सामने लाइनें लगी हुई हैं। उनको अपनी पेंशन भी पूरी नहीं मिल रही है। अपने ही पैसे के लिए इतनी पाबंदी। इसके बावजूद विमुद्रीकरण के लिए प्रधान मंत्री जी जो बड़ी-बड़ी शाबाशी ले रहे हैं, हमारे भारतीय जनता पार्टी के लोग बोल

रहे हैं कि ऐसा इतिहास में कभी हुआ ही नहीं है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि पहले भी काफी प्रयास हुए हैं। भ्रष्टचार के खिलाफ आदरणीय प्रधान मंत्री पं0 नेहरु जी ने प्रयास किए हैं। उसके बाद लाल बहादुर शास्त्री जी ने किए हैं, मुरार जी देसाई ने किए हैं और राजीव गांधी जी ने भी किए हैं। उन्होंने ही यह टिप्पणी की थी कि दिल्ली से एक रुपया चलता है और गांव में जाकर 15 पैसे पहुंचते हैं। इसलिए उन्होंने जो जवाहर रोज़गार योजना शुरू की थी तो पैसा सीधा दिल्ली से पंचायतों में पहुंचता था। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किए। उन्होंने जब कम्प्युटरीकरण का काम चलाया था तो भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश में बंद करने का ऐलान किया था। मगर आज जिसको कम्प्युटर नहीं आता उसको नौकरी नहीं मिलती। उन्होंने आई0टी0 क्षेत्र में इतना बड़ा काम किया, भ्रष्टाचार बंद करने के लिए काम किए। श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने भी भ्रष्टाचार को रोकने के लिए काम किए। यहां पर कर्नल इन्द्र सिंह जी ऐसे बोल रहे थे जैसे वे उस समय वहां इन्दिरा गांधी जी के साथ बैठे हुए बातें सुन रहे थे।

आदरणीय उपाध्यक्ष जी, आपके माध्यम से और यहां पर बैठे हमारे भारतीय जनता पार्टी के मित्रों के माध्यम से मैं यह पूछना चाहता हूं कि वर्ष 2014 में हुए लोक सभा चुनाव के समय आदरणीय प्रधान मंत्री श्री मोदी जी ने 500 से ज्यादा सभाएं की थी। सभाएं करने के बाद वे रोज अहमदाबाद जाते थे, वह पैसा कहां से आता था? आज वे पूरे देश में घूम रहे हैं और बड़ी-बड़ी रैलियां कर रहे हैं। वे रैलियां कहां से कर रहे हैं, वह पैसा कहां से आ रहा है। (---व्यवधान---) हम भी कर रहे हैं। हम मना थोड़े ही न कर रहे हैं। सबको पता है

22.12.2016/1530/**AV**/**AG**/2

कि इलैक्शन कैसे होता है, लोग चुनाव कैसे लड़ते हैं। लेकिन आप अपने आपको दूध के धूले हुए कहते हैं। यह जो 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट वापिस आए उनकी जगह ये 20-20, 87-87 करोड़ रुपये दो हजार रुपये के नोट के रूप में पकड़े जा रहे हैं। ये नोट फिर वापिस पहुंच गये हैं। आपके पास क्या प्रबंध है? ये 4-5 या 15-20 पकड़ कर दिखा दिए। दिल्ली में जिसके पास 13000 करोड़ रुपये पकड़े गये वह भी शाही ही है। वह भी

गुजराती ही है। गुजरात में जो माल पकड़ा जा रहा है वह कौन है? माननीय प्रधान मंत्री जी वहां पर तीन बार मुख्य मंत्री रहे वह भी उनके ही मित्र हैं। यहां पर एक बात उठी थी। हमारे माननीय सदस्य श्री महेन्द्र सिंह जी और यहां से आदरणीय कौल सिंह जी ने कहा था कि जो इतने नेशनल हाई-वे डिक्लेयर कर दिए, हालांकि यह इस सब्जैक्ट में नहीं है। लेकिन आपने बोला था। डी0पी0आरज0 कैसे भेजेंगे जब दिल्ली से पैसा ही नहीं आया। डी0पी0आर0 बनाने के लिए पैसा लगता है। (---व्यवधान---) कहां भेजा वह पैसा? यहां पर एक पैसा नहीं आया।

श्री वर्मा द्वारा जारी

22.12.2016/1535/TCV/AG/1

श्री जगजीवन पाल(मुख्य संसदीय सचिव)

उपाध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में एक नया पैसा नहीं आया है। --(व्यवधान)--

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री: उपाध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार से 280 करोड़ रूपये की मांग की हुई है।

श्री जगजीवन पाल(मुख्य संसदीय सचिव): प्लीज--प्लीज । केन्द्र सरकार की ओर से हिमाचल को एक पैसा नहीं आया है और आपकी सरकार (केन्द्र सरकार) हिमाचल प्रदेश की जनता को गुमराह कर रही है। केन्द्र सरकार कह रही है कि हिमाचल प्रदेश सरकार डी0पी0आर्ज़ नहीं बना रही है। ये सारे-का-सारा झूठ आप जनता में जाकर बोल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश की जनता आने वाले समय में आपको सबक सिखा देगी। इसमें कोई दो राय नहीं है। ऐसे-ऐसे रोड़ डिक्लेयर करवा दिए हैं, जो स्टेट हाईवे भी नहीं है। अभी तक वहां रास्ता भी नहीं निकला है। रास्तों को ही नेशनल हाईवे डिक्लेयर कर दिया है और रोड बनने शुरू ही नहीं हुए हैं। इसके अलावा जब यह कहा गया कि 15-15 लाख खाते में

आएंगे तो लोग विश्वास में बैठ गये। ये तो तब पता लगा जब बिहार का इलैक्शन चल रहा था और लोगों ने पूछा कि वह 15-15 लाख रूपये कब आएगा? वे अच्छे दिन कब आएंगे? फिर उन्होंने कहा कि वह तो वोट लेने के लिए जुमला था, वह असलियत में थोड़े ही देने थे। इसके बाद अब ये नया जुमला आ गया कि 500 और 1000 की करंसी को बदल दिया और 2000 का नोट निकाल दिया। आज जब प्रधान मंत्री जी कहते हैं "बहनों और भाईयो" तो लोग थोड़ी देर के लिए चुप हो जाते हैं कि पता नहीं अब क्या होने वाला है? अब पता नहीं ये क्या बोलने वाले है? लोग जो पैसा बैंक में जमा करवा रहे हैं ये ब्लैकमनी नहीं है। ये तो लोग अपने पैसे बैंकों में दे रहे हैं और कम-से-कम 50 नोटिफिकेशन्ज़ आ चुकी है। अभी हमारे माननीय सदस्य यहां पर बोल रहे थे कि 10 महीनों से इसकी तैयारियां शुरू थी। पता नहीं 10 महीनों से कैसी तैयारियां की जा रही थी। अभी परसों आया कि 5000 रूपये से ऊपर अगर कोई बैंक में जमा करवाएगा तो उससे इसके बारे में पूरी छानबीन की जाएगी और कई प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। लेकिन

22.12.2016/1535/TCV/AG/2

दोपहर बाद फिर नोटिफिकेशन आ गई की 5000 रूपये जमा करवाने पर कोई प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे। ये कैसी तैयारियां थी, ये तो केवल केन्द्र सरकार को कांग्रेस पार्टी से डर लगा हुआ था। ये तो केजरीवाल और राहुल गांधी को निशाना बनाना था, इसलिए नोटबंदी की गई। इसलिए जल्दीबाज़ी में ये सब कुछ किया गया और पूरे देश को संकट में फंसा कर रख दिया गया है, एक भयानक संकट में फंसा कर रखा दिया है। एक आदमी पैसे लेने के लिए बैंक की लाईन में लगा हुआ था और पैसों का इंतजार करता रहा, लेकिन बाद में वह इंतजार करते-करते गिर गया और उसका हार्ट फेल हो गया। हार्ट फेल होने के बाद बैंक का मैनेज़र तुरन्त आ और पैसे देने लगा कि पैसे ले लो, इसको जलाने के काम आएंगे। ये आपका प्रबंध है। एक बहन पैसे लेने के लिए बैंक की लाईन में खड़ी थी और उसके बच्चा होना था। वह लाईन में खड़े-खड़े पैसे मिलने का इंतजार कर रही थी और वहीं, लाईन में ही उसके बच्चा हो गया। इससे बड़ी शर्म की बात आप लोगों के लिए क्या हो सकती है।

एक और खतरनाख़ चीज जो ये बोलते है, माननीय प्रधान मंत्री जी कहते हैं "मित्रों, भाईयों और बहनों मुझे 50 दिन दे दो" आज 44 दिन हो गये हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगले छः महीने तक यह संकट खत्म होने वाला है। ये देश के ऊपर घोर संकट है। इसका असर क्या हुआ है, वह सुनो। मेरे अपने गांव से जो मज़दूर बद्दी और कई जगह लगे हुए थे, वे वापिस आ गये हैं क्योंकि इंडस्ट्रियों में धन्धा बन्द हो गया है।

श्रीमती एन0एस0 द्वारा---जारी।

22/12/2016/1540/**NS**/**AS**/1

श्री जगजीवन पाल (मुख्य संसदीय सचिव)----जारी।

(व्यवधान) हम बेरोज़गारी भत्ता देंगे और आपके सामने देंगे, आप उसकी चिन्ता मत करो। नोटबंदी का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि प्रोडक्शन खत्म हो गई है। एक्सपोर्ट बंद हो गया है। मंहगाई दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। दो-तीन दिनों में लोहे के भाव 6 से 7 रूपये प्रति क्विंटल बढ़ गये हैं। । उपाध्यक्ष महोदय, मैं बस दो मिनट में अपनी बात रख रहा हूं। नोटबंदी का एक ओर खतरनाक पहलू यह है कि हमारे गांव के जो लोग अपने पैसे बचाते थे और बैंकों में जमा करवाते थे अब वे अपना पैसा बैंक से वापिस ले रहे हैं और उसको दोबारा बैंक में जमा नहीं करवा रहे हैं। हमने बैंक मैनेज़र से जा करके इस बात को पूछा है। तब उन्होंने कहा कि लोग पैसा ले रहे हैं लेकिन जमा नहीं करवा रहे हैं कि हमारा पैसा पता नहीं हमें मिलेगा भी या नहीं। लोगों का अब बैंक से विश्वास उठ गया है क्योंकि उनका प्रधानमंत्री से भी विश्वास उठ गया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह आने वाला संकट बहुत खतरनाक है। प्रधानमंत्री जी ने यू0पी और पंजाब के चुनावों से घबरा करके यह काम किया

है। यह कोई अच्छा काम नहीं किया है। उन्होंने पूरे देश को भारी संकट में फंसा कर रख दिया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पांच सौ और एक हज़ार के जो नोट बंद किए गए हैं वह सही बंद किए गए हैं लेकिन इसके साथ बहुत से दूसरे संकट खड़े हो गए हैं इसलिए आज जो नोटबंदी का संकल्प इस मान्य सदन में लाया गया है, मैं उसके हक में नहीं हूं अतः आप इस संकल्प को वापिस लें। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

22/12/2016/1540/**NS**/**AS**/2

श्री गोविन्द सिंह ठाकुर : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय श्री महेन्द्र सिंह जी ने जो संकल्प इस मान्य सदन में लाया है उसके समर्थन में बात करने के लिए मैं आज यहां पर खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, एक समाचार छपा और उस समाचार में यह कहा गया कि देश की जनता नोटबंदी से नाराज़/परेशान हो करके भारतीय जनता पार्टी को सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को चण्डीगढ़ के नगर निगम के चुनावों में 21 सीटें और कांग्रेस पार्टी को केवल मात्र चार सीटें आईं,यह नोटबंदी के कारण लोगों की नाराज़गी प्रस्तुत हुई है। दूसरा, कांग्रेस पार्टी के लोगों को बात करते हुए यह ध्यान नहीं रहा कि हम कहते हैं कि देश की आज़ादी के बाद भारत में इतना विकास हुआ कि कांग्रेस ने भारत को बुलंदियों तक पहुंचाया। (व्यवधान)

मुख्य मंत्री : यह आज़ादी के बाद की न्यूज़ है। आप किस मुंह से बोल रहे हैं? आपको झूठ बोलने के लिए शर्म आनी चाहिए।

श्री गोविन्द सिंह **ठाकुर**: उपाध्यक्ष महोदय, देश में कैशलैस इकोनोमी होगी। अब कैशलैस इकोनोमी का कांग्रेस पार्टी के लोगों ने जवाब तो देना था

श्री आर0के0एस0 द्वारा----- जारी।

22.12.2016/1545/RKS/AS-1

श्री गोविन्द सिंह ठाकुर....जारी

लेकिन जवाब देते-देते पूर्व प्रधान मंत्री श्री मनमोहन सिंह जी ने संसद में जो भाषण दिया उस भाषण में उन्होंने कहा कि इस देश की 50 प्रतिशत जनता गरीबी रेखा से नीचे है और 50 प्रतिशत जनता के बैंक में अभी खाते ही नहीं खुले हैं। वे इस बात को भूल गए कि इतने वर्षों तक उन्हीं की पार्टी ने राज किया। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी जी ने कहा कि ऑन लाइन पेमैंट तो करेंगे लेकिन जिस भारत में 60 प्रतिशत लोग अनपढ़ हैं, वहां ऑन लाइन पेमैंट कैसे की जाएगी। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी जी अपनी मार्कशीट अपने आप ही दिखा रहे हैं। उसके बाद मणीशंकर अय्यैर जी कहते हैं कि जिस देश में रोजगार ही नहीं है उस देश में कैसलैश इकॉनोमी कैसे हो सकती है? पी. चिदम्बरम जी ने पार्लियामैंट में भाषण देते हुए कहा कि यह सब-का-सब तो ठीक है, नोटबंदी भी हो जाएगी परन्तु यह होगी कैसे? क्योंकि भारत के 50 प्रतिशत गांव में अभी तक बिजली की सुविधा ही नहीं है। श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ऐसा गजब का खेल खेला कि इस खेल के कारण कांग्रेस पार्टी के लोग अपनी मार्कशीट अपने आप ही दिखा गए। अब इनको बिरला या किसी और की याद आ गई। हालांकि हम यह बात करना नहीं चाहते थे परन्तु यह कहा गया कि रिफरैंस में कह सकते हैं। क्या बिरला, टाटा, अंबानी और अदानी इन दो सालों के अंदर करोड़पती बने हैं? क्या जो 85 प्रतिशत लोग अरबपती बनें वह इन दो सालों में बनें? इन सबको जो 90 हजार करोड़ रुपये का कर्जा दिया गया, क्या वह इन दो सालों में दिया गया? यहां पर बीच में किसी ने विजय मालिया की 8000 करोड़ रुपये के बारे में जिक्र किया लेकिन ई.डी. ने 9,120 करोड़ रुपये की उनकी सम्पत्ति को जब्त किया। देश का सौभाग्य यह है कि आज ऐसा दमदार व्यक्ति प्रधान मंत्री के पद पर बैठा है जिसका अपना कोई हित नहीं है वरन् इतना दम कोई दिखा नहीं सकता था। उन्होंने 500 और 1000 रुपये की नोटबंदी की और इसके लिए हिम्मत चाहिए थी। 8 तारिख को नोटबंदी की बात हुई और जब 9 तारिख को मैंने अख़बार के दूसरे पेज में माननीय मुख्य मंत्री जी की स्टेटमैंट

पढ़ी जिसमें लिखा था कि 'मोदी जी का फैसला साहसिक है'। उसके बाद 5 हजार करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के मामले में जो

22.12.2016/1545/RKS/AS-2

व्यक्ति आज बेल पर घूम रहे हैं, वहां से पता नहीं क्या घूमा कि तीसरे-चौथे दिन में मुख्य मंत्री जी के ब्यान भी बदलने प्रारम्भ हो गए। इस माननीय सदन में भ्रष्टाचार की बात तो क्या करें यानी ag, 2g, 3g, 4g और सारे g और यदि अंग्रेजी का अल्फावैटिकली लें तो a,b, c, d, e, f, g ,h तथा किसी ने whatsapp में लिखा था a से z तक यू.पी.ए. का जो कार्यकाल रहा उसमें z तक सारे ही घोटाले हुए हैं। नोटबंदी के कारण से देश को लाभ मिला। अभी माननीय उद्योग मंत्री जी एक बात कह रहे थे कि

श्री एस0 एल0 एस0 द्वारा जारी...

22.12.2016/1550/SLS-A g-1

श्री गोविन्द सिंह ठाकुर ..जारी

मानना पड़ेगा कि नरेन्द्र मोदी ने झटके में सबको लाइन में लगा दिया। आप देखिए कि दो करोड़ की कार लेकर, 30 सुरक्षाकर्मी लेकर और 25 गाड़ियां ले करके बेचारे राहुल गान्धी को भी बैंक की लाइन में खड़े होना पड़ा। अब नरेन्द्र मोदी जी का लोहा आप ही नहीं, अमेरिका भी मानता है। जब अमेरिका का चुनाव हुआ तो डोनाल्ड ट्रंप, जिसको कहते थे कि जीत नहीं सकता, जब उसने कहा कि मैं भारत के नरेन्द्र मोदी के पद चिन्हों पर चलूंगा, उन्हीं नीतियों को लागू करूंगा तो डोनाल्ड ट्रंप भी जीत गए; चण्डीगढ़ और हिमाचल तो छोटी-सी बात है, इंतजार करो। यहां पर संजय रतन जी भी बार-बार एक बात बोल रहे थे। कह रहे थे कि जल्दी से पार्लियामैंट भंग करो। हमने कहा कि इतना बड़ा

टैस्ट क्यों देना है, यहां के लिए जल्दी करो। आप यह छोटा या टैस्ट और ट्रेलर देख लो और उसके बाद जो आनंद आएगा, उस आनंद को देख लो।

नोटबंदी को लेकर हम कुछ भी कहें लेकिन जब प्रधान मंत्री जी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि मैं जो निर्णय ले रहा हूं , इसके कारण कुछ-न-कुछ परेशानियां होंगी। लेकिन तब भी मैं देश की जनता से आग्रह करता हूं कि जब हम पिक्चर देखने सिनेमा हॉल जाते हैं तो क्या वहां पर भी पहले टिकट के लिए लाइन में खड़े नहीं होते? कई बार तो पुलिस से डंडे भी खाते हैं।

जगजीवन पाल जी, आप कह रहे थे कि कितने लोग ATM की लाइन में मारे गए। अरे, याद करो, जब 1947 में भारत के टुकड़े हुए थे, पाकिस्तान बना था और लाखों हिंदुओं का कत्लेआम हुआ था उस समय किसकी सरकार थी? याद करो कि जब 1984 के दंगे हुए जिनमें हजारों सिख मारे गए, तब किसकी सरकार थी? सन् 1971 में जब पाकिस्तान के एक लाख सैनिक पकड़े गए, उनको छोड़ने वाली सरकार किसकी थी? आप यह भी याद करो कि जब 1992 में गुलामी का प्रतीक एक बाबरी मस्जिद का ढांचा गिरा जिसमें सैंकड़ों राम भक्त मारे गए, तब किसकी सरकार थी? ---(व्यवधान)--- केंद्र में किसकी सरकार थी?

22.12.2016/1550/SLS-A g-2

आने वाले दिनों के ख़तरे को लेकर आशा कुमारी जी ने भी शोले फिल्म का डॉयलाग बोला। अभी किसी और ने भी कहा। शोले फिल्म में क्या कहते थे - 'बेटा, सो जा नहीं तो गब्बर सिंह आ जाएगा।' अब नरेन्द्र मोदी जैसे ही कहते हैं कि 'मित्रों, बहनों और भाइयों' तो आतंकवादी और भ्रष्टाचारी कांग्रेसियों की हालत खराब हो जाती है। नींद आने का नहीं बल्कि जाने का काम करती है। पर नींद आएगी कैसे? अभी तो देखते जाइए। उन्होंने यह कहा है कि अभी तो मैंने यह शुरू ही किया है, अभी देखते जाओ। अगर ज्यादा छेड़छाड़ करोगे तो 60, 70 और 80 सालों का सारा कुछ निकालूंगा। बारी-बारी निकालूंगा।

विमुद्रीकरण के निश्चित रूप से लाभ हैं। इस फ़ैसले के कारण भ्रष्टाचार पर बड़े तौर पर लगाम लगी है और आने वाले दिनों में लगेगी भी। देश में कैशलैस इकोनोमी को बढ़ावा मिलेगा। जो नकली करंसी चल रही थी वह बंद होगी और जो काला धन रियल एस्टेट में लगता था

जारी ...गर्ग जी द्वारा

22/12/2016/1555/RG/AS/1

श्री गोविन्द सिंह ठाकुर-----क्रमागत

वह पारदर्शी होगा और काला धन इससे खत्म होगा और फाइनैन्शियल सेविंग्ज में भी इससे इजाफा होगा। इससे साढ़े चौदह लाख करोड़ रुपये जो बैंकों में जमा हुआ है उसके कारण कर्ज पर ब्याज की दरें भी कम होंगी। बैंक दिलेरी से पैसा देंगे। तिजारियों में जो पैसा पड़ा था वह भी बैंकों में वापस आ गया। इसलिए अनेक प्रकार के लाभ इसके कारण होंगे। उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो आप देखते जाएं। मैं माननीय मुख्य मंत्री के ध्यान में एक विषय लाना चाहता हूं, आप दूर की बात तो छोड़िए, लेकिन अगर 8 नवम्बर को नोटबन्दी न हुई होती, तो प्रदेश में काफी कुछ घट सकता था। हिमाचल प्रदेश के बंजार में आबिद नाम का आई.एस.आई.एस. का एक एजेन्ट पकड़ा गया जो अपना नाम पॉल रखकर गत 6 माह से वहां घूम रहा था और वह सिद्धवा के चर्च में था। वह माहौल के चर्च में भी रहा। उसने कुल्लू का पूरा दशहरा घूमा, पार्वती परियोजना का पूरा मुआइना किया। अब उसने स्वीकार किया है कि यदि 8 नवम्बर की नोटबंदी नहीं होती, तो मैं कुछ-न-कुछ करके इंडोनेशिया या सीरिया भाग जाता। इसलिए प्रधानमंत्री जी ने जो निर्णय लिया है हिमाचल प्रदेश उस निर्णय के कारण बचा है। --(घण्टी)--मुख्य मंत्री जी, यह हसने वाली बात नहीं है। मैं आपके ध्यान में लाता हूं कि आप अपनी सुरक्षा एजेन्सीज को कहिए, आज भी हिमाचल प्रदेश में आप कुल्लू-मनाली या कहीं भी आप देखो हिमाचल के आदमी का नाम है। मैं आपको मनाली की एक छोटी सी जानकारी देता हूं। वहां के एक व्यापारी का नाम है। नगर परिषद ने कहा कि 80 X 60 फुट एरिये का टेण्डर करेंगे और हिमाचल प्रदेश के मण्डी

जिले के व्यक्ति का नाम है। लेकिन जब उससे पूछताछ की, तो हमारे पास पैर पकड़ने के लिए एक हिमाचल से बाहर के समुदाय का व्यक्ति है, मैं नाम नहीं लूंगा, कोई मुहम्मद नाम का व्यक्ति आया, उसने कहा कि नाम उसका और पैसा मेरा फंसा है। लेकिन सरकार ने और जिला प्रशासन ने सुनी नहीं और परसों-चौथ जब व्यापार मण्डल ने उसकी वी.डी.ओ. फिल्म बनाई, तो वह 80 बाई 60 फुट एरिया नहीं है, वह 200 बाई 10 फुट का एरिया है और यह सब लाखों करोड़ रुपये कहां-कहां से आए?। इसमें कई बातों की जांच की जा सकती है। इसलिए इन बातों को नजर अन्दाज नहीं किया जा सकता। मुझे लगता है कि नोटबन्दी के कारण ऐसे लोगों पर रोक भी लगी है। इसमें और अधिक सख्ती से जांच करने की आवश्यकता है। --(घण्टी)-- 80 बाई

22/12/2016/1555/**RG**/**AS**/2

60 फुट ऐरिये के स्थान पर 200 बाई 10 फुट एरिया निकला। जब आपने कहा कि ठेकेदार ने यह कैसे लिया, तो आपके पैर पकड़ने के लिए वे लोग आ गए और उन लोगों की हिम्मत देखिए कि आबिद उसका नाम है। उनकी हिम्मत कितनी है कि वे वहां के एम.एल.ए. और स्थानीय लोगों के खिलाफ पुलिस को शिकायत भी कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष : श्री गोविन्द्र सिंह जी कृपया समाप्त करिए।

श्री गोविन्द सिंह ठाकुर : इसलिए मेरा कहना है कि सोचिए कहां-कहां पर क्या चला हुआ है। मैं कहता हूं कि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने जो यह निर्णय लिया है यह देश के हित में लिया है। पहले पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक हुआ और दूसरा सर्जिकल स्ट्राइक काले धन वालों पर हुआ और भ्रष्टाचारियों के पास जो काला धन था वह मिट्टी के ढेर में बदल गया और आने वाले दिनों में भारत निश्चित रूप से सोने की चिड़िया बनेगा और भारत विश्व का गुरू बनेगा। जिसके लिए देश की जनता ने श्री नरेन्द्र मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनाया है आगे भी वे प्रधानमंत्री बनेंगे। कुछ समय बाद हिमाचल प्रदेश में जो चुनाव होने वाला है उसमें भी सत्ता पलट होगा और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अगले वक्ता एम.एस. द्वारा शुरू

22/12/2016/1600/**MS**/**AG**/1

उपाध्यक्ष: अब श्री इन्द्र दत्त लखनपाल (मुख्य संसदीय सचिव) चर्चा में भाग लेंगे।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल (मुख्य संसदीय सचिव): उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे माननीय सदस्य श्री महेन्द्र सिंह जी ने नियम 101 के तहत जो भ्रष्टाचार व कालेधन पर संकल्प लाया है उस पर बोलने का मौका दिया, आपका धन्यवाद।

उपाध्यक्ष जी, यहां पर नोटबंदी के ऊपर काफी चर्चा देखने को मिली। आज पूरे देश में नोटबंदी का जो सिलसिला चला हुआ है उसके बारे में मेरे विपक्ष के साथी बढ़ा-चढ़ाकर प्रधानमंत्री जी की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह जी को बधाई देना चाहूंगा और उनका धन्यवाद करना चाहूंगा कि जब देश में नोटबंदी का मसला आया तो हमारे इस छोटे से पहाड़ी राज्य के दूर-दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में नोटबंदी से हुई समस्या को देखते हुए वहां हैलिकॉप्टर के माध्यम से धन पहुंचाया। नोटबंदी का पूरे देश में सभी ने समर्थन किया लेकिन जो समस्याएं इससे उत्पन्न हुई हैं और हररोज़ उत्पन्न हो रही हैं, उनके बारे में कांग्रेस पार्टी ने सदन के बाहर भी और सदन के अंदर भी अपनी बात को रखा है। हालांकि अन्य दलों ने भी रखा है लेकिन भाजपा के लोग मीडिया के माध्यम से यह दिखाना चाह रहे हैं कि यह बहुत ही ऐतिहासिक फैसला है। यह उनके लिए ऐतिहासिक फैसला हो सकता है। जैसा माननीय सदस्य महेन्द्र सिंह जी बोल रहे थे कि हमारे हिमाचल प्रदेश में इस वजह से किसी की मृत्यु नहीं हुई और किसी की शादी नहीं टूटी, यह सरासर झूठ है।

उपाध्यक्ष जी, मैं अपने क्षेत्र की बात करूंगा। हमारे क्षेत्र में ही ऐसी महिलाएं जो विधवा थीं, स्वयं उपचार के लिए टांडा या आई0जी0एम0सी0 गई हुई थीं और घर में उनकी बेटियों के विवाह थे, वे लोग सहायता मांगने के लिए मेरे पास आए। जैसे सत्ती जी कह रहे थे कि कोई भी दुकानदार कपड़े और राशन देने के लिए मना नहीं करता। लेकिन उन गरीब लोगों को उन दुकानदारों ने राशन देने से मना कर दिया कि हम पैसे कहां से लेंगे। हमने व्यक्तिगत तौर पर उन लोगों की शादियां करवाई और बीमार लोगों का ईलाज

करवाया। यह छोटी बात नहीं है। आज नोटबंदी से पूरे देश में जो आतंक की बात कर रहे हैं बल्कि आज तो माननीय प्रधानमंत्री जी ने हर किसी को

22/12/2016/1600/**MS**/**AG**/2

भ्रष्टाचारी बना दिया है। जो बुजुर्ग थे, जो बुजुर्ग माताएं और बहनें थीं जिन्होंने थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा करके घरों में रखा हुआ था, उसको क्या भ्रष्टाचार की संज्ञा दी जानी चाहिए? भ्रष्टाचारी लोग तो पूरे देश में कितने होंगे? बड़े-बड़े लोग पूरे देश में कितने होंगे? उन्होंने तो 10 महीने में अपना इंतजाम कर लिया लेकिन जो गरीब आदमी थे, जो बुजुर्ग थे और बुजुर्ग माताएं थीं जिन्होंने थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा किया हुआ था उसको भी कालेधन की संज्ञा दी गई। यह शर्म की बात है। आज पूरे देश के लोगों को प्रधानमंत्री जी ने भ्रष्टाचारी बना दिया है। क्या इसलिए वे महान व्यक्ति हैं? आज भी टी0वी0 चैनलों के ऊपर क्या दिखाया जाता है? कालेधन के ऊपर जो बैंकों में ए0टी0एम0 के बाहर लाइन लगी हुई है उसको थोड़ा सा दिखाया जाता है और वहां पर क्या दिखाया जाता है कि 4-5 जो वहां पर भाजपा से संबंधित लोग होते हैं उनके पास मीडिया वाले जाते हैं। वे लो भाजपा की तारीफ करते हैं और कैशलैस इकॉनोमी की बात करते हैं। जो देश 200 से 250 वर्ष हमारे देश से आगे हैं वहां पर कैशलैस इकॉनोमी कितनी है? आज भी वे 40-45 प्रतिशत से ऊपर नहीं बढ़े हैं। हमारे देश को आजाद हुए केवल 70 साल हुए हैं। जैसे यहां कहा गया कि हमारे जो दूर-दराज़ के क्षेत्र हैं जहां ए0टी0एम0 नहीं है वहां पर लोगों के क्या हाल हो रहे होंगे? इस बारे में न टी0वी0 में दिखाया जा रहा है और न ही मीडिया के माध्यम से कोई बात करता है। यह दर्द दूसरी तरफ भी है लेकिन यह अलग बात है कि प्रधानमंत्री इनके दल के हैं इसलिए ये अपनी व्यथा नहीं सुना पाते। इनके क्षेत्रों में भी यही हाल है। मेरे क्षेत्र में 8 ए0टी0एम0 हैं जिनमें से 7 बंद हैं। ए0टी0एम0 में पैसा ही नहीं है। वहां दो-दो हजार रुपये के नोट आते हैं और 15-20 मिनट के बाद वे भी खत्म हो जाते हैं और जय राम जी की।

जारी श्री जे0एस0 द्वारा-----

22.12.2016/1605/**जेके**/**एएस**/1

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल(मुख्य संसदीय सचिव)-----जारी-----

धर्मशाला की बात करते हैं यहां पर भी ए0टी0एम0 में यही हाल है। आधे दिन के बाद पैसा नहीं मिलता है। यह जो स्थिति बनी है इसके लिए बिना सोचे-समझे यह कदम उठाया गया यह देश हित में नहीं है, न ही यह गरीबों के हित में है और न ही यह मध्यवर्गीय परिवारों के हित में है। आप शादियों की बात करते हैं। बहुत सी ऐसी शादियां हुई हैं जिन्होंने अपने रिश्तेदारों से पैसा इकट्ठा किया फिर शादियां की। लोगों को पैसे नहीं मिले। अढ़ाई लाख रूपए तो कह दिया गया। आम ऐसे व्यक्ति जिनको यह बात समझ में नहीं आई वे बैंकों में चले गए कि अढ़ाई लाख रूपए मोदी जी ने दिए हैं हमें दो। जब उनको वहां से भगाया गया तब उनको पता चला कि हमारे बैंक में अढ़ाई लाख रूपए ही नहीं है। वह भी कंडिशनल और उसमें इतनी ज्यादा कंडिशन्ज़ लगा दी गई जिसका कोई हिसाब नहीं है। अब धीरे-धीरे रोज़ नई नई स्टेटमैंट्स आर0बी0आई और सरकार की तरफ से आ रही है वह भी एक चिन्ता का विषय है। वे कभी बोलते हैं कि इतने नोट जब जमा होंगे उसके बाद ये होगा और अब ये सूचनाएं वापिस ली जा रही है। जहां तक चीफ जस्टिस महोदय की बात हुई उन्होंने कोई गलत बात नहीं कही थी बल्कि उन्होंने ठीक कहा था। जहां पर दंगे-फसाद हो रहे हैं उसके बारे में टी0वी0 चैनलों में दिखाया गया। बुजुर्गों को पीटा गया। महिलाओं को पीटा गया। 100 से अधिक लोग मारे गए, उसके बारे में कोई चर्चा नहीं। प्रधानमंत्री महोदय को तो छोड़िए जो थोड़ा संयम रखते हैं, जिनका दिल पसीजता है, उन्होंने कोई भी स्टेटमैंट भारतीय जनता पार्टी की तरफ से नहीं दी। भारतीय जनता पार्टी के जो नेता हैं वे भी इसके बहुत खिलाफ हैं, यह अलग बात है कि वह प्रधानमंत्री के आगे बोल नहीं पाते हैं। उनके अन्दर भी विरोधाभास है। जो एन0डी0ए0 का गठबन्धन है उसमें भी उनका विरोधाभास है। पिछले कल आन्ध्र प्रदेश के चन्द्रबाबू नायडू ने अपना विरोध जताया है। देश के अन्दर जो हमारे गरीब लोग हैं, किसान हैं, बागवान हैं, जो छोटी-छोटी फसलें उगा करके अपनी रोज़मर्रा की जिन्दगी चलाते हैं उनके पास पैसा नहीं है। यहां चण्डीगढ़ इलैक्शन की बात करते हुए ये लोग बहुत खुश हो रहे थे। वहां पर एक लाख

22.12.2016/1605/**जेके/एएस**/2

वोट कांग्रेस पार्टी को मिला है और 1 लाख 29 हजार वोट भारतीय जनता पार्टी को मिला है, जिसमें कि कोई ज्यादा फर्क नहीं है। इसमें ज्यादा खुश होने की बात नहीं है। कुछ ही दिनों में पता लग जाएगा। अभी पंजाब के इलैक्शन आ रहे हैं, मणिपुर, उत्तर प्रदेश और गोआ के इलैक्शन आ रहे हैं। दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जाएगा। आज देश के अन्दर भायवह परिस्थितियां पैदा हो गई है । हमारी अर्थव्यवस्था कहां चली गई है? टूरिज्म खत्म हो गया। 60 प्रतिशत जो होटल्ज हैं उनमें बुकिंग नहीं हो रही है। फिर आप बोलते हैं कि बहुत अच्छा निर्णय है। 31 दिसम्बर के बाद इस देश में क्या होगा यह तो किसी को पता ही नहीं है? कितने लोग परेशान होंगे और कितने मरेंगे यह भी किसी को पता नहीं है? अभी हमारे देश के अन्दर कई हिस्से ऐसे हैं जहां पर ए0टी0एम0 और बैंक भी नहीं है। वे कहां से पैसा लाएंगे? उनको पैसा देने के लिए क्या प्रावधान है? ये सारी की सारी बातें मैं आपके समक्ष रखना चाहता हूं। दूसरे यहां पर जैसे कि कहा गया कि जो प्राईवेट सेक्टर्ज हैं जिनका पैसा बैंकों के अन्दर आया है इसका न आम व्यक्ति को फायदा होगा और न ही मध्यवर्गीय परिवारों को फायदा होगा। आम व्यक्ति बहुत कम लोन लेता है। मध्यम वर्गीय परिवार बहुत कम लोन लेते हैं। लोन कौन लेता है जो बड़े-बड़े लोग कॉर्पोरेट सेक्टर में है वे बड़े-बड़े लोन लेते हैं उनको लाभ दिखाने के लिए उनको लाभ देने के लिए यह सारी की सारी रचना रची गई और उसका लाभ भी उन्हीं को होगा आम आदमी को इसका कोई लाभ नहीं होगा। कॉलेजिज़ में बच्चों ने फीसें देनी है और आप कैशलैस की बात करते हैं। कैशलैस तो थोड़ा सा शहर के अन्दर कामयाब हो सकता है। जो ऐसे लोग हैं जिनको पे0टी0एम0 के बारे में कोई पता नहीं है। मोबाईल चलाना उनको नहीं आता, ऑन लाईन बैंकिंग का उनको पता नहीं है वे कैसे कामयाब होंगे इसके बारे में तो प्रधान मंत्री जी और भारतीय जनता पार्टी के लोग ही बता सकते हैं। लेकिन जहां तक मैं समझता हूं कम से कम इसमें दो वर्ष अभी और लगेंगे तब कहीं जो करके हालात सामान्य होंगे। आज एक हजार का नोट बन्द कर दिया और दो हजार रूपए का नोट चला दिया, क्या कारण रहे वह सारे का सारा पैसा जो नई करंसी है, वह 44 दिन में आम आदमी के पास न पहुंच कर ऐसे लोगों के पास पहुंच गई जिन्होंने दलाली का धंधा खोल रखा है।

श्री एस0एस0 द्वारा जारी----------

22.12.2016/1610/**SS/AG**/1

श्री इंद्र दत्त लखनपाल, मुख्य संसदीय सचिव क्रमागत:

भले ही वे रेड से पकड़े जा रहे हैं या कैसे भी पकड़े जा रहे हैं, इसकी क्या पहले उनको परिकल्पना नहीं थी। उन्होंने कल्पना नहीं की, यही तो कांग्रेस पार्टी बोल रही है कि आप लोगों ने यह जल्दबाजी में कदम उठाया। इससे आम आदमी को नुकसान हुआ है, धनासेठों और दलालों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। वह आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। जब यह करंसी फ्लो में आयेगी तो यह फिर दोबारा से वैसी-की-वैसी लोगों के पास चली जायेगी। ये यहां पर ठीक कहा कि जो लोग बैंक से पैसा निकाल रहे हैं वह जमा नहीं करवा रहे और यह सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि आप बैंकों में पैसा रखें, अपने पास मत रखें। लेकिन जो छोटे-मोटे कारोबार करते हैं, गरीब लोग हैं, जो हॉस्पिटल में जाकर अपना इलाज करवाना चाहते हैं वे तो थोड़ा बहुत कैश अपने पास रखेंगे ही और हिन्दुस्तान में 90 परसैंट लोग कैश के साथ अपनी ट्रांजैक्शन करते हैं तो यह कैशलैस इकोनॉमी हमारे देश में कामयाब नहीं हो सकती। इसका अभी आने वाले समय में सबको पूरा पता लगेगा। अभी आप सभी बहुत खुश हो रहे हैं लेकिन आज जो वर्तमान समय में देश में परिस्थितियां हैं वे बहुत भयावह हैं। लोग तंग हैं। लेकिन सिर्फ उन लोगों को मीडिया के माध्यम से प्रचारित किया जाता है जिनको कोई नुकसान नहीं है। जो नौकरीपेशे वाले लोग हैं, रिटायर्ड लोग हैं, उनको भले कोई फर्क न पड़ा हो लेकिन जो रोज़ मेहनत मजदूरी करता है, 100 रुपये या 200 रुपये कमाता है उसको बहुत नुकसान है। आज इंडस्ट्रीज़ बंद हो गईं। इंडस्ट्री ग्रोथ का पूरे देश में क्या हाल है वह देख लीजिये। हमारे ही प्रदेश में जो इंडस्ट्रियल एरियाज़ हैं वहां से नौजवान लड़के घरों को वापिस आ रहे हैं। तनख्वाह देने को उनके पास पैसा नहीं है। लुधियाना, अमृतसर के अंदर जो बड़े-बड़े कारखाने हैं वहां के लिए टी0वी0 के माध्यम से रोज़ स्टेटमैंटस आ रही हैं कि तनख्वाह देने के लिए पैसा नहीं है। उनको 50 हजार रुपये की लिमिट रखी गई है। उससे ज्यादा वे हफ्ते में निकाल नहीं

सकते तो उन्होंने जो लाखों रुपया देना है वह कैसे देंगे? उनके पैसा नहीं है। बैंकों में पैसा नहीं है। ट्रांजैक्शन्ज़ बंद हो गई हैं। लोगों के व्यवसाय बंद हो गये हैं और फिर भी यह कहा जा रहा है कि यह देशहित में लिया गया बहुत बड़ा

22.12.2016/1610/**SS**/**AG**/2

ऐतिहासिक कदम है। महान् नेता का बहुत बड़ा कदम है। क्या आज से पहले महान् नेता नहीं हुए। महान् नेता वे हुए जिन्होंने इस देश के लिए बलिदान दिये। उनका नाम तक लेने में इन लोगों को तकलीफ होती है। आप टैक्नोलॉजी की बात करते हैं। राजेश धर्माणी जी ने ठीक कहा कि अगर इस देश में कोई टैक्नोलॉजी लेकर आए तो वह स्वर्गीय राजीव गांधी जी लेकर आए। आज अगर इतना इतरा रहे हैं कैशलैस इकोनॉमी की बात करते हैं, आई0टी0 युग की बात करते हैं, बड़े-बड़े विज्ञापनों में अपने को प्रचारित करते हैं तो वह राजीव गांधी की देन है। मनरेगा जैसी स्कीम को इन्हीं प्रधान मंत्री जी ने लोक सभा के अंदर ये कहा था कि हम इसको कांग्रेस पार्टी का गड्ढों का प्रतीकचिन्ह बनाकर दिखायेंगे। आज मनरेगा के माध्यम से महिलाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक में खाते खोले। उनकी आर्थिकी सुदृढ़ हुई। यह कहना कि ये सब महान् हो गये ऐसा नहीं है। हमारे देश ने बहुत बड़े-बड़े काबिल नेता इस देश को दिये हैं। जहां हमारे देश में सूई नहीं बनती थी आज जहाज बन रहे हैं। बड़ी-बड़ी बंदरगाहें बन रही हैं। ये कोई दो साल में नहीं बन रही हैं। मैं तो इसके बिल्कुल खिलाफ हूं और ये जो संकल्प माननीय सदस्य लाए हैं मैं निवेदन करूंगा कि आप इस सदन के बहुत वरिष्ठ नेता हैं, इस संकल्प को लाने से पहले आपको सोचना चाहिए था क्योंकि जो आपने इसमें मुद्दा उठाया है जैसा कि श्रीमती आशा कुमारी जी ने यहां कहा कि जो आपने यहां बात रखी वह हमारे माननीय मुख्य मंत्री के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती है वह तो देश के प्रधान मंत्री या देश की सरकार जाने कि उन्होंने किस प्रकार से इसको लागू करना है। इसलिए मेरा निवेदन है कि आप यह प्रधान मंत्री महोदय के समक्ष रखें कि इससे आम जनता को बहुत नुकसान हुआ है। गांव के लोगों को नुकसान हुआ है इसके ऊपर विचार किया जाना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

22.12.2016/1610/**SS**/**AG**/3

उपाध्यक्ष: श्री विजय अग्निहोत्री जी।

श्री विजय अग्निहोत्री: आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य, श्री महेन्द्र सिंह जी ने जो संकल्प नोटबंदी पर इस माननीय सदन में रखा है उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। जब से कॉलेज समय में मैं स्टूडैंट्स ऑर्गेनाईजेशन में काम करने लगा तब से लेकर आज तक एक महत्वपूर्ण विषय जो चर्चा में आया वह इस देश में फैल रहा भ्रष्टाचार था

जारी श्रीमती के0एस0

22.12.2016/1615/**केएस**/**एजी**/1

श्री विजय अग्निहोत्री जारी....

और इस भ्रष्टाचार के विराध में बहुत से आन्दोलन भी हुए। बहुत से लोगों ने पार्टी छोड़कर अन्य पार्टी खड़ी करके चुनाव लड़े चाहे वे वी.पी. सिंह थे। बहुत से युवा संगठनों ने भी उस संघर्ष में हिस्सा लिया। उसके पश्चात् एक अच्छा कानून बने, उसके लिए अन्ना हजारे जैसे लोगों ने आन्दोलन किया। उसमें से केजरीवाल जैसे नेता और आप जैसी पार्टी भी उभर कर आई लेकिन भ्रष्टाचार जस का तस था। आम व्यक्ति की यह भावना थी कि इस देश से अगर भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा तो यह देश आगे नहीं बढ़ सकता है। 2014 का चुनाव जब

आया तो नरेन्द्र मोदी जी ने देश के समक्ष प्रस्ताव रखा कि यह देश भ्रष्टाचार मुक्त हो और जो विदेशों में काला धन है वह इस देश में आए, इस देश की प्रगति, उन्नति, विकास में वह काम आए, आम व्यक्ति के लिए उससे सुविधाएं हो। 2014 में जब चुनाव हुए, उसके पश्चात इस देश में आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनी। उस सरकार ने आते ही भ्रष्टाचार को कैसे खत्म किया जाए उसके लिए कदम उठाने शुरू किए। चाहे वह पहली ही बैठक में एस.आई.टी. का गठन हो, चाहे विदेशों में जाकर उनके साथ समझौता करते हुए वहां ब्लैक मनी किसकी है, उसकी लिस्ट लाए, उसके ऊपर काम करना आरम्भ किया, चाहे इस देश के अंदर जो यहां लोगों के पास काला धन है उसको कैसे सर्कुलेशन में लाया जाए उसके लिए कैसे 45 प्रतिशत टैक्स जमा करवा कर अपने धन को सफेद किया जा सकता है, सर्कुलेशन में लाया जा सकता है, उसके लिए 30 सितम्बर तक अभियान चलाने की बात हो और उसके पश्चात् जब यह लगा कि अभी भी इस देश के अंदर ऐसा काला धन है जो लोगों के पास पड़ा है और जो इस सर्कुलेशन में नहीं आ रहा है, देश के विकास में नहीं आ रहा है तो 8 नवम्बर को मोदी जी ने यह घोषण की। यह बहुत ही ऐतिहासिक और साहसिक कदम था और भ्रष्टाचार को खत्म करने की ओर एक कदम है। मेरे कई विपक्षी मित्रों का यह कहना है कि हमने पूरी तैयारी के साथ यह नहीं किया, इसके प्रभाव क्या हो रहे हैं, तो दोस्तो यह बीमारी बहुत पुरानी है। जब कैंसर का ईलाज होता है तो सबसे पहले उसको डिडक्ट करने के लिए टैस्ट होते हैं, उसके बाद धीरे-धीरे उसका ईलाज

22.12.2016/1615/**केएस/एजी**/2

शुरू होता है और उसमें जब कीमो देते हैं तो उस कीमो से व्यक्ति को भी बहुत ज्यादा तकलीफ होती है लेकिन उसके ईलाज के लिए वह आवश्यक होता है। आपने कहा कि पहले ही पैसे छाप लो और फिर लोगों में बांट दो, ए की जगह बी के रख दो और बी की जगह सी के रख दो तो ऐसे तो भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए एकदम स्टैप उठाने पड़ते हैं और वही आदरणीय मोदी जी ने उठाए और उन्होंने कहा कि इससे तकलीफ नहीं असुविधा लोगों को जरूर होगी लेकिन आज देश के लोग

प्रधानमंत्री जी के साथ खड़े हैं। जब अन्य दलों को लगा कि यह तो गेंद हमारे पाले से चली गई तो उन्होंने इसका विरोध करने बारे सोचा कि लोग तो लाइनों में लग गए। बहुत से राजनेता उन लाईनों के बीच में भी गए। उनके गो-बैक के नारे भी लोगों ने लगाए। मोदी-मोदी के नारे वहां लगाए और वट्सऐप पर तो ऐसा भी चला कि आपके वरिष्ठतम नेता अपने घर मे जा कर पूछते हैं कि मेरी शक्ल क्या मोदी से मिलती है? बोले, नहीं क्यों, तो वे बोले कि मैं लोगों के बीच में जाता हूं तो लोग मोदी-मोदी,मोदी-मोदी कहना शुरू कर देते हैं। आज देश की जनता मोदी जी के साथ है। मुख्य मंत्री जी ने इस फैसले को साहसिक बताते हुए इसका स्वागत किया था। आज प्रदेश की सरकार इसके लिए गम्भीर हो, उसके लिए काम करे, इसकी आवश्यकता है। आशा कुमारी जी ने कहा कि हमें नहीं बताया।

आदरणीय मुख्य मंत्री जी, मैं आपके ध्यान में कुछ बातें लाना चाहता हूं। इस देश में जब 8 नवम्बर, 2016 को नोटबन्दी हुई। पांच सौ और एक हजार रुपये के नोट जब बन्द हुए तो पूरी रात भर जिनके पास ब्लैक मनी था, नोटो के अम्बार थे, उनकी नींदे हराम हो गई। उन्होंने रातों-रात करोड़ो रुपये का सोना खरीदने की कोशिश की। सुनारों की दुकानों पर गए। शिमला, हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा में आप सारे सुनारों की दुकानों का हिसाब-किताब लीजिए कि किसने कितना सोना किस भाव से खरीदा। डेढ़-डेढ़ लाख रुपये तोला सोना इस प्रदेश में बिका। इस देश के कॉप्रेटिव सोसायटीज़ में, कॉप्रेटिव बैंकों में, इस प्रदेश के कांगड़ा कॉप्रेटिव बैंक में रात को बारह-बारह बजे तक लोगों के खाते खुले वहां उनके पैसे गए। इस सारी चीज़ का आपको हिसाब लेना चाहिए।

श्रीमती अ0व0द्वारा जारी---

22.12.2016/1610/**AV**/**AG**/1

श्री विजय अग्निहोत्री----------- जारी

जिस दिन देश में नोटबंदी हुई तो प्रधान मंत्री जी ने कहा कि अस्पतालों में ये नोट चलेंगे, मैडिकल स्टोर में ये नोट चलेंगे। ये नोट बिजली/ पानी बिल के भुगतान के लिए चलेंगे। ये

नोट बस किराये, रेलवे और एयर लाइन्स बुकिंग के लिए चलेंगे। ऐसी बहुत सी चीजें बताई। मुख्य मंत्री जी, यहां प्रदेश में चाहे वह एस0डी0एम0 का कार्यालय था या आर0टी0ओ0 का कार्यालय था या कोई अन्य कार्यालय थे उनके बाहर दूसरे दिन नोटिस लग गये कि पुराने नोट नहीं लिए जायेंगे। लोगों ने बहुत मुश्किल से इधर-उधर से छोटे नोटों का प्रबंध करके बिलों का भुगतान किया। लेकिन जब वही कार्यालय उस पैसे को ट्रेज़री में जमा करवाने गये तो वहां पर बड़े नोट जमा हुए। उसका पता लगाया जाए कि वह नोट कहां से आए। इस तरह से किसका पैसा ब्लैक से व्हाइट होता रहा। वह धन्धा कई दिनों तक चलता रहा। एच0आर0टी0सी0 के बड़े-बड़े अधिकारियों ने आर0टी0ओ0 के ऑफिसिज में वहां के ट्रांसपोर्टरों को बुलाकर मीटिंगें की और मीटिंगों में उनको 50-50 हजार और लाख-लाख रुपये के पुराने नोट देकर नये नोट लाने का आदेश दिया। वह पैसा किसका था, वह ब्लैक मनी किसकी व्हाइट होती रही? प्रदेश सरकार इस विषय में गम्भीर नहीं है। स्टेट कोऑप्रेटिव बैंक, कांगड़ा कोऑप्रेटिव बैंक रात के 12-12 बजे तक खाते खोलते हैं। ये बैंक क्या स्टेट गवर्नमैंट के अंडर नहीं आते? क्या आप इन सारी चीजों की इनवैस्टिगेशन करवायेंगे? रातों-रात जो पैसा सोसाइटियों में, कोऑप्रेटिव बैंक्स में, एच0आर0टी0सी0 के माध्यम से, आर0टी0ओ0 के माध्यम से, एस0डी0एम0 के माध्यम से, आर0एल0ए0 इत्यादि के माध्यम से व्हाइट होता रहा। लोग बिजली के बिल सौ-सौ रुपये के नोटों में जमा करवाते रहे। बिल जमा हुए सौ-सौ के नोटों में मगर वह पैसा जब ट्रेज़री में जमा होने जाता है तो 500 रुपये और 1 हजार रुपये के नोटों में बदल जाते हैं। इस प्रकार से किसके पैसे व्हाइट होते रहे? इस बारे में प्रदेश सरकार को सोचने की जरुरत है। इस बारे में जांच करवाने की आवश्यकता है और

22.12.2016/1610/**AV**/**AG**/2

ऐक्शन लेने की जरुरत है। इस देश से भ्रष्टाचार ऐसे नहीं मिटेगा। लोग बोलते हैं कि ऐसे हो गया, लाइनें लग गई, किसी की शादी टूट गई; असुविधा जरूर हुई है। जनता को

तकलीफ हुई है, कई चीजों की कमी हुई है मगर इस देश और हमारे प्रदेश की जनता यह जानती है कि जब कोई बड़ा निर्णय लेना होता है तो उसके लिए कई बार असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। कई बार अपने लिए अच्छा मकान बनाना हो तो पुराने मकान को तोड़कर किराये के मकान में भी रहना पड़ता है। छोटे से दो कमरों के मकान में भी गुजारा करना पड़ता है। इस देश की जनता इन सारी परिस्थितियों को झेलने के लिए तैयार है और जो तैयार नहीं है वे ऐसे लोग हैं जिनके पास कालाधन पड़ा था। जिनको अपनी सारी गेम बिगड़ती हुई दिख रही थी। यहां पर भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े-बड़े आन्दोलन हुए। अन्ना हजारे का आन्दोलन हुआ और केजरीवाल जी भी उसमें से पैदा होकर आए। मगर अफसोस के साथ यह कहना पड़ रहा है कि जो भ्रष्टाचार का विरोध करते-करते नेता बना वह भी आज भ्रष्टाचार में संलिप्त हो गया है और वह देशहित में हो रहे निर्णयों का विरोध कर रहा है। मुझसे पूर्व बहुत से वक्ताओं ने भ्रष्टाचार की बात की है। पिछले कल राहुल गांधी जी ने जो कहा उसके बारे में भी बात कर रहे थे। मैं तो उस समय से स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन से जुड़ा हूं जब इस देश के प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी बने थे और उनको मिस्टर क्लीन कहा जाता था। लेकिन तीन साल के पश्चात 'मिस्टर क्लीन, मिस्टर क्लीन नकली क्यों है तोप मशीन' का नारा इस देश में आया। फिर 'फैक्स, पनडूब्बी, बोफोर्स उनके तीन साल के कोर्स', हर्षद मेहता का घोटाला, यु0टी0आई0 का घोटाला, चीनी का घोटाला, उर्वरक का घोटाला, 2-जी स्पैक्ट्रम घोटाला, कॉमन वैल्थ गेम्ज घोटाला, आदर्श सोसाइटी घोटाला, वैस्टलैंड हैलीकॉप्टर घोटाला; आसमान से लेकर पाताल तक कोई क्षेत्र ऐसा नहीं छूटा जहां घोटाला न हुआ हो। इन घोटालों के कारण करोड़ों- अरबों रुपये विदेशों में पहुंचे। मोदी जी ने नोटबन्दी की और आज ऐसा समय आ गया है जब कोई बोलता है कि तेरे खाते में पैसा डालता हूं तो लोग बोलते हैं कि

22.12.2016/1610/**AV**/**AG**/3

नहीं, मेरे खाते में पैसा मत डालना। पैसा आ रहा है, किसी के खाते में 9800 करोड़ रुपये आ गये तो कहा जाता है कि यह पैसा मेरा नहीं है। यह पैसा पता नहीं किसने डाल दिया। यह पैसा आता जायेगा, आप चिन्ता मत करो। आपके पास पैसे की कमी नहीं रहेगी मगर नीयत ठीक रखना। इस देश और हमारे प्रदेश को आगे ले जाने के लिए तथा विकास करने के लिए वह चीजें लगे। इस देश तथा हमारे प्रदेश से भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए कुछ और कड़े कदम भी उठाने पड़े तो उसके लिए

श्री वर्मा द्वारा जारी

22.12.2016/1625/TCV/AG/1

श्री विजय अग्निहोत्री --- जारी।

इस देश के प्रधान मंत्री की पीठ थपथपानी चाहिए कि प्रधान मंत्री जी आगे बढ़ो, हिमाचल प्रदेश का मुख्य मंत्री/मंत्री/विधायक और हिमाचल प्रदेश की पूरी जनता आपके साथ है। ऐसा बोलने की आवश्यकता है। श्री लाल बहादूर शास्त्री जी ने लोगों से आह्वान किया था कि इस देश में अनाज की कमी है और आप सप्ताह में एक दिन ब्रत रखो। पूरे देश ने ब्रत रखा था, लेकिन उसके बाद डाईल्यूशन आती गई। प्रधान मंत्री जो कहते थे, लोग उसको सीरियसली नहीं लेते थे। आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस देश में एक चीज ऐस्टैब्लिश करने की कोशिश की और ऐस्टैब्लिश की कि प्रधान मंत्री जो बोलते हैं, उसके प्रति सीरियस हैं। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि जिनके पास कालाधन है, वह उस कालेधन को 45 परसेंट तक सफेद कर सकते हैं, ऐसा न करने पर 30 दिसम्बर, 2016 के बाद मैं आपको सोने नहीं दूंगा। अभी 8 दिन बीते थे और 8 दिन के पश्चात् उन सब काले-बाजारियों/कालेधन वालों की नींद हराम कर दी। प्रधान मंत्री जी जो कहते हैं, उसको करने का साहस रखते हैं। लोगों ने उस समय कालाधन क्यों जमा नहीं करवाया जब उन्होंने इसके लिए स्कीम चलाई थी। लेकिन ये नरेन्द्र मोदी जी की सरकार है, नरेन्द्र मोदी

जी ऐसी विचारधारा से ऊपर उठकर आये हैं और उन्होंने कहा है कि "परम भवतः स्वराष्ट्र समर्थ भवतःसुशान्ते वृरिष्म्" इस देश को परम वैभव पर ले जाने के लिए अगर मुझे अपना सर्वस्व भी नौछावर करना पड़े तो मैं करूंगा। ये मेरी कुर्सी मेरे लिए छोटी है। मेरे ऊपर कोई भी ऐक्शन कर सकता है, फिर भी मैं अपने निर्णय के लिए व इस देश को परम वैभव पर ले जाने के लिए लगा रहूंगा। ऐसी विचारधारा का व्यक्ति आज इस देश का प्रधान मंत्री है। उन्होंने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए आज एक बहुत बड़ा साहसिक कदम उठाया है। इस देश से घोटालों को खत्म करने की कोशिश की है। इस देश को अग्रिणी और सशक्त राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने खड़ा करने की कोशिश की है। इसलिए आदरणीय मोदी जी ने ये जो नोटबंदी की है, इसमें प्रदेश सरकार की ओर से जो सहयोग हो सकता है, वह करना चाहिए। इसमें मैंने कुछ बातें बताई है, बहुत से सैक्टर्ज़ हैं, बहुत-सी चीजें हैं, जो प्रदेश के स्तर से होनी

22.12.2016/1625/TCV/AG/2

हैं। पूरे देश में छापे पड़ रहे हैं, लेकिन यहां पर अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ है। ऐसे काले-बाजारियों और कालाधन रखने वालों के ऊपर यहां भी ऐक्शन होना चाहिए। आज कैसे कोई धन दूसरे के खाते में जाकर व्हाईट हुआ है, उसके ऊपर चैक लगाने, उसकी जांच करवाने और इन्क्वायरी करवाने की आवश्यकता है। आज को-ऑपरेटिव सोसाइटियों और को-ऑपरेटिव बैंक्स के माध्यम से जो कुछ हुआ है, उसके ऊपर चैक लगाने की आवश्यकता है। इसलिए केन्द्र सरकार द्वारा नोटबंदी को कड़ाई से लागू करने के निर्णय को माननीय मुख्य मंत्री जी के ध्यान में लाया हूं। मुझे लगता है कि देश में ऐसे राजनैतिज्ञ की आवश्यकता थी, जो कोई कुछ करने का मादा रखता हो, उन्होंने (प्रधान मंत्री) शुरूआत की है। यदि हम सब मिलकर उनके साथ चलेंगे, तो यह देश आगे बढ़ेगा और देश भ्रष्टाचार मुक्त होगा। फिर चाहे सरकार आपकी या हमारी आएगी। इससे देश

का भला होगा, मानवता का भला होगा और पूरे विश्व का भला होगा। आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

22.12.2016/1625/TCV/AG/3

उपाध्यक्ष: अब माननीय मुख्य मंत्री चर्चा में भाग लेंगे और चर्चा का उत्तर देंगे।

मुख्य मंत्री: आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, आज इस चर्चा के ऊपर बहुत से सदस्यों ने दोनों ओर से (पक्ष/विपक्ष) चर्चा में भाग लिया है। इसमें विपक्ष की तरफ से जो लोग बोले उन्होंने सिर्फ एक ही बात को उजागर किया है।

श्रीमती एन0एस0 द्वारा---- जारी।

22/12/2016/1630/**NS**/**AS**/1

मुख्य मंत्री महोदय ----- जारी।

मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री सम्माननीय श्री मोदी जी द्वारा जो नोटबंदी का एक्शन लिया गया है, वह देशहित में है और देशहित में तब तक है अगर काले धन को खत्म किया जाए। जब यह अध्यादेश लाया गया तब मैं उन मुख्यमंत्रियों में से एक था जिन्होंने इसका स्वागत किया। हम सब चाहते हैं कि देशहित में काला धन समाप्त किया जाना चाहिए। मगर इस ऐक्शन के बाद जो घटनायें घटी हैं उससे साबित होता है कि यह कार्रवाई जल्दबाज़ी में की गई है और उसके लिए जो पूरी तैयारी होनी चाहिए थी वह नहीं हुई थी। जिसकी वजह से देश के अंदर अफरा-तफरी मची हुई है। लोगों को बहुत कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। बैंकों में पैसे नहीं मिल रहे हैं। एटीएम में पैसे नहीं मिल रहे हैं और लोगों को अपना ही पैसा निकालने के लिए बैंकों/एटीएम के सामने लम्बी-लम्बी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है, ऐसा नहीं होना चाहिए था। उपाध्यक्ष महोदय, अगर यह कार्रवाई करनी थी और इसको गुप्त रखना ज़रूरी था तो उसके लिए कम-से-कम

पर्याप्त मात्रा में नोट छपवाये जाने चाहिए थे, उसके बाद यह कदम उठाया जाना चाहिए था। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो नये नोट छपवाये गए हैं उनका आकार ऐसा है कि वे मौज़ूदा एटीएम में रह जाते हैं। अगर पुराने आकार के ही नोट छपवाये जाते, चाहे उनका प्रिंट या कलर अलग होता तो एटीएम में भी वे नोट एकदम से जा सकते थे और बहुत सारी जो कठिनाईयां हुई हैं, एटीएम के सामने बड़ी-बड़ी लाईनें लगी हैं तो वे लाईन्ज़ शायद कम हो जाती। जल्दबाज़ी के कारण इंतजाम में कमी रह गई है। इससे खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को बहुत ही नुकसान/हानि हुई है तथा बहुत ही तकलीफ़ हुई है, इसमें कोई दो राय नहीं है। हिमाचल प्रदेश में आज भी यह तकलीफ़ महसूस की जा रही है। दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकत्ता और बैंगलूरू आदि जितने भी बड़े-बड़े नगर हैं, उनमें आज भी यह कठिनाई बरकरार है। इन शहरों में कोई कमी नहीं आई है। जहां तक हिमाचल प्रदेश सरकार का प्रश्न है, तो रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने जो दिशा-निर्देश हमें दिए हैं, हमने उन दिशा-

22/12/2016/1630/**NS**/**AS**/2

निर्देशों को सख्ती से लागू किया है। जब यहां पर करंसी नोटों की कमी हुई तो हमने अपने स्टेट के हैलिकॉप्टर को उनके सुपुर्द किया ताकि उसके ज़रिए वे दूर-दराज़ के इलाकों में नकदी को पहुंचा सकें। हमने उनको कहा कि अगर आपको ओर भी ज़रूरत पड़ेगी तो हम आपको हैलिकॉप्टर उपलब्ध करवायेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जैसे ही नोटबंदी की घोषणा हुई, उसी रात से पुलिस ने नाकाबंदी शुरू की और आज भी यह नाकाबंदी लागू है। मैं यहां बताना चाहता हूं कि नाकाबंदी के दौरान जिला मण्डी में दिनांक 11-11-2016 की रात्रि पुलिस द्वारा धनोटू के पास गाड़ी नम्बर HP 50 A 7707 से स्थानीय पुलिस द्वारा चैक करने पर मु0 76 लाख रूपये की राशि पुराने नोटों के रूप में प्राप्त हुई है।

श्री आर0के0एस0 द्वारा----- जारी।

22.12.2016/1635/RKS/AS-1

मुख्य मंत्री....जारी

इस राशि को पुलिस द्वारा अपने कब्जे में लिया गया जिसे दिनांक 17.11.2016 को आयकर विभाग की टीम के सुपूर्द कर दिया गया। जिला चम्बा में पुलिस द्वारा नाकाबंदी के दौरान 4 मामलों में पुरानी करंसी के नोट बरामद किए गए जिसमें दिनांक 13.11.2016 को जिला चम्बा के टोल टैक्स बैरियर, खैरी चौकी, बनीखेत में गाड़ी नम्बर एच.पी. 48 बी.-1210 और डस्टर कार से मु0 21 .79 लाख रुपये के पुरानी करंसी के नोट बरामद किए गए। उसी दिन यानी दिनांक 13.11.2016 को गाड़ी नम्बर पी.बी.-02-4008 डस्टर कार को चैक करने पर पुलिस द्वारा उनके कब्जे से 2.85 लाख रुपये के पुराने नोट बरामद हुए। दिनांक 18.11.2016 को गाड़ी नम्बर एच.पी. 33 सी.-7283 स्वीफ्ट कार से 7.50 लाख रुपये के पुरानी करंसी के नोट बरामद किए गए। उपरोक्त के दृष्टिगत यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार काला धन के प्रति जीरो टोलरैंस अपनाए हुए हैं। हालांकि मैं यहां पर बताना चाहूंगा कि नोटबंदी के कारण किसानों, व्यापारियों तथा आम जनता को भारी परेशानी हो रही है, जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह मैं साफ कहना चाहता हूं कि आप लोगों के सुख-चैन को किसी हवन में आहूति के रुप में नहीं डाल सकते। प्रत्येक सरकार का कर्त्तव्य है कि इसके लिए सख्त-से-सख्त कदम उठाए जाएं लेकिन पूरी तैयारी के साथ उठाए जाएं। इस बात का खास ख्याल रखा जाए कि जो हमारे लाखों-करोड़ों गरीब लोग हैं उनको किसी प्रकार की परेशानी न हो। पिछले दिनों हमने टेलिविज़न और अखबारों में देखा है कि किस प्रकार से लोग परेशान हो रहे हैं। कई लोग तो ए.टी.एम. के सामने सोए होते हैं ताकि सुबह उनकी बारी जल्दी आ जाए। इस प्रकार

की हालत देश में पैदा हुई है। उनके पास कोई चोरी का पैसा नहीं था बल्कि लोगों का अपना पैसा था। अपने पैसे को निकालने के लिए इतनी तकलीफ सहनी पड़े और वह लगातार सहनी पड़े, मैं समझता हूं यह अच्छा इंतजाम नहीं है। इससे दुर्भावना पैदा होती है, कोई सामंजस्य नहीं पैदा होता। मैं उम्मीद करता हूं कि जैसे-जैसे समय बितेगा, स्थिति में सुधार होगा और फिर से हमारे बैंक एवं

22.12.2016/1635/RKS/AS-2

ए.टी.एम्ज. यथापूर्व काम करना शुरू करेंगे। आज अखबारों में आया है कि बड़-बड़े शहरों में बड़े-बड़े लोगों ने चाहे वे किसी भी पार्टी से संबंधित हो, उन लोगों ने भारी मात्रा में अपने काले धन को बदलकर नई करंसी प्राप्त कर ली है। गरीब लोग अपनी रोटी के लिए, बेटी की शादी के लिए और

श्री एस0 एल0 एस0 द्वारा जारी...

22.12.2016/1640/SLS-AG-1

माननीय मुख्य मंत्री ..जारी

परिवार में जो बीमार है, उसके दवा-दारू के लिए अगर उनके पास पैसे न हों और अपने पैसे निकालने के लिए भी उन्हें कई घंटे या कई दिन लग जाएं तो उसको आप क्या अच्छा प्रशासन कहेंगे या अच्छा इंतजाम कहेंगे?

अध्यक्ष महोदय, इस बात से सारे देश के अंदर बहुत बदनामी हुई है। मगर अब जो हुआ है सो हुआ है। आज भी हालात में कोई ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। आज भी बैंक्स और ATM के सामने यथापूर्व लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। मुझे उम्मीद है कि यह दौर जल्दी ख़त्म होगा और फिर से हालात यथापूर्व हो जाएंगे।

जहां तक काले धन से लड़ने की बात है, इसमें कोई दोराय नहीं है कि हर देशभक्त चाहता है कि काला धन ख़त्म हो क्योंकि काला धन एक पैरालल इकोनोमी, एक सामानांतर अर्थ-व्यवस्था होती है। यह देश के आर्थिक विकास के लिए ख़तरनाक है। मगर जो जनता को कष्ट हो रहा है, उसको भी नज़र अंदाज नहीं किया जा सकता। जो आदमी भूखा है, बीमार है या जिसके घर में शादी है जिसके लिए उसे पैसे की ज़रूरत है, उसको हम और आप यह नहीं कह सकते कि सब्र से रहो, देश और इकोनोमी के ख़ातिर या सरकार के ख़ातिर इसको झेल लो। उसको तो पैसे चाहिए। उसको पैसा उपलब्ध करवाना किसी भी सरकार का प्रथम कर्तव्य है।

इस समस्या का समाधान करना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। सरकार चाहे तो जल्दी-से-जल्दी इस पुरानी व्यवस्था को यानी बैंक सुचारू रूप से चलें, ATM सुचारू रूप से चलें, वह व्यवस्था बहाल की जा सकती है। इस चीज को लाने के बारे में पहले सोचना चाहिए था। अब छलांग मारने के बाद आप कह रहे हैं कि बचाव कैसे होगा; अब किश्ती लाओ, रस्सी दो यानी इससे बाहर कैसे निकला जाएगा। यह इंतजाम पहले होना चाहिए था। यह जल्दबाजी में लिया गया फ़ैसला है।

22.12.2016/1640/SLS-AG-2

अध्यक्ष महोदय, मेरी सूचना के मुताबिक प्रधान मंत्री और कुछ लोगों के अलावा केंद्र के मंत्रिमंडल को भी पता नहीं था कि ऐसा कदम उठाया जा रहा है। यह

ठीक है कि ऐसी बातों में सिक्रेसी ज़रूरी होती है। लेकिन सिक्रसी इतनी भी नहीं होनी चाहिए कि तंत्र को ही पता न हो कि उनको आगे आने वाले दिनों में किस चीज का सामना करना पड़ेगा। मीनिमम प्रीकॉशन तो होना ही चाहिए था।

आज हमारी इकोनोमी शैटर हो गई है। हिमाचल प्रदेश में कोई बड़ी-बड़ी इंडस्ट्रीज नहीं हैं। हिमाचल के लोग या तो कृषक हैं या बागवान हैं। आज अगर उनका माल मंडी में न बिके और बिके तो उसके पैसे ही न मिलें तो वह गुज़ारा कैसे करेंगे? एक तो इस साल मौसम भी वैसा ही चल रहा है; वर्षा नहीं हो रही है। आज भी दिन को सूर्य की गर्मी का ताप काफी है। कोई बादल नज़र नहीं आ रहे हैं। अब तक तो पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो जानी चाहिए थी। अभी तक तो लोगों ने खेतों में हल तक नहीं चलाया है, बागीचों में तौलिए नहीं बनाए हैं और री-प्लांटेशन के लिए भी कोई इंतजाम नहीं किया है। अभी सारे प्रदेश के अंदर फसलें तक नहीं बीजी गई हैं और सूखा पड़ा हुआ है। ऐसी हालत में आगे क्या फसल होगी, होगी या न होगी, इसके बारे भी लोगों को शंका है और वे चिंतित हैं। ऐसी स्थिति में परिवार की देखभाल करना, उनका पालन-पोषण करना और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना, यह बोझ उन पर अलग से है। इसको आप लाइटली मत लीजिए। हर आदमी, जो भूखा है, नंगा है या बीमार है, उसको अगर आप कहें कि तुम देशभक्ति के लिए कुछ दिन तक सह लो तो यह ठीक नहीं है। जिनका पेट भरा है, आरामदेह घरों में रहते हैं, भले ही उनके पास पैसे नहीं हैं लेकिन जीवनयापन करने के अच्छे ज़रिए हैं, उनको आप कह सकते हैं। मगर जो बिल्कुल गरीब हैं, उनको आप यह कह कर सांत्वना नहीं दे सकते कि यह देशहित में हो रहा है,

जारी ...गर्ग जी द्वारा

22/12/2016/1645/**RG/AG**/1

मुख्य मंत्री---क्रमागत

थोड़ा इन्तजार करो और सहो, थोड़ा और कष्ट सहो, कुछ दिन में वह दूर हो जाएगा। इसलिए यह जल्दबाजी में लिया गया कदम है।

उपाध्यक्ष महोदय, पीछे मैं टेलीविजन देख रहा था इसमें चर्चा चल रही थी। पीछे जो आजादी के पश्चात रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे हैं और जो जीवित हैं। उनमें से बहुत से लोग उसमें भाग ले रहे थे। वे सब रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके थे। उस चर्चा में डॉ. मनमोहन सिंह जी नहीं थे। उन्होंने कहा कि this is most unusual step taken in a most unusual way which has shattered the economy of the country. जितने भी देश या विदेश में फाइनैन्शियल ऐक्सपर्ट्स हैं उनके कमेन्ट्स भी ऐसे ही हैं। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई इमरजैंसी नहीं थी कि इसको हम रातों-रात लागू कर दें। यह जल्दीबाजी में लिया हुआ कदम है, बिना पूरी तैयारी के लिया गया कदम है जिसकी वजह से आज हिन्दुस्तान के आवाम को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। विशेषकर गांवों में रहने वाले लोगों को, गरीब और निचले तबके के लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। जिनके पास sustaining power नहीं है जो रोज का कमाते हैं और रोज का खाते हैं। जिनके पास कोई पूंजी नहीं है। इससे उनको नुकसान पहुंचा है और वे तकलीफ में हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं भगवान से यह प्रार्थना करता हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि पिछले महीने में ये जो बुरे दिन बीते हैं वे खत्म हो जाएं और फिर से हालात सुधरें और बैंक ठीक से काम करना शुरू करें और ए.टी.एम. ठीक से काम करना शुरू करें और दिहाड़ीदार लोगों को अपनी दिहाड़ी मिले। आज कारखानों में बहुत रिट्रेन्चमेंट हो गई है। आज जो मजदूर बद्दी-बरोटीवाला में काम करते थे वे रिट्रेंच हो गए हैं। क्योंकि वहां उनको वेतन देने के लिए पैसा नहीं है। शायद कुछ लोग छुट्टी पर घर आए होंगे, लेकिन वे नौकरी पर तो होंगे। They said that they are not in a position to pay their salaries. Please leave. तो ये सारे हालात पैदा हुए हैं। जहां तक सीक्रेसी की बात है, सीक्रेसी तो बहुत बड़ी चीज है और किसी को कानों-कान खबर नहीं होने दिया। मगर सीक्रेसी रखते हुए ये कदम उठाए जा सकते थे और इस होने वाली तकलीफ से लोगों को बचाया जा सकता था। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां भारत सरकार की काले धन को खत्म करने की जो पॉलिसी है, this Government is dedicated to that. Hundred per cent
22/12/2016/1645/**RG**/**AG**/2

we are with the Government of India. और इसके बारे में भारत सरकार या रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के जो भी दिशा-निर्देश होंगे, यह सरकार उनका पालन करेगी और उनको अमलीजामा पहनाने के लिए पूरी कोशिश करेगी। धन्यवाद।

इसके साथ ही मैं प्रार्थना करता हूं कि ये अपना संकल्प वापस ले लें।

उपाध्यक्ष : श्री महेन्द्र सिंह जी आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री महेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष जी, जब मैं बोल रहा था उसके पश्चात काफी लंबी इस पर चर्चा हुई है, लेकिन आपने मेरा कुछ समय काट दिया था।

उपाध्यक्ष : नहीं यह कहना आपका बिल्कुल गलत है आपको पूरे 27 मिनट दिए गए और 27 मिनट में यदि आप अपनी बात नहीं कह पाए, तो इसमें मेरी गलती नहीं है।

श्री महेन्द्र सिंह : मैं इसमें एक बात और जोड़ना चाहता हूं कि जो मुख्य मंत्री जी ने कहा है, मेरा मुख्य मंत्री जी से एक आग्रह रहेगा।

मुख्य मंत्री : इसका जवाब आप थोड़े ही देंगे, इसका जवाब तो मोदी जी देंगे।

श्री महेन्द्र सिंह : यह एक आम चर्चा है कि हिमाचल प्रदेश में स्टेट कोऑपरेटिव बैंक और कांगड़ा सेन्ट्रल कोऑपरेटिव बैंक में 8 तारीख से दो-तीन दिन आगे तक

एम.एस. द्वारा जारी

22/12/2016/1650/MS/AG/1

श्री महेन्द्र सिंह जारी--------

रात को भी नये-नये अकाऊंट खोले हैं। हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि इन दोनों बैंकों की शिनाख्त की जाए कि कितने ऐसे बैंक अकाऊंट्स हैं जो 8 नवम्बर की शाम से लेकर 15 नवम्बर तक खोले गए हैं। दूसरा, इन दोनों बैंकों में से कितनी ट्रांजैक्शन की गई है? क्या उसका कोई हिसाब-किताब उनके अकाऊंट नम्बर के हिसाब से बनता है? क्या उनके पास इसका लेखा-जोखा है? यही मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह रहेगा।

मुख्य मंत्री: हम इस बारे में पहले ही छानबीन कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष: क्या माननीय सदस्य अपना संकल्प वापिस लेने के लिए तैयार हैं?

श्री महेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष जी, सरकार की ओर से माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रति एक धन्यवाद प्रस्ताव इस सदन की ओर से आज जाना चाहिए कि आपने अच्छी कार्रवाई की है।

संसदीय कार्य मंत्री: आपका संकल्प क्या है?

श्री महेन्द्र सिंह: मुझे संकल्प का पता है और संकल्प सामने स्क्रीन पर भी आ रहा है। आप लोग उधर पढ़ लीजिए कि क्या संकल्प है। हमारा यह कहना है कि सर्वसम्मति से माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद प्रस्ताव बनाकर भेजा जाए कि उन्होंने एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री: इसलिए धन्यवाद करें कि ए0टी0एम0 की लाइनों में खड़े होकर इतने लोग मर गए? -(व्यवधान)-

श्री महेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष जी, इस पर वोटिंग करवा लीजिए।

उपाध्यक्ष: तो प्रश्न यह है कि "यह सदन सरकार से सिफारिश करता है कि दिनांक 8 नवम्बर, 2016 को केन्द्र सरकार द्वारा घोषित नोटबंदी को कड़ाई से लागू करके प्रदेश में भ्रष्टाचार व कालेधन को रोकने हेतु ठोस पग उठाए जाएं"?

(प्रस्ताव अस्वीकार)

22/12/2016/1650/**MS**/**AG**/2

मुख्य मंत्री: अगर आप हठधर्मी न करते तो अपने आप यह संकल्प पारित हो जाता। मगर बाद में यह कहना की धन्यवाद प्रस्ताव लाओ, ये करो वो करो, this was not part of the debate.

उपाध्यक्ष: अब माननीय सदस्य श्री रविन्द्र सिंह जी अपना संकल्प प्रस्तुत करेंगे।

श्री रविन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से नियम 101 के अंतर्गत गैर सरकारी सदस्य कार्य संकल्प आज यहां प्रस्तुत करता हूं :-

"यह सदन सरकार से सिफारिश करता है कि खुदरो दरख्तान तहज़मीन मालिकान मलकियत सरकार का मालिकाना हक प्रदेश के किसानों को दिया जाए"।

उपाध्यक्ष: संकल्प प्रस्तुत हुआ कि "यह सदन सरकार से सिफारिश करता है कि खुदरो दरख्तान तहज़मीन मालिकान मलकियत सरकार का मालिकाना हक प्रदेश के किसानों को दिया जाए"।

यदि सदन की अनुमति हो तो इस संकल्प को आगामी सत्र में चर्चा हेतु ले लिया जाए?

सदस्यगण: जी हां।

उपाध्यक्ष: ठीक है।

अब इस मान्य सदन की बैठक शुक्रवार दिनांक 23 दिसम्बर, 2016 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित की जाती है।

धर्मशाला-176215 **सुन्दर सिंह वर्मा**,
दिनांक: 22 **दिसम्बर**, 2016 **सचिव।**